RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 129
नई दिल्ली, बुधवार, 16 मार्च, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

लक्ष्य सेन विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर पहुंचे
स्पोर्ट्स-12

इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं हिजाबः कोर्ट

- कर्नाटक हाईकोर्ट में मुस्लिम छात्राओं की याचिकाएं खारिज, शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध बरकरार
- सीएम ने की कोर्ट के फैसले का पालन और इसे लागू करने में सहयोग की अपील

पायनियर समाचार सेवा। बेंगलुरु

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि हिजाब पहनना इस्लाम धर्म में आवश्यक धार्मिक प्रथा का हिस्सा नहीं है। इसी के साथ अदालत ने कक्षाओं में हिजाब पहनने की अनुमति देने के लिए मुस्लिम छात्राओं की याचिकाएं खारिज कर दीं। अदालत ने इसके साथ ही राज्य में शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध बरकरार रखा।

तीन न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि स्कूल की वर्दी का नियम उचित पाबंदी है और संवैधानिक रूप से स्वीकृत है, जिस पर छात्राएं आपत्ति नहीं उठा सकतीं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा

कि हर किसी को उच्च न्यायालय के फैसले का पालन और इसे लागू करने में राज्य सरकार के साथ सहयोग करना चाहिए और शांति बनाए रखनी चाहिए। मुख्यमंत्री बोम्मई ने छात्राओं से अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए कक्षाओं और परीक्षाओं का बहिष्कार नहीं करने का भी आह्वान किया। प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा मंत्री बीसी नागेश ने कहा कि सरकार गुमराह हुई मुस्लिम लड़कियों का दिल जीतने की कोशिश करेगी। गौरतलब है कि बीते 1 जनवरी को उडुपी में एक कॉलेज की छह छात्राएं कैम्पस फ्रंट ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में शामिल हुई थीं और उन्होंने हिजाब पहनकर कक्षा में प्रवेश करने से रोकने पर कॉलेज प्रशासन के खिलाफ रोष व्यक्त किया था। मामले में सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश ऋतु राज अवस्थी, न्यायमूर्ति कृष्ण एस दीक्षित और न्यायमूर्ति जे एम खाजी की पीठ ने मंगलवार को कहा कि हमारी राय है कि मुस्लिम महिलाओं का हिजाब पहनना इस्लाम धर्म में आवश्यक धार्मिक प्रथा का हिस्सा नहीं है। पीठ ने यह भी कहा कि सरकार के पास 5 फरवरी, 2022 के सरकारी आदेश को जारी करने का अधिकार है और इसे अवैध ठहराने का कोई मामला नहीं बनता है। इस आदेश में राज्य सरकार ने उन वस्त्रों को पहनने पर रोक लगा दी है, जिससे (शेष पेज 9)

कर्नाटक के शिवमोगा में एक कॉलेज में प्रवेश न मिलने के कारण वापस आतीं हिजाब पहिने मुस्लिम छात्राएं (फाइल फोटो)

हिजाब पर फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शिक्षण संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध जारी रखने के कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ एक मुस्लिम छात्र ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की है। हाई कोर्ट के फैसले पर छात्राओं ने कहा कि वे बिना हिजाब के कॉलेज नहीं जाएंगी और कानूनी लड़ाई लड़ेंगी। कक्षाओं में हिजाब पहनने की इजाजत दिए जाने के मामले को लेकर कर्नाटक उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने वाली मुस्लिम छात्राओं ने मंगलवार को कहा कि वे बिना हिजाब के कॉलेज नहीं जाएंगी और इंसाफ मिलने तक कानूनी तौर पर लड़ेंगी। एक छात्रा ने इस तटीय शहर में एक प्रेस वार्ता में कहा कि हमने कक्षाओं में हिजाब पहनने की इजाजत के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया था। आदेश हमारे खिलाफ आया है। हम बिना हिजाब के कॉलेज नहीं जाएंगे, लेकिन इसके लिए लड़ेंगे।

कुरान में महिलाओं को सिर ढकने का आदेश : उलेमा

- ओवैसी, महबूबा व उमर अब्दुल्लाह ने भी जताई कोर्ट के फैसले से असहमति, आरिफ मोहम्मद ने किया स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कर्नाटक उच्च न्यायालय की ओर से हिजाब पहनने को इस्लाम का जरूरी हिस्सा नहीं मानने के फैसले से इस्लामी विद्वानों और मुस्लिम राजनेताओं ने असहमति जताई है। इस्लाम के तीन अलग अलग विद्वानों ने अदालत के फैसले से असहमति देते हुए कहा कि कुरान में जिस बात का हुक्म (आदेश) दिया गया है, हिजाब मज़हब का अनिवार्य हिस्सा है और कुरान की सूराह (अध्याय) में महिलाओं को सिर ढकने को कहा गया है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के इस्लामी अध्ययन विभाग के पूर्व प्रमुख प्रोफेसर एमेरिट्स अख्तर उल वासे ने कहा कि वह एक शिक्षक के तौर पर वर्दी (यूनिफॉर्म) लागू करने के हिमायती हैं और किसी भी बहाने से इससे बचना नहीं चाहिए, लेकिन छात्राओं को वर्दी के रंग के कपड़े से सिर ढकने की इजाजत दी जा सकती है, जैसे सिख समाज के लोग करते हैं। प्रोफेसर वासे ने कहा कि सिर ढकने का जिक्र सूर-ए-अहज़ाब और सूर-ए-नूर में मौजूद है कि महिलाएं अपना चेहरा, हाथ और पैर खुला रखेंगी, लेकिन वे सिर ढकेंगी। उन्होंने कहा कि सूर-ए-नूर में मर्दों के लिए भी हुक्म है कि वे अपनी नज़र को झुका कर रखेंगे।

चांदनी चौक स्थित फतेहपुरी मस्जिद के शाही इमाम मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने भी कहा कि सूर ए अहज़ाब में, सूर ए नूर में सिर ढकने का हुक्म है, इसलिए यह इस्लाम का जरूरी हिस्सा है। इसी प्रकार विश्व प्रसिद्ध इस्लामी शिक्षण संस्थान के दारूल उलम देवबंद के प्रवक्ता अशरफ उस्मानी ने कि महिलाओं का सिर ढकना कुरान से साबित है और जो बात कुरान में आ गई है, वह फर्ज है, चाहे, वह नमाज, रोजा जकात या हज हो। दुनियाभर के उलेमा मानते हैं कि इस्लाम (शेष पेज 9)

गांधी परिवार को नेतृत्व छोड़ने की सलाह देकर घिरे सिब्बल

- कांग्रेस नेताओं ने पूर्व केंद्रीय मंत्री पर संघ, भाजपा की भाषा बोलने का लगाया आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पांच विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की करारी हार के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल के गांधी परिवार को नेतृत्व छोड़कर किसी दूसरे नेता को मौका देने के बयान के बाद आतंरिक कलह एक बार फिर सामने आ गया है। हालांकि सिब्बल की इस टिप्पणी के बाद गांधी परिवार के नेतृत्व में विश्वास रखने वाले नेताओं ने उन पर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी की भाषा बोल रहे हैं।

पार्टी के वरिष्ठ नेता सिब्बल ने अंग्रेजी अखबार को दिए साक्षात्कार में कहा है कि गांधी परिवार को कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व से अलग होना चाहिए और किसी अन्य को मौका देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वह घर की कांग्रेस नहीं, बल्कि सबकी कांग्रेस चाहते हैं। कांग्रेस के जी 23 समूह के सदस्य सिब्बल ने यह टिप्पणी कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के दो दिनों बाद की। सीडब्ल्यूसी की बैठक में कांग्रेस नेताओं ने सोनिया गांधी के नेतृत्व में विश्वास जताते हुए कहा था कि वह संगठनात्मक चुनाव पूरा होने तक पद पर बने रहें और पार्टी को मजबूत बनाने के लिए जरूरी कदम उठाएं। लोकसभा में कांग्रेस के सचेतक मणिकम टैगोर ने सिब्बल की टिप्पणी को (शेष पेज 9)

सोनिया ने पांचों चुनावी राज्यों के कांग्रेस अध्यक्षों से लिया इस्तीफा

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने हालिया विधानसभा चुनावों में पार्टी की करारी हार के बाद उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर की प्रदेश इकाइयों के अध्यक्षों को इस्तीफा देने के लिए कहा है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट किया कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी जी ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर की प्रदेश इकाइयों के अध्यक्षों को इस्तीफा देने के लिए कहा है ताकि प्रदेश कांग्रेस कमेटियों का पुनर्गठन किया जा सके।

भारत की मिसाइल प्रणाली अत्यंत सुरक्षित : राजनाथ

- दुर्घटनावश मिसाइल चलने की घटना पर रक्षा मंत्री ने खेद जताया

भाषा। नई दिल्ली

दुर्घटनावश मिसाइल चलने की घटना पर खेद प्रकट करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को संसद में कहा कि सरकार ने इस घटना को बहुत ही गंभीरता से लिया है तथा उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं। इस घटना पर पहले राज्यसभा और बाद में लोकसभा में दिए गए बयान में रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की मिसाइल प्रणाली अत्यंत सुरक्षित और भरोसेमंद है और देश का रक्षा प्रतिष्ठान सुरक्षित प्रक्रियाओं तथा मानकों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।

उन्होंने कहा, 9 मार्च को अनजाने में जो मिसाइल रिलीज हुई, उसके लिए खेद है। रक्षा मंत्री ने कहा कि मिसाइल यूनिट के नियमित रख-रखाव और निरीक्षण के दौरान गलती

से एक मिसाइल छूट गई। उन्होंने कहा कि बाद में पता चला कि मिसाइल पाकिस्तान के इलाके में गिरी थी और यह घटना खेदजनक है। सिंह ने कहा कि लेकिन राहत की बात यह रही कि कोई नुकसान नहीं हुआ। उन्होंने कहा, मैं सदन को सूचित करना चाहता हूं कि सरकार ने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है और इसके लिए औपचारिक उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं।

इस जांच से दुर्घटना के सही कारण का पता चलेगा। उन्होंने कहा कि भारत अपनी शस्त्र प्रणाली की सुरक्षा और संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा कि वह सदन को आश्वासन देना चाहते हैं कि भारत की मिसाइल प्रणाली अत्यंत सुरक्षित और भरोसेमंद है और उसके सशस्त्र बल (शेष पेज 9)

भारतीय छात्रों को यूक्रेन छोड़ने के लिए किया गया था हतोत्साहित

- यूक्रेन के विश्वविद्यालयों ने फंसे हुए भारतीय छात्रों को ऑनलाइन पाठ्यक्रम देने में दिखाई थी अनिच्छा
- विदेश मंत्री जयशंकर ने ऑपरेशन गंगा पर संसद में दिया बयान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को संसद में कहा कि यूक्रेन के विश्वविद्यालयों ने फंसे हुए भारतीय छात्रों को युद्धग्रस्त देश छोड़ने से हतोत्साहित किया और उन्हें ऑनलाइन पाठ्यक्रम देने में अनिच्छा दिखाई। युद्ध के बारे में भारत के संदर्भ में जयशंकर ने कहा कि इसके बड़े आर्थिक निहितार्थ हैं।

इसे ऊर्जा और अन्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के रूप में देखा जा

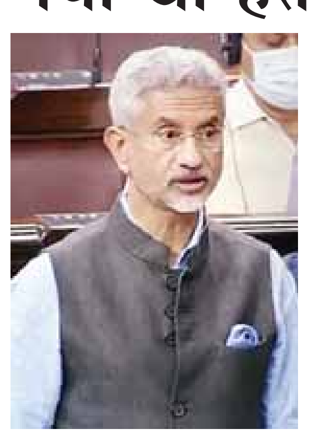

सकता है। यूक्रेन की स्थिति और उसका भारत पर प्रभाव पर मंगलवार को पहले राज्यसभा और बाद में लोकसभा में अपने बयान में ऑपरेशन गंगा का विवरण देते हुए कहा कि युद्ध के मुश्किल एवं चुनौतीपूर्ण हालात में भारत ने अपने छात्रों सहित 22,500 नागरिकों को वहां से निकालने में कामयाब रहा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन गंगा अब तक चलाए गए चुनौतीपूर्ण निकासी अभियानों में से एक था। कोई भी अन्य देश वहां से इतनी संख्या में अपने नागरिकों को नहीं निकाल सका। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने (शेष पेज 9)

पाकिस्तान ने मिसाइल मामले पर भारत के जवाब को किया खारिज

इस्लामाबाद (भाषा)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने मंगलवार को भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा एक मिसाइल के अचानक चल जाने के बारे में संसद में दिए गए जवाब को अपूर्ण और अपर्याप्त बताते हुए खारिज कर दिया और घटना की संयुक्त जांच की मांग की। पाकिस्तानी सेना ने कहा है कि इस घटना के परिणामस्वरूप एक बड़ी आपदा हो सकती थी। कुरैशी ने पिछले सप्ताह इस्लामाबाद द्वारा की गई मांग को दोहराते हुए कहा, भारत के रक्षा मंत्री ने लोकसभा में जो कहा वह अधूरा और अपर्याप्त है। यह पाकिस्तान को संतुष्ट करने के लिए काफी नहीं है। (विस्तृत पेज 10)

यूक्रेन के चिकित्सा विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन कक्षाएं शुरू की

भाषा। नई दिल्ली

यूक्रेन के कई चिकित्सा विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन कक्षाएं शुरू की है जिससे रूसी हमले के कारण वहां से स्वदेश आने के पश्चात अपने भविष्य को लेकर चिंतित भारतीय विद्यार्थियों के लिए उम्मीद की एक किरण जगी है। हालांकि कुछ विद्यार्थियों की चिंताएं प्रैक्टिकल कक्षाएं नहीं कर पाने को लेकर हैं। कई चिकित्सा विश्वविद्यालयों ने सोमवार से ऑनलाइन कक्षाएं शुरू की हैं, क्योंकि रूसी सैन्यबलों की निरंतर गोलाबारी के कारण यूक्रेन में प्रत्यक्ष कक्षाएं लगाना असंभव हो गया है। उनमें से ज्यादातर विश्वविद्यालय पश्चिमी यूक्रेन में हैं। भारतीय विद्यार्थियों के अनुसार, आने वाले दिनों में अन्य विश्वविद्यालयों ने भी ऑनलाइन कक्षाएं बहाल करने की योजना बनाई है। डेनाइलो हैलीटैस्की ल्वीव नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी, इवानो-फ्रैंकिवस्क नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी, (शेष पेज 9)

बिना पंजीकरण भी 12-14 वर्ष के बच्चों को लगेगी वैक्सीन

- बच्चों का टीकाकरण अभियान आज से, ऑनलाइन पंजीकरण सुबह नौ बजे से

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने 16 मार्च से शुरू हो रहे 12 से 14 साल के बच्चों के कोविड-19 टीकाकरण के लिए मंगलवार को दिशा-निर्देश जारी किए। सरकार ने स्पष्ट किया कि इस आयु वर्ग के बच्चों को सिर्फ कोर्बेवैक्स टीका लगाया जाएगा। लाभार्थी बुधवार सुबह नौ बजे से ऑनलाइन पंजीकरण के अलावा सीधे टीकाकरण केंद्र पर जाकर भी वैक्सीन लगवा सकेंगे।

दिशा-निर्देशों के मुताबिक, 12 से 14 साल के बच्चों को बायोलॉजिकल-ई द्वारा विकसित कोर्बेवैक्स टीके की दो खुराकें 28 दिनों के अंतराल पर दी जाएंगी। सोमवार को केंद्र सरकार ने एक पत्र जारी कर सभी राज्यों और केंद्र-

शासित प्रदेशों से भी ये दिशा-निर्देश साझा किए। पत्र में कहा गया है कि 12 से 14 साल के बच्चों का कोविड-19 टीकाकरण 16 मार्च से शुरू होगा और 12 से 13 और 13 से 14 वर्ष के सभी लाभार्थियों के टीकाकरण में केवल कोर्बेवैक्स टीके का इस्तेमाल किया जाएगा।

इसमें कहा गया है कि 2010 या उससे पहले पैदा हुए सभी बच्चे, जिनकी उम्र 12 साल हो चुकी है, कोविन पोर्टल पर पंजीकरण करा सकेंगे। वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों से हुई बातचीत में कहा कि 12 से 14 साल के बच्चों के टीकाकरण के दौरान टीकों का मिश्रण न (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	55,776	↓	709	
निफ्टी	16,663	↓	208	
सोना	51,727	↓	668	/10g
चांदी	67,997	↓	1390	/kg

क्विक न्यूज

मलयालम चैनल पर प्रतिबंध लगाने के केंद्र के आदेश पर रोक

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सुरक्षा आधार पर मलयालम समाचार चैनल मीडियावन के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने वाले केंद्र के 31 जनवरी के फैसले पर मंगलवार को अगले आदेश तक रोक लगा दी। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने कहा किसमाचार चैनल अपना काम जारी रखेगा जैसा कि वह प्रसारण पर रोक से पहले कर रहा था। पीठ ने कहा, हमारी राय है कि अंतरिम राहत प्रदान करने का मामला बनता है। हम केंद्र सरकार द्वारा माध्यमम ब्रॉडकास्टिंग लिमिटेड की सुरक्षा मंजूरी को रद्द करने के 31 जनवरी, 2022 के आदेश को अगले आदेश तकरोकलगाने का निर्देश देते है।

महज संदेह के आधार पर कदाचार स्थापित नहीं किया जा सकताः कोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि महज संदेह के आधार पर कदाचार स्थापित नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही इसने राजस्थान उच्च न्यायालय का फैसला निरस्त करते हुए बर्खास्त न्यायिक अधिकारी को नौकरी में बहाल करने का आदेश दिया। राजस्थान उच्च न्यायालय ने घूसखोरी के मामले में एक अभियुक्त को जमानत मंजूर करने के लिए एक न्यायिक अधिकारी को नौकरी से मुअत्तल कर दिया था।

न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित और न्यायमूर्ति विनीत सरन की पीठ ने अभय जैन नामक न्यायिक अधिकारी की अपील स्वीकार कर ली। जैन ने उस याचिकाकर्ता की जमानत याचिका मंजूर कर ली थी, जिसे कुछ दिन पहले उच्च न्यायालय से निराशा हाथ लगी थी। इसके बाद उन्हें

कदाचार के आरोप में 2016 में बर्खास्त कर दिया गया था। पीठ की ओर से न्यायमूर्ति सरन द्वारा लिखे गए 70 पन्नों के फैसले में कहा गया है, हम मानते हैं कि याचिकाकर्ता इस मामले में लापरवाही बरतने का दोषी हो सकता है कि उसने केस फाइल को ठीक से नहीं पढ़ा था और उच्च न्यायालय के नोटिस का संज्ञान नहीं लिया था, जो उस फाइल में मौजूद था। लेकिन लापरवाही को कदाचार नहीं कहा जा सकता। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता न्यायिक अधिकारी को सेवा की निरंतरता और वरिष्ठता सहित सभी लाभ (शेष पेज 9)

होली पर दो बजे बाद चलेगी मेट्रो और डीटीसी बसें

- रंग उत्सव के मद्देनजर लिया फैसला, एनसीआर से आवागमन करने वालों को होगी परेशानी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

होली के दिन अगर आप कहीं जाना चाहते हैं तो मेट्रो और डीटीसी के बजाय अपनी सवारी का इंतजाम अभी से कर लें, क्यों कि 18 मार्च को मेट्रो और दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बसों का संचालन दोपहर दो बजे के बाद किया जाएगा। मेट्रो द्वारा मंगलवार को जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार रंगों के त्योहार होली उत्सव के दिन यानि18 मार्च शुक्रवार को दोपहर 2.30 बजे तक रैपिड मेट्रो सहित दिल्ली मेट्रो और एयरपोर्ट एक्सप्रेस

प्रतीकात्मक चित्र

लाइन समेत सभी लाइनों पर सेवा उपलब्ध नहीं रहेगी। इसके बाद सभी मेट्रो सेवा का संचालन सामान्य हो जाएगी। देर रात तक सामान्य दिनों की तरह मेट्रो का परिचालन किया जाएगा। हालांकि मेट्रो के संचालन नहीं होने से दिल्ली से नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद जाने व आने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा सकता है। कम ट्रेनों का परिचालन होने के कारण सामान्य दिनों की तुलना में अधिक इंतजार करना पड़ेगा। यानि दो ट्रेनों के बीच परिचालन का अंतराल सामान्य कार्यदिवस की (शेष पेज 9)

ग्रेनो से लखनऊ-कानपुर के लिए भी बसें मिलेंगी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यूपी रोडवेज ने होली पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए ग्रेटर नोएडा डिपो पर लंबे रूटों के लिए बसों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है। इसी के साथ लंबे रूटों पर बसों के फेरे बढ़ा दिए जाएंगे। जिससे किसी भी यात्री को होली पर घर जाने में कोई परेशानी और समस्या का सामना नहीं करना पड़े। ग्रेटर नोएडा डिपो के एआरएम ललित श्रीवास्तव ने बताया कि अलग-अलग रूटों पर बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसी के साथ कुछ रूटों पर बसों के फेरे भी बढ़ा दिए गए हैं। यह व्यवस्था 16 से 20 मार्च तक रहेगी। उन्होंने बताया कि ग्रेटर नोएडा डिपो और परी चौक से लखनऊ और कानपुर के लिए भी बसें मिलेंगी। इसी के साथ बदायूं, आगरा, मैनपुरी, अलीगढ़ और बुलंदशहर आदि रूटों पर बसों के फेरे बढ़ा दिए गए हैं। वहीं यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक व्यक्ति को परी चौक पर तैनात किया जाएगा। अगर लोगों की संख्या ज्यादा होती है तो उसे देखते हुए अतिरिक्त बसें भेजी जाएंगी।

डीटीसी हेल्पलाइन पर करें संपर्क

डीटीसी प्रशासन ने कहा है कि यात्रियों से अपील है कि जरूरी हो तो लोग सुबह के समय बसों की जगह लोग अन्य वाहनों का उपयोग करें। डीटीसी बस सेवाओं के संबंध में अन्य जानकारी के लिए लोग डीटीसी हेल्प लाइन नंबर 18001118181 (टोल फ्री) और 41400400 पर संपर्क कर सकते हैं।

होली पर शहर के साथ गांवों को भी मिलेगी 24 घंटे बिजली

विद्युत विभाग ने मरम्मत का काम किया पूरा

● जिले के पांच सर्किल में स्पेशल टीम भी बनाई

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

फाइल फोटो

होली के त्योहार पर शहर के साथ गांवों को भी बिना ट्रिपिंग के 24 घंटे बिजली मिलेगी। इसके लिए विद्युत निगम ने जनपद को पांच सर्कल में बांट दिया है। प्रत्येक सर्कल के लिए स्पेशल टीम भी बना दी है। जनपद में कुल 800 फीडर हैं, जिनकी मरम्मत का ज्यादातर कार्य पूरा कर लिया गया है।

17 और 18 मार्च को होली का त्योहार धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दौरान सबसे बड़ी समस्या बिजली आपूर्ति बाधित होने पर होती है। किसी भी क्षेत्र में बिजली गुल न हो इसके लिए विद्युत निगम लगातार कार्य कर रहा है। इसके लिए निगम ने ट्रांसफार्मर और जंपरों की जांच कर रहा है। इस दौरान जिसमें भी कोई कमी दिखाई दे रही है उसकी मरम्मत कराई जा रही है। साथ ही जिसमें ज्यादा खराब होने की उम्मीद है उसे बदला जा रहा है।

इसके अलावा इंसुलेटर को भी साफ कराया जा रहा है। साथ ही जो इंसुलेटर फुंकने की स्थिति में हैं उन्हें बदलवाया जा रहा है। इसके अलावा विद्युत निगम ने बिजली की लाइन के आसापास के पेड़ों की छटाई करा रहा है। क्योंकि सबसे ज्यादा फाल्ट पेड़ों के कारण होता है। पेड़ की टहनी लाइन से लगते ही फाल्ट हो जाता है। फाल्ट सुधारने में कम से कम तीन से चार घंटे का समय लग जाता है। जिलेभर में विद्युत आपूर्ति 150 सब स्टेशनों से होती है।

प्रत्येक सब स्टेशन पर दो ट्रांसफार्मर रखे गए हैं अगर कहीं भी ट्रांसफार्मर फुंकने की शिकायत आती है तो दूसरे से आपूर्ति की जाएगी। साथ ही उसे तुरंत बदलवा दिया जाएगा। साथ ही प्रत्येक सब स्टेशन से पांच से छह फीडर जुड़े हुए हैं। यानी जिलेभर में 11 केवी के करीब 800 फीडर हैं, जिनकी मरम्मत का कार्य भी पूरा करा लिया गया है। विद्युत निगम ने बेहतर आपूर्ति के लिए जिलेभर को पांच सर्कल में बांट दिया है। यानी राजनगर, हिंडन, लालकुआं, ग्रामीण और लोनी में बांटा गया है, जिससे लोगों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो।

अगर कोई भी परेशानी होती है तो इसकी शिकायत हेल्पलाइन नंबर पर कर सकते हैं। विद्युत वितरण निगम के मुख्य अभियंता एसके पुरवार ने बताया कि होली के त्योहार पर शहर और गांवों में बिना ट्रिपिंग के 24 घंटे विद्युत आपूर्ति की जाएगी। इसके लिए पेड़ों की छटाई और ट्रांसफार्मर, जंपर और इंसुलेटर की जांच की जा रही है। जो भी कमी सामने आ रही है उसे दुरुस्त किया जा रहा है।

आयकर विभाग के कर्मचारियों ने किया धरना प्रदर्शन

नोएडा। आयकर विभाग के कर्मचारियों ने कर निर्धारण की अवधि बढ़ाए जाने समेत अपनी विभिन्न मांगों को लेकर यहां आयकर भवन में सोमवार को धरना प्रदर्शन किया।

कर्मचारियों ने आयकर राजपत्रित महासंघ एवं आयकर कर्मचारी महासंघ के बैनर तले धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने कहा कि आयकर अधिनियम, 1961 में संशोधन के बाद नए कर निर्धारण आदेश पारित करने में कम से कम 50 से 60 दिन की आवश्यकता होती है, लेकिन क्षेत्राधिकार कर निर्धारण अधिकारी के पास बहुत सारी सूचनाएं एवं मामले भेजे जा रहे हैं, जिन्हें 31 मार्च तक निपटाना है जो काफी मुश्किल होगा।

उन्होंने मांग की कि कर निर्धारण की अवधि को बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों के बैठने की उचित व्यवस्था एवं उनके लिए आवास आदि उपलब्ध कराए जाने की भी मांग की।

अप्रैल में होगा ट्विन टावरों को तोड़ने का ट्रायल

तीन घंटे पहले आसपास की सोसायटी का करा लिया जाएगा खाली

● ध्वस्तीकरण के समय बरतीं जाएंगी सावधानियां

● 30 मिनट के लिए बंद किया जाएगा नोएडा, ग्रेनो एक्सप्रेसवे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

शहर के सेक्टर-91ए स्थित सुपरटेक के एमरॉल्ड कोर्ट में अवैध रूप से बने ट्विन टावर को तोड़ने की प्रक्रिया तेज रफ्तार के साथ आगे बढ़ रही है। इन दोनों टावरों को 22 मई को दोपहर करीब ढाई बजे ध्वस्त किया जाएगा। इससे पहले कॉलम की स्ट्रेंथ देखने के लिए मार्च महीने के अंत और अप्रैल के पहले सप्ताह में ब्लास्ट ट्रायल किया जाएगा। ये ट्रायल दोनों टावरों के कुछ कॉलम पर होगा, जिनके कैल्कुलेशन के बाद ये तय होगा कि दोनों टावरों को गिराने के लिए कितना बारूद लगेगा।

एडिफिस कंपनी ने बताया कि इसकी मात्रा 2500 से 4000 किलो तक हो सकती है। एस्क्प्लोसिव को ट्विन टावर पर ही असेंबल किया जाएगा। ऐसे में रोजाना करीब 200 किलो एक्स्प्लोसिव लगाने का लक्ष्य रहेगा। ये कार्य ब्लास्ट की तरीख यानी 22 मई से 15 दिन पहले शुरू किया जाएगा।

सोमवार को इन दोनों टावरों को तोड़ने का प्रस्तुतीकरण दिया गया। यह प्रस्तुतीकरण प्राधिकरण और बाकी के अधिकारियों के सामने दिया गया। दोनों टावरों के आसपास रेड जोन में शामिल सभी 14 टावर एटीएस पार्श्वनाथ सोसायटी को तीन घंटे पहले खाली करा लिया जाएगा। ब्लास्ट के बाद दो घंटे की जांच पड़ताल के बाद ही लोगों को अंदर जाने दिया जाएगा।

ब्लास्ट के तुरंत बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां की मदद से डस्ट को दबाने के लिए छिड़काव और स्मोक गन का प्रयोग होगा। एनडीआर की टीम स्टैंड बाय और मौके पर रहेगी। पूरे एरिया को रेड जोन में डालकर खाली करा लिया जाएगा। इसके अलावा नोएडा ग्रेटर-नोएडा एक्सप्रेसवे को 30 मिनट के लिए बंद किया जाएगा। मौके पर एंबुलेंस और साथ ही नजदीकी अस्पताल को स्टैंड बाय पर रखा जाएगा। ट्विन टावरों को गिराने से आसपास की इमारतों को नुकसान न हो इसके लिए 100 करोड़ का बीमा कराया जा रहा है। इसके लिए तीन कंपनियों से बातचीत की जा रही है, लेकिन एक दिन के बीमा के लिए कंपनी से रजामंदी होने में समय लग रहा है।

मुख्यमंत्री योगी और मायावती के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने वाला युवक गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर जिला पुलिस ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की कथित रूप से आपत्तिजनक तस्वीर सोशल मीडिया पर डालने के आरोप में मंगलवार को 24 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने 13 मार्च को फेसबुक पर आदित्यनाथ और मायावती की छेड़छाड़ की गई तस्वीर साझा की थी।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक जेवर थाना क्षेत्र अंतर्गत दयानतपुर गांव में आमिर खान अपने परिवार के साथ रहता है। आमिर खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव है। उसका फेसबुक और ट्विटर पर अकाउंट बना हुआ है। मनीष नामक एक व्यक्ति ने ट्विटर के माध्यम से शिकायत देते हुए बताया कि आमिर खान ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की मॉर्फ फोटो सोशल मीडिया पर वायरल की है।

पुलिस ने मनीष की शिकायत के आधार पर ग्रेटर नोएडा के जेवर थाने में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2008 व कई अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

आपको बता दें कि यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी योगी आदित्यनाथ से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बड़े-बड़े नेताओं के फोटो के साथ छेड़छाड़ करके सोशल मीडिया पर वायरल किए गए हैं। हालांकि पुलिस इन सभी मामलों में शिकायत आने के बाद कार्रवाई करती है।

संक्षिप्त समाचार

पाइप लाइन फटने के कारण सोसायटी में भरा पानी का दृश्य।

पाइपलाइन फटने से सोसायटी में भरा पानी

नोएडा। शहर के सेक्टर-52 स्थित अरावली अपार्टमेंट के निवासी दो दिन से पानी की समस्या से परेशान हैं। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ओपी यादव ने बताया कि करीब 22 वर्ष हो गए हैं लेकिन भूमिगत पाइप लाइन पर कोई काम नहीं हुआ। हमेशा पाइप फटने की शिकायत आती रहती है। इस सप्ताह की यह दूसरी घटना है। प्राधिकरण निवासियों की परेशानी पर ध्यान नहीं दे रहा है। पाइपलाइन फटने से सेक्टर तालाब बन गया है। वहीं, घरों में पानी नहीं आने से निवासियों को काफी दिक्कत हो रही है। प्राधिकरण से पुरानी पाइपलाइन बदलने की मांग की गई है। निवासी टीके भाटी ने बताया कि कभी बदबूदार और गंदा पानी आता है तो कभी सप्लाई की मेन लाइन फट जाती है। निवासियों को दिक्कत हो रही है। रविवार शाम से और सोमवार सुबह तक पानी नहीं आया।

थाने के सामने महिला को ईंट से घायल किया

गाजियाबाद। आरडीसी फ्लाईओवर के पास झुग्गी झोपड़ी में रहने वाली इंदिरा का कहना है कि वह दोपहर साढ़े तीन बजे कविनगर थाने के सामने चाय की दुकान पर बैठी हुई थीं। इसी दौरान दिन में हुए झगड़े को लेकर राजू, रज्जो व कर्ण की पत्नी ज्योति उनके पास आए और गाली-गलौच करने लगे। विरोध करने पर रज्जो व उसकी भाभी ज्योति ने उन पर ईंट से हमला कर दिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। कविनगर एसएचओ आनंद प्रकाश मिश्र का कहना है कि केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

चिकित्सक से मोबाइल लूटने का प्रयास

गाजियाबाद। वैशाली निवासी एक महिला चिकित्सक ने बताया कि वह सुबह सात बजे घर से सैर करने के लिए निकली थीं। जैसे ही अंसल प्लाजा के पास पहुंची तो किसी परिचित का फोन आ गया। वह उनसे बात करने लगीं। इसी दौरान उनके पीछे से एक बाइक सवार बदमाश आया और मोबाइल छीनने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने मोबाइल नहीं छोड़ा। इससे बदमाश बिना मोबाइल छीने ही भागने लगा। उन्होंने एक पत्थर उठाकर बदमाश की तरफ मारा। इस विरोध को लेकर बदमाश वापस आया और उनके गर्दन पर हाथ मारकर भाग गया। कौशांबी थाना प्रभारी सचिन मलिक ने बताया कि मामले में शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

गत्ता फैक्टरी में लगी भीषण आग, एक की मौत

गाजियाबाद। जिले में एक फैक्टरी में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि मालिक और कई मजदूर झुलस गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद के भोजपुर थाना इलाके के डतैडी गांव में आग लगने की यह घटना हुई। मंगलवार को यहां गत्ता फैक्टरी में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रुप ले लिया। आग की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि मालिक समेत कई मजदूर झुलस गए हैं, सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है।

बिल्डर के दफ्तर में 17 लाख की चोरी

नोएडा। सेक्टर-49 में स्थित एक बिल्डर के ऑफिस में काम करने वाला एक शख्स 17 लाख रुपए चोरी करके ले गया। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने इस मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। इस मामले में बिल्डर ने अपने दफ्तर में काम करने वाले एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है।

सेक्टर-49 कोतवाली के थानाध्यक्ष अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि डी.7 सेक्टर.49 में अतुल रैरा बल्डर का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि उनके यहां काम करने वाला नौकर विश्वजीत हलधर ने उनके कार्यालय की तिजोरी का ताला तोड़कर उसमें रखी 17 लाख की नगदी चोरी कर लिया है।

युवती की ईमेल आईडी हैक कर आरोपी ने मांगे 5 लाख

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● पीड़िता ने थाने में दर्ज कराया मामला

एक युवक ने ऑनलाइन गेम खेलते समय एक युवती से दोस्ती कर उसकी ईमेल आईडी व पासवर्ड ले लिया। अब आरोपी युवती की निजी फोटो वायरल करने की धमकी देकर पांच लाख रुपये की मांग कर रहा है। इस संबंध में पीड़िता ने सेक्टर 24 थाने में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

पुलिस को दी शिकायत में युवती ने बताया कि वह सेक्टर 53 गिझौड़ गांव में रहती है। युवती का कहना है कि पब जी गेम खेलते समय उसकी दोस्ती एक युवक से हुई थी। गेम खेलते समय दोनों के बीच बातचीत होने लगी। इसी बीच युवक ने उसे भरोसे में लेकर युवती से उसकी ईमेल आईडी और पासवर्ड ले लिया। इसके बाद आरोपी ने खुद के डिवाइस पर ईमेल आईडी को ऑन कर लिया। इससे आरोपी के पास युवती के निजी फोटो व उसके परिजनों के मोबाइल नंबर पहुंच गए।

युवती का आरोप है कि अब आरोपी संबंधित फोटो को सोशल मीडिया व उसके रिश्तेदारों के पास वायरल करने की धमकी देकर पांच लाख रुपये मांग रहा है।

घरेलू सहायिका जेवरात व नगदी लेकर फरार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कौशांबी में रहने वाले सेवानिवृत्त शिक्षक दंपति ने घरेलू सहायिका पर लाखों के गहने व नकदी चोरी करने का आरोप लगा कौशांबी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित दंपति के काफी समय तक चौकी थाने के चक्कर काटने पर रिपोर्ट दर्ज हुई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कौशांबी निवासी हुकम चंद पंवार ने बताया कि वह और उनकी पत्नी सेवानिवृत्त शिक्षक हैं। 22 जनवरी को भोवापुर में किराये पर रहने वाली एक महिला को घरेलू सहायिका के रूप में रखा था। वह पड़ोस के घरों में भी काम करती थी। शुरूआती पांच छह दिन काम करने के बाद वह अपनी बेटी को लेकर आई और अपनी तबीयत खराब होने का हवाला देते हुए बेटी से काम करवाने का आग्रह किया।

वह अपनी बीमारी के नाम पर तीन हजार रुपये भी उधार ले गई। उसकी बेटी ने काम करना शुरू कर दिया। आरोप है कि उनकी पत्नी ने 16 फरवरी को घर की अलमारी खोली तो मौके पर सोने की चेन, दो जोड़ी टॉप्स व 20 हजार रुपये की नकदी गायब थी।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड,
लोक निर्माण विभाग, हल्द्वानी (नैनीताल)
(Phone/Fax) : 05946-223352 E-mail- ee_ndhal@rediffmail.com

पत्रांक : 575/2 ए0सी0 दिनांक : 14/03/2022

अतिअल्पकालीन निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, हल्द्वानी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु मोहरबन्द निविदायें दिनांक 21.03.2022 को आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 16.03.2022 से दिनांक 19.03.2022 तक किसी भी कार्यदिवस में निम्न कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते हैं तथा दिनांक 21.03.2022 अपरान्ह 03.00 बजे तक निम्नाकित कार्यालयों में निविदा बॉक्स में डाले जा सकते है। निविदा के साथ वाँछित धरोहर राशि एन०एस०सी०, डाकघर बचत बैंक पास बुक अथवा भारत में किसी अनुसूचित बैंक की जमा रसीद के रूप में जो अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, हल्द्वानी के पदनाम से बन्धक हो, लगाना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त निविदा प्रपत्र के साथ रू० 100/- के नॉन ज्यूडीशियल स्टाम्प पेपर पर रू० 1.00 का रसीदी टिकट लगाकर वैधता की शर्त के साथ ठेकेदार द्वारा हस्ताक्षर कर संलग्न करना अनिवार्य है। 1-कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, द्वितीय वृत्त, लो0नि0वि0, नैनीताल 2-कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, हल्द्वानी। 3-कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, रामनगर 4-कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, रूद्रपुर।

क्र. सं.	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (₹)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹)	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने हेतु समय	ठेकेदार की पंजीकृत श्रेणी
1	रोड कटिंग के अन्तर्गत तल्ली हल्द्वानी के आन्तरिक मार्गों में रोड कटिंग से क्षतिग्रस्त मार्ग का सी0सी0 द्वारा पुनः निर्माण का कार्य। (फेज-1)	44200.00	2000.00 + 18% GST	120 दिन	06 माह	डी एवं उच्चतर (मार्ग कार्य हेतु)
2	रोड कटिंग के अन्तर्गत तल्ली हल्द्वानी के आन्तरिक मार्गों में रोड कटिंग से क्षतिग्रस्त मार्ग का सी0सी0 द्वारा पुनः निर्माण का कार्य। (फेज-2)	44300.00	2000.00 + 18% GST	120 दिन	06 माह	डी एवं उच्चतर (मार्ग कार्य हेतु)
3	रोड कटिंग के अन्तर्गत तल्ली हल्द्वानी के आन्तरिक मार्गों में रोड कटिंग से क्षतिग्रस्त मार्ग का सी0सी0 द्वारा पुनः निर्माण का कार्य। (फेज-3)	44400.00	2000.00 + 18% GST	120 दिन	06 माह	डी एवं उच्चतर (मार्ग कार्य हेतु)
4	रोड कटिंग के अन्तर्गत तल्ली हल्द्वानी के आन्तरिक मार्गों में रोड कटिंग से क्षतिग्रस्त मार्ग का सी0सी0 द्वारा पुनः निर्माण का कार्य। (फेज-4)	44200.00	2000.00 + 18% GST	120 दिन	06 माह	डी एवं उच्चतर (मार्ग कार्य हेतु)
5	रोड कटिंग के अन्तर्गत तल्ली हल्द्वानी के आन्तरिक मार्गों में रोड कटिंग से क्षतिग्रस्त मार्ग का पी0सी0 द्वारा पुनः निर्माण का कार्य। (फेज-1)	44000.00	2000.00 + 18% GST	120 दिन	06 माह	डी एवं उच्चतर (मार्ग कार्य हेतु)
6	रोड कटिंग के अन्तर्गत तल्ली हल्द्वानी के आन्तरिक मार्गों में रोड कटिंग से क्षतिग्रस्त मार्ग का पी0सी0 द्वारा पुनः निर्माण का कार्य। (फेज-2)	44500.00	2000.00 + 18% GST	120 दिन	06 माह	डी एवं उच्चतर (मार्ग कार्य हेतु)
7	रोड कटिंग के अन्तर्गत तल्ली हल्द्वानी के आन्तरिक मार्गों में रोड कटिंग से क्षतिग्रस्त मार्ग का पी0सी0 द्वारा पुनः निर्माण का कार्य। (फेज-3)	44100.00	2000.00 + 18% GST	120 दिन	06 माह	डी एवं उच्चतर (मार्ग कार्य हेतु)
8	रोड कटिंग के अन्तर्गत तल्ली हल्द्वानी के आन्तरिक मार्गों में रोड कटिंग से क्षतिग्रस्त मार्ग की पटरी का सुधारीकरण का कार्य।	44400.00	2000.00 + 18% GST	120 दिन	06 माह	डी एवं उच्चतर (मार्ग कार्य हेतु)
9	रोड कटिंग के अन्तर्गत तल्ली हल्द्वानी के आन्तरिक मार्गों में रोड कटिंग से क्षतिग्रस्त मार्ग का बी0सी0 द्वारा सुधारीकरण का कार्य। (फेज-1)	44500.00	2000.00 + 18% GST	120 दिन	06 माह	डी एवं उच्चतर (मार्ग कार्य हेतु)
10	रोड कटिंग के अन्तर्गत तल्ली हल्द्वानी के आन्तरिक मार्गों में रोड कटिंग से क्षतिग्रस्त मार्ग का बी0सी0 द्वारा सुधारीकरण का कार्य। (फेज-2)	44600.00	2000.00 + 18% GST	120 दिन	06 माह	डी एवं उच्चतर (मार्ग कार्य हेतु)

निविदा दिनांक 22.03.2022 को अपरान्ह 3.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, हल्द्वानी के कार्यालय में खोली जायेगी। अन्य शर्तें निविदा प्रपत्रों के साथ देखी जा सकेंगी।

बलि के लिए 7 वर्षीय बच्ची को अगवा करने का आरोपी धरा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● सीसीटीवी फुटेज से आरोपी तक पहुंची पुलिस

सेक्टर-63 थाना क्षेत्र के छिजारसी गांव में एक सात साल की बच्ची का उसके पड़ोसी ने कथित तौर पर बलि देने के लिए अपहरण कर लिया था। इस मामले में पुलिस ने देर रात जनपद बागपत में छापेमारी की और आरोपी व्यक्ति सहित दो को गिरफ्तार कर बच्ची को बचा लिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी के मुताबिक, बच्ची को अगवा करके ले जाते समय आरोपी की तस्वीर एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) इलामारन ने बताया कि छिजारसी गांव निवासी एक व्यक्ति ने सोमवार को सेक्टर-63 थाना पुलिस से शिकायत की थी कि उसकी भतीजी का एक अज्ञात व्यक्ति ने अपहरण कर लिया है।

इलामारन के अनुसार, शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी और इस दौरान उसके हाथ एक सीसीटीवी फुटेज लगी। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में आरोपी व्यक्ति बच्ची को अपने साथ ले जाते नजर आ रहा था। इलामारन के मुताबिक, पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बच्ची को अगवा करने वाले शख्स की पहचान की और तीन पुलिस दल बनाकर बागपत में देर रात छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने बच्ची को अगवा करने वाले सोनू बाल्मीकि और नीटु बाल्मीकि को गिरफ्तार कर लिया।

चाइल्ड पीजीआइ में होगी ब्लड कैंसर की जांच

नोएडा विधायक पंकन सिंह ने फ्लो साइटोमेट्री प्रयोगशाला का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

चाइल्ड पीजीआई में कैंसर लैब का उद्घाटन करते विधायक पंकज सिंह।

सेक्टर-30 स्थित चाइल्ड पीजीआइ में नोएडा विधायक पंकज सिंह ने फ्लो साइटोमेट्री प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। इसके बाद अस्पताल में ब्लड कैंसर और प्रतिरोधक क्षमता की जांच की जा सकेगी। इसके पहले लोगों को जांच के लिए निजी लैब में जाना पड़ रहा था।

अब किफायती शुल्क पर अस्पताल में ही यह जांच हो सकेगी। ब्लड कैंसर की जांच की सुविधा वाला चाइल्ड पीजीआइ प्रदेश का दूसरा अस्पताल बना है। इससे पहले तक यह सुविधा केवल लखनऊ के सरकारी अस्पताल में उपलब्ध थी। पंकज सिंह ने बाल चिकित्सा के क्षेत्र में संस्थान की सेवाओं और उपलब्धियों की सराहना की और प्रबंधन को बधाई दी। संस्थान के योगदान को उन्होंने सराहा। उन्होंने कहा कि बच्चों के इलाज में संस्थान का योगदान सराहनीय है। उन्होंने भविष्य में संस्थान में और बेहतर सुविधाएं विकसित कराने का आश्वासन दिया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर अजय सिंह ने बताया कि यह अत्याधुनिक मशीन रक्त रोग और प्रतिरक्षा की कमी वाले बच्चों के उपचार में मददगार साबित होगी। कुछ ही सरकारी अस्पतालों में यह सेवा उपलब्ध है। ऐसे में आसपास के राज्यों के लोग भी इसका लाभ ले सकेंगे। यहां आकर संबंधित बीमारी की जांच करा सकेंगे।

निजी लैब में यह जांच काफी महंगी है। इसकी तुलना में संस्थान में काफी कम शुल्क पर यह जांच हो सकेगी। इससे लोगों को समय पता चलने पर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में मदद मिलेगी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

ईवी के लिए आजादपुर में खुला पहला बेट्री स्वैपिंग स्टेशन

▶ शहर में आसानी से बदल सकेंगे टू और थ्री-व्हीलर की बैटरी ▶ टीटीडीडीएल उत्तरी दिल्ली में ऐसे कई स्वैप स्टेशन बनाएगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बैट्री से चलने वाले वाहनों को खरीदने में आज भी लोग कम दिलचस्पी दिखा रहे हैं और इसके पीछे की वजह है इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी को चार्ज करने में लगने वाला तीन से चार घंटे का समय।

नतीजतन लोगों को अपने दो पहिया और तीन पहिया गाड़ियों को लंबी दूरी तक ले जाने के लिए ब्रेक लेना पड़ता है। जिसकी वजह से बीच रास्ते में ऐसे वाहनों को चार्ज कर पाना फिलहाल सम्भव नहीं है।

ऐसी दिक्कतों से निपटने के लिए अब टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड देश के सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ रहे बैटरी-स्वैपिंग नेटवर्क बैटरी स्मार्ट के साथ भागीदारी हुई है। इस भागीदारी के तहत वर्ष 2022 में उत्तरी दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर टू और थ्री-व्हीलर्स के लिए स्वैप स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। इससे शहर में बढ़ते टू और थ्री व्हीलर मार्केट की जरूरतें पूरी होगीं। कंपनी ने राजधानी के सबसे व्यस्त बाजारों में से एक आजादपुर में दिल्ली का पहला स्वैप स्टेशन शुरू किया है। इससे दिल्ली सरकार के स्वीच दिल्ली मुहिम को सहयोग मिलेगा। टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के अनुसार स्वैपिंग स्टेशन के जरिए ग्राहकों को सामान्य ईंधन भरने जैसी ही आसान सुविधा मिलेगी। साथ ही साफ-सुथरी और प्रदूषण मुक्त दिल्ली बनाने में मदद मिलेगी। बैटरी स्मार्ट के सह संस्थापक सिद्धार्थ सिक्का ने कहा, देश में ईवी वाहनों को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए टाटा पावर के साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्साहित हैं, क्योंकि वह पिछले जुलाई के बाद से 10 गुना की दर से विकास कर रहे हैं। इस भागीदारी से उन्हें अपने कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच मिलने के साथ ही बिजली की जरूरत को पूरा करने में मदद मिलेगी। यहां टू और थ्री-व्हीलर मिनटों में बैटरी स्वैप कर सकते हैं और चाहे जितनी दूरी तक अपने वाहनों को चला सकते हैं। इससे पर्यावरण अनुकूल अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में भी सहयोग मिलेगा।

दिल्ली में बिकने वाले ई-वाहनों में 55 प्रतिशत दोपहिया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री में तेजी आई है। इस वर्ष जनवरी से लेकर अब तक जितने भी ईवी का पंजीकरण हुआ है। उनमें से 55 फीसदी दोपहिया वाहन हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष जनवरी से लेकर 14 मार्च तक कुल 10,707 इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण हुआ है जिनमें से 5,888 दोपहिया वाहन (ई-बाइक और ई-स्कूटर) हैं। शेष 45 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों में ई-रिक्शा, ई-कार, ई-बस, हल्की मालवाहक गाड़ियां और ई-कार्ट हैं। दिल्ली सरकार के आंकड़ों के अनुसार जनवरी में 1,760 इलेक्ट्रिकि दोपहिया वाहनों का पंजीकरण हुआ, जबकि फरवरी में ऐसे 2,383 वाहनों का पंजीकरण हुआ। वहीं, 14 मार्च तक कुल 1,745 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का पंजीकरण हो चुका है। एक अधिकारी ने बताया कि रुझान दिखाता है कि ई-बाइक और ई-स्कूटरों की मांग शहर में बढ़ रही है। शहर में आवश्यक चार्जिंग अवसंरचना विकसित करने के सरकार की कोशिश इसकी वजह हैं।

आंकड़े बताते हैं कि जनवरी से 14 मार्च के बीच दिल्ली में ई-कारों की संख्या भी बढ़ी है। जनवरी तक शहर में केवल 147 इलेक्ट्रिक कारों का पंजीयन हुआ था। फरवरी के अंत तक इनकी संख्या बढ़कर 205 हो गई और मार्च में अब तक 70 ई-कारों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। अगस्त, 2020 में दिल्ली सरकार की ईवी नीति की घोषणा के बाद ई-वाहनों की बिक्री बढ़ी है।

दिल्ली-जयपुर के बीच देश का पहला ई-राजमार्ग बनाना सपना : नितिन गडकरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली से जयपुर के बीच भारत का पहला इलेक्ट्रिक राजमार्ग बनाना उनका सपना है।

यहां एक समारोह को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि मणिपुर, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और कश्मीर में रोपवे केबल स्थापित करने के लिए सरकार को अब तक 47 प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने कहा, मेरा सपना है दिल्ली से जयपुर के बीच एक इलेक्ट्रिक राजमार्ग बनाना। मंत्री ने कहा कि उनके मंत्रालय के पास काफी बजट है और बाजार भी इसे समर्थन देने के लिए तैयार है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2022-23 में सड़क एवं परिवहन मंत्रालय के लिए 1.99 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। इसमें से 1.34 लाख करोड़ रुपए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को आवंटित किए जाएंगे। एक सवाल के जवाब में गडकरी ने कहा कि एनएचएआई में सुधार की जरूरत है। निर्णय लेने में विलंब उन चीजों में शामिल हैं जहां एनएचएआई में सुधार लाना होगा। उन्होंने कहा कि एनएचएआई सड़क किनारे 650 सुविधाओं का निर्माण कर रहा है। उन्होंने दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर कुछ ठेकेदारों द्वारा विकसित सुविधाओं को लेकर निराशा भी जताई। गडकरी ने कहा कि उनका सपना जैव ईंधन से बिटुमन (सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री) का निर्माण करना है।

140 केंद्रों पर लगेगा बच्चों को टीका

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● राजधानी में वैक्सीन लेने वाले 12 से 14 साल के पात्र बच्चों की अनुमानित संख्या 6.15 लाख

12-14 साल के बच्चों के लिए बुधवार (आज) से कोविड-19 रोधी टीकाकरण शुरू होने जा रहे है।

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के मौके पर 12 से 14 साल आयु वर्ग के लाभार्थियों को केवल हैदराबाद स्थित बायोलॉजिकल-ई द्वारा विकसित कोर्बेवैक्स टीका लगाया जाएगा। लाभार्थी सुबह नौ बजे से शुरू हो रहे ऑनलाइन पंजीकरण के अलावा सीधे टीकाकरण केंद्र पर जाकर भी वैक्सीन लगवा सकेंगे। दिल्ली में इसके लिए 140 केंद्रों को बनाए गए है। इस ग्रुप में वैक्सीन लेने वाले अनुमानित 6.15 लाख बच्चे है।

दो साल में पहली बार राष्ट्रीय राजधानी में स्कूल एक अप्रैल से पूरी तरह से प्रत्यक्ष तरीके से फिर से खुलेंगे और पठन-पाठन का हाइब्रिड मोड समाप्त हो जाएगा। 13 साल की बच्ची की अभिभावक अमिता भार्गव ने कहा, बच्चों को टीका देने का यह सही समय है क्योंकि एक अप्रैल से कक्षाएं पूरी तरह से प्रत्यक्ष तौर पर संचालित होंगी और छात्रों के पास घर पर रहने का विकल्प नहीं होगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को घोषणा की थी कि 12-14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए कोविड-19 रोधी टीकाकरण बुधवार से शुरू होगा। 12-14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को दिया जाने वाला कोविड-19 रोधी टीका कॉर्बेवैक्स बायोलॉजिकल ई. लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा निर्मित होगा।

एक अन्य अभिभावक पूजा सिंह ने कहा, मुझे उम्मीद है कि हमें अपने बच्चों के टीकाकरण के लिए भटकना नहीं होगा जैसा कि हमें पिछले साल वयस्कों के लिए करना पड़ा था। यह एक बहुप्रतीक्षित कदम था, मुझे उम्मीद है कि उनके पास टीके की पर्याप्त खुराक है इसलिए इसे प्राप्त करना मुश्किल नहीं होगा। पूजा सिंह के विचारों को द्वारका निवासी इला जोशी ने दोहराया।

जामिया में स्नातक अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए कक्षाएं शुरू

● कोविड-19 की पाबंदियों के चलते दो साल से बंद थीं कक्षाएं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में स्नातक पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए मंगलवार से विश्वविद्यालय में कक्षाएं शुरू कर दी गईं। विद्यार्थी कोविड-19 के कारण लगी पाबंदियों के दो साल बाद विश्वविद्यालय आकर कक्षाएं ले रहे हैं। 70 परास्नातक पाठ्यक्रमों के लिए हाल में विश्वविद्यालय में कक्षाएं शुरू की गई हैं।

जामिया के प्रवक्ता अहमद अजीम ने कहा कि स्नातक के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ऑफलाइन कक्षाएं चालू कर दी गईं हैं और विद्यार्थी परिसर लौट रहे हैं। अज़ीम ने कहा कि परास्नातक के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए कक्षाएं फिर से शुरू होने का मंगलवार को पहला दिन था। विद्यार्थी अच्छी संख्या में परिसर पहुंचे। हमें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में हाजिरी बढ़ेगी जैसा कि परास्नातक पाठ्यक्रमों में हुआ था।

कोविड की स्थिति में सुधार के बाद जामिया ने पिछले महीने अधिसूचना जारी कर कहा था कि विश्वविद्यालय चरणबद्ध तरीके से खुलेगा। उसने कहा था कि परास्नातक के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की कक्षाएं विश्वविद्यालय में दो मार्च से शुरू होंगी। विश्वविद्यालय की तीन कैंटीन दो मार्च को रजिस्ट्रार की इजाजत से खोल दी गई हैं। विवि ने अपने कर्मियों और विद्यार्थियों से कहा है कि वे केंद्र सरकार की ओर से जारी कोविड संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

पूर्व संसद विजय गोयल का फोन बरामद, झपटमार गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पूर्व सांसद विजय गोयल का मोबाइल फोन बरामद कर लिया है और उनसे फोन छीनने के आरोप में 22 वर्षीय एक युवक और इस फोन को खरीदने वाले एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि दरियागंज निवासी साजन ने गत शाम को गोयल का फोन उस समय कथित तौर पर छीन लिया था, जब वह अपर सुभाष मार्ग से होकर दरियागंज से लाल किले की ओर जा रहे थे। उन्होंने बताया कि साजन ने उत्तरी दिल्ली में लाल किले के समीप गोयल का फोन कथित तौर पर छीन लिया था और उसे दरियागंज इलाके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की जांच की। साजन ने पुलिस को बताया कि उसने मोबाइल फोन मुरादाबाद निवासी मोहम्मद आसिफ को 2,200 रुपए में बेच दिया था। उसकी निशानदेही पर आसिफ को भी गिरफ्तार कर लिया गया। वह एक दुकान में सहायक के तौर पर काम करता है।

संपत्ति कर बकाया होने पर क्रॉस रिवर मॉल में दुकान की सील

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली नगर निगम के संपत्ति कर विभाग ने बकाया कर का भुगतान ना होने के चलते क्रॉस रिवर शॉपिंग मॉल में स्थित एक दुकान को सील कर दिया। इस दुकान मालिक पर लगभग 2 लाख रुपये बकाया है। इसके अलावा क्रॉस रिवर मॉल में ही दो दुकानों को संपत्ति कर भुगतान ना करने के लिए नोटिस जारी किये गये हैं। इन दोनों दुकानों पर लगभग 10 लाख से अधिक का संपत्ति कर बकाया है। निगम के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आगे भी संपत्ति कर का भुगतान ना करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

केजरीवाल के खिलाफ याचिका खारिज

खालिस्तानी संपर्क मामला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ उच्चस्तरीय जांच के अनुरोध वाली कांग्रेस नेता की एक याचिका पूरी तरह बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दी।

इस याचिका में आरोप लगाया गया कि उनके खालिस्तानी अलगाववादियों से संबंध हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति नवीन चावला की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि वह इस तरह की तुच्छ याचिकाएं दायर नहीं करें। पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा, याचिका में आप कहते हैं कि अधिकारियों को पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री का केंद्रीय गृह मंत्री को पत्र की जानकारी है। किसी जांच के लिए हमारे निर्देश देने का सवाल कहां पैदा हो रहा है?

आतंकवादी कहने वालों को मिला जवाब : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के प्रमुख ने कहा कि अदालत का फैसला उन लोगों को जवाब है जिन्होंने उनको आतंकवादी कहा। अदालत के आदेश के बाद केजरीवाल ने ट्वीट किया, जिन लोगों ने मुझे आतंकवादी बोला था, पहले जनता ने उनको जवाब दिया। आज अदालत ने उन्हें जवाब दे दिया। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में विधानसभा चुनाव में 117 में से 92 सीटों पर जीत हासिल की थी।

संक्षिप्त समाचार

20वां वार्षिक श्री श्याम महोसव संपन्न

नई दिल्ली। श्री श्याम सहार मंडल द्वारा 20वां वार्षिक श्री श्याम महोसव आर्य नगर सोसायटी इंद्रप्रस्थ विस्तार में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यकम के मुख्य संयोजक अमित शर्मा व संयोजक विपिन मित्तन ने बताया कि श्याम प्रभु शाटू वाले का कर्तीन बड़ी धूमधाम से मनाया गया। बाबा के दरबार को भव्य तरीके से फूल से संजाया गया। इस मौके पर मंडल के संरक्षक संजीव गुप्ता, तरूण गुप्ता , सोमानी, वरिष्ठ प्रधान वीरेंद्र गुप्ता व उप्र प्रधान अनिल गुप्ता मौजूद रहे। भजन गायक मनीष शर्मा व मनोज शर्मा ने भजनों की स्वर लहरी से सबका मन जीत लिया। वेद प्रकाश बंसल व केएन गोयल ने प्रसाद वितारण की व्यवस्था संभाली। इस मौके पर मंडल के कोषाध्यक्ष मनीष बंसल ने कार्यकारिणी के सदस्य आर.के शर्मा एव सदस्य अनिल पोद्दार की देखदेख में विशाल भंडारे को आयोजन किया।

कैट ने ई-कॉमर्स पर श्वेत पत्र किया जारी

नई दिल्ली। ई कॉमर्स की विसंगतियों को दूर करने के उद्देश्य से कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने मंगलवार को एक श्वेत पत्र जारी किया। पिछले कुछ वर्षों में भारत में ई-कॉमर्स और डिजिटल व्यापार में तेजी से वृद्धि हुई है और उपभोक्ताओं में ई कॉमर्स के प्रति रुझान बढ़ा है । चूंकि ई-कॉमर्स भविष्य के व्यापार का एक तेजी से उभरता मॉडल है इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि व्यापारियों, उपभोक्ताओं सहित सभी स्टेकहोल्डर्स के हित ई कॉमर्स में सुरक्षित रहें। कैट ने कॉमर्स से संबंधित मौजूदा कानूनों का गहन अध्ययन किया है और जो प्रथाएं वर्तमान में जो इस क्षेत्र में प्रचलित हैं को लेकर एक श्वेत पत्र तैयार किया है।

'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म टैक्स फ्री करने की मांग

नई दिल्ली। दक्षिणी निगम के महापौर मुकेश सुर्यान ने मुख्यमंत्रीअरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर मांग कि दिल्ली के सिनेमाघरों में 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म को टैक्स फ्री किया जाये। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक से संख्या में लोग इस फिल्म को देख सके। इस फिल्म में कश्मीरी पंडितों के दर्द को दर्शाया गया है और कश्मीर में हुई सच्ची घटनाओं का जीवंत रूप से प्रदर्शित किया गया है। इस फिल्म को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है और बहुत अच्छी प्रतिक्रियाए प्राप्त हो रही है। महापौर ने बताया कि अन्य राज्यों जैसे गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश में भी यह फिल्म टैक्स फ्री हो चुकी है।

आचार्य महाश्रमण का अभिनंदन समारोह

नई दिल्ली। आचार्य महाश्रमण का अध्यात्म साधना केंद्र छतरपुर में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मीडिया कन्वीनर डॉ. कमलचंद सेठिया ने बताया नशा मुक्ति से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास संभव है। लोकसभा सांसद प्रवेश वर्मा ने आचार्य का स्वागत करते हुए कहा कि उनके प्रवास से यह भावना और अधिक प्रसारित होगी। मेयर सूर्या ने अहिंसा यात्रा के प्रणेता आचार्य महाश्रमण के श्रम की सराहना करते हुए उनके मिशन की पूर्ण सफलता की कामना की। इस अवसर पर आचार्य महाश्रमण अहिंसा यात्रा समारोह समिति संयोजक महेंद्र नाहटा ने आचार्य महाश्रमण के प्रवास पर हेतु सभी का सहयोग और सहभागिता का आह्वान किया ।

छीना आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का रोजगार: कांग्रेस

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने 400 से अधिक महिला आगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का रोजगार छीन लिया है। केजरीवाल 2013 में सत्ता में आने से पूर्व सभी अस्थाई, अनुबंधित व ठेके पर काम करने वाले कर्मचारियों को पक्का करने का वायदा किया था और आंगनबाड़ी कर्मचारियों के आंदोलन की कोई परवाह नहीं है। कुमार ने कहा कि लोकतांत्रिक देश में सभी को अपने अधिकारों के लिए अभिव्यक्ति की आजादी है परंतु भाजपा की केन्द्र सरकार और मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने आपसी मिलीभगत करके दमनकारी एस्मा लागू करके एक-एक करके आगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को नौकरी से बर्खास्त कर रहे है और अभी बड़ी संख्या में आगनबाड़ी कर्मचारियों पर बर्खास्तगी की तलवार लटकी हुई है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड,
लोक निर्माण विभाग, हल्द्वानी (नैनीताल)
(Phone/Fax) : 05946-223352 E-mail- ee_ndhal@rediffmail.com

पत्रांक : 577/2 ए0सी0 दिनांक : 14/03/2022

अतिअल्पकालीन निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, हल्द्वानी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु मोहरबन्द निविदायें दिनांक 21.03.2022 को आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 16.03.2022 से दिनांक 19.03.2022 तक किसी भी कार्यदिवस में निम्न कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते हैं तथा दिनांक 21.03.2022 अपरान्ह 03.00 बजे तक निम्नाकित कार्यालयों में निविदा बॉक्स में डाले जा सकते है। निविदा के साथ वाँछित धरोहर राशि एन०एस०सी०, डाकघर बचत बैंक पास बुक अथवा भारत में किसी अनुसूचित बैंक की जमा रसीद के रूप में जो अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, हल्द्वानी के पदनाम से बन्धक हो, लगाना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त निविदा प्रपत्र के साथ रू० 100/- के नॉन ज्यूडीशियल स्टाम्प पेपर पर रू० 1.00 का रसीदी टिकट लगाकर वैधता की शर्त के साथ ठेकेदार द्वारा हस्ताक्षर कर संलग्न करना अनिवार्य है।
1-कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, द्वितीय वृत्त, लो0नि0वि0, नैनीताल 2-कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, हल्द्वानी। 3-कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, रामनगर 4-कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, रूद्रपुर।

क्र. सं.	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (₹)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹)	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने हेतु समय	ठेकेदार की पंजीकृत श्रेणी
1	रोड कटिंग के अन्तर्गत एस0एच0-05 के कि0मी0 36 से 39 तक मार्ग के क्षतिग्रस्त कच्चे भाग की मरम्मत का कार्य।	44000.00	2000.00 + 18% GST	120 दिन	06 माह	डी एवं उच्चतर (मार्ग कार्य हेतु)
2	रोड कटिंग के अन्तर्गत एस0एच0-05 के कि0मी0 33 से 36 तक मार्ग के क्षतिग्रस्त कच्चे भाग की मरम्मत का कार्य।	44500.00	2000.00 + 18% GST	120 दिन	06 माह	डी एवं उच्चतर (मार्ग कार्य हेतु)
3	रोड कटिंग के अन्तर्गत एस0एच0-05 के कि0मी0 30 से 33 तक मार्ग के क्षतिग्रस्त कच्चे भाग की मरम्मत का कार्य।	44000.00	2000.00 + 18% GST	120 दिन	06 माह	डी एवं उच्चतर (मार्ग कार्य हेतु)
4	रोड कटिंग के अन्तर्गत एस0एच0-05 के कि0मी0 27 से 30 तक मार्ग के क्षतिग्रस्त कच्चे भाग की मरम्मत का कार्य।	44000.00	2000.00 + 18% GST	120 दिन	06 माह	डी एवं उच्चतर (मार्ग कार्य हेतु)
5	रोड कटिंग के अन्तर्गत एस0एच0-05 के कि0मी0 24 से 27 तक मार्ग के क्षतिग्रस्त कच्चे भाग की मरम्मत का कार्य।	44500.00	2000.00 + 18% GST	120 दिन	06 माह	डी एवं उच्चतर (मार्ग कार्य हेतु)
6	रोड कटिंग के अन्तर्गत राज्य मार्ग संख्या0-41 के कि0मी0 30 से 39 में क्षतिग्रस्त पैरापिट एवं दीवारों का पुनः निर्माण का कार्य।	13100.00	1000.00 + 18% GST	120 दिन	06 माह	डी एवं उच्चतर (मार्ग कार्य हेतु)

निविदा दिनांक 22.03.2022 को अपरान्ह 3.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, हल्द्वानी के कार्यालय में खोली जायेगी। अन्य शर्तें निविदा प्रपत्रों के साथ देखी जा सकेंगी।

उत्कृष्ट सेवा के लिए दिल्ली मेट्रो को एसोचेम पुरस्कार

● एमडी मंगू सिंह ने लिया अवार्ड

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी में दिल्ली मेट्रो के अच्छे परिचालन और अन्य उत्कृष्ट सेवा के लिए दसवां एसोचेम पुरस्कार 2020-2021 में प्रथम रैंकिंग हासिल की है। यह इनाम पर्यावरण, ग्राहक संतुष्टि, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, ऊर्जा दक्षता, आपूर्तिकर्ता आधारित प्रदर्शन, स्वास्थ्य और सुरक्षा आदि जैसे विभिन्न प्रदर्शन के आधार का मूल्यांकन कर दिया जाता है। एक हजार करोड़ से अधिक टर्नओवर वाली गैर-सूचीबद्ध कंपनी की श्रेणी दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) को प्रथम पुरस्कार मिला है। डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ मंगू सिंह ने मंगलवार को आभासी समारोह में पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम में संस्कृति मंत्री अर्जुन राम मेघवाल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। ज्ञात हो कि एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) शीर्ष कक्षों में से एक है।

यहां नेताओं, शिक्षाविदों, अर्थशास्त्रियों और स्वतंत्र पेशेवरों सहित उद्योगों और सरकार के बीच एक प्रमुख सेतु है।

प्रफुल्ल सिंह ने एक दिन में 348 किमी की दूरी तय की

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के कर्मचारी प्रफुल्ल सिंह ने एक अनोखी उपलब्धि हासिल की है। डीएमआरसी के मुताबिक सिंह ने एक दिन में 348 किलोमीटर की दूरी तय की। इस दौरान केवल 16 घंटे 2 मिनट लगे और वह 254 स्टेशनों की यात्रा करने वाला पहला व्यक्ति बन गए। इसके साथ ही प्रफुल्ल सिंह ने सभी मेट्रो स्टेशनों की यात्रा करने के लिए सबसे तेज समय दर्ज करने के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में प्रवेश किया है। डीएमआरसी परिवार ने प्रफुल्ल की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की है।

हरियाणा में आग बुझाने वाली गाड़ियों की है कमी

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम समेत पूरे हरियाणा के अग्निशमन विभाग में आग बुझाने वाली गाड़ियों की कमी हो गई है। कारण यह है कि पुरानी गाड़ियों का समय पूरा हो चुका है। गुरुग्राम जैसे अग्रणी शहर में आग बुझाने के लिए पर्याप्त गाड़ियों का न होना यहां हादसों से लोगों की सुरक्षा करने में कमी की तरह देखा जा रहा है। गगनचुम्बी इमारतों में आग बुझाने के लिए यहां पर्याप्त हाईड्रॉलिक गाड़ी भी नहीं है।

गुरुग्राम शहर के भीतर और बाहरी क्षेत्रों में गगनचुम्बी इमारतों की सैंकड़ों सोसायटी बन चुकी हैं। यूं कहें कि यह शहर अब गगनचुम्बी इमारतों का शहर बन चुका है। यहां पर आग लगने, इमारतें ध्वस्त होने जैसी घटनाएं होना स्वाभाविक है। चाहे कारण कुछ भी हों, लेकिन घटनाएं तो होती ही हैं। किसी भी घटना में फायर ब्रिगेड का उपयोग लाजिमी है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए गुरुग्राम अग्निशमन विभाग के बेड़े में पर्याप्त गाड़ियां होना जरूरी है। गुरुग्राम की तरह प्रदेश के अन्य शहरों फरीदाबाद, रोहतक, सोनीपत आदि शहरों में फ्लैट, मॉल कल्चर डेवेल्प हुई है। ऐसे में वहां भी अधिक ऊंचाई पर आग बुझाने वाली गाड़ियों की जरूरत है।

यहां मात्र 42 मीटर ऊंचाई तक की ही हाईड्रॉलिक गाड़ी

गुरुग्राम में 100 मीटर रेंज की गाड़ी चाहिए : गुरुग्राम में रिहायशी और व्यवसायिक गगनचुम्बी इमारतें बन चुकी हैं। शहर का काफी विस्तार भी हो चुका है। इसके बावजूद यहां आग बुझाने के लिए अभी पर्याप्त ऊंचाई की हाइड्रॉलिक गाड़ी नहीं है। यहां 100 मीटर ऊंचाई की हाइड्रॉलिक गाड़ी की जरूरत है, जबकि मात्र 42 मीटर तक ऊंचाई की ही गाड़ी है। उसका भी 10 साल का समय पूरा हो चुका है। यह गाड़ी वर्ष 2005 में खरीदी गई थी, जो मात्र 10 हजार किमी ही चली है। अब इसे बेड़े से बाहर करना ही होगा। इस 42 मीटर ऊंचाई की गाड़ी के बाहर होने के बाद यहां कोई हाईड्रॉलिक गाड़ी नहीं होगी।

आग बुझाती हाईड्रॉलिक गाड़ी। फाइल फोटो।

गुरुग्राम के सेक्टर-78 में निर्माणाधीन सबसे ऊंची इमारत रहेजा रेवांता टावर।

एक हाईड्रॉलिक गाड़ी की कीमत 35 करोड़ रुपये : गगनचुम्बी इमारतों में आग बुझाने के लिए हाईड्रॉलिक गाड़ियों की जरूरत होती है। इन गाड़ियों में हाइड्रॉलिक सिस्टम से इमारतों के ऊंचाई के हिसाब से कर्मचारी ऊपर जाते हैं और पानी व फॉम डालकर आग बुझाई जाती है। फायर अधिकारी सुनील कुमार के मुताबिक हाइड्रॉलिक गाड़ी विश्वभर में एक मात्र फिनलैंड की कंपनी बनाती है। एक सौ एक मीटर ऊंचाई हाइड्रॉलिक गाड़ी की कीमत 30-35 करोड़ रुपये है। अब चाइना की एक कंपनी ने भी हाइड्रॉलिक गाड़ियों का निर्माण शुरू किया है। इस समय 45 मीटर की एक-एक हाईड्रॉलिक गाड़ी हरियाणा के गुरुग्राम व पंचकूला में है। इसके अलावा दो 90 मीटर की हाईड्रॉलिक गाड़ियां गुरुग्राम में डीएलएफ के पास है। जरूरत पड़ने पर उन्हें उपयोग में लिया जाता है।

> “ यह सही है कि गुरुग्राम समेत पूरे हरियाणा में फायर विभाग के पास आग बुझाने वाली गाड़ियों की कमी है। हरियाणा में करीब 250 गाड़ियां चालू हालत में हैं। अभी 250 नई गाड़ियां आने वाली हैं। एनसीआर में तो 10 साल पुरानी गाड़ियों का उपयोग नहीं किया जा सकता। इसलिए कई गाड़ियां कंडीशन में सही होती हैं, लेकिन समय पूरा होने पर उन्हें विभाग से बाहर करना ही पड़ता है।
>
> **सुनील कुमार, फायर अधिकारी, भीम नगर फायर स्टेशन, गुरुग्राम**

गुरुग्राम में टॉप-10 ऊंची इमारतों की सूची : गुरुग्राम की टॉप-10 सूची में शामिल ऊंची इमारतों को लेकर स्काई स्क्रैपर सेंटर डॉट कॉम से मिली जानकारी के अनुसार यहां सबसे ऊपर सेक्टर-78 में 61 मंजिला 195.8 मीटर ऊंचा (642 फीट) का रहेजा रेवांता टावर है। दूसरे व तीसरे नंबर पर सेक्टर-67 स्थित गोल्फ एस्टेट ट्विन टावर-1 189.5 मीटर (622 फीट) व इसी सेक्टर में इतनी ही ऊंचाई का ट्विन टावर-2 है। चौथे नंबर पर इंडिया बुल्स हाइस गुड़गांव 180 मीटर (591 फीट) ऊंचा है। पांचवें पर आईरिया विक्ट्री वैली टावर-ए 178 मीटर (584 फीट), छठे नंबर पर लैंटीट्यूड 160.5 मीटर (527 फीट), सातवें पर गोल्फ कैमेलियाज 156 मीटर (512 फीट), आठवें पर आईरियो विक्ट्री वैली टावर-बी 155 मीटर (509 फीट) है। नौवें नंबर पर आईरियो स्काईऑन-1 135 मीटर (135 फीट) और दसवें नंबर पर जीवाईएस विजन टावर-ए 131 मीटर (430 फीट) ऊंचाई का है।

संक्षिप्त समाचार

सतबीर पहलवान अनुसूचित जनजाति का प्रदेश सलाहकार नियुक्त

कांग्रेस नेता कैप्टन अजय यादव सतबीर पहलवान को नियुक्ति पत्र देते हुए।

सोहना। कांग्रेस पार्टी ने क्षेत्र के नेता सतबीर पहलवान को अनुसूचित जनजाति का प्रदेश सलाहकार नियुक्त किया है। सतबीर पहलवान को कांग्रेस पार्टी नेता कैप्टन अजय यादव ने उनकी नियुक्ती का प्रमाण पत्र सौंपा है। कांग्रेस नेता सतबीर पहलवान ने बताया कि कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आदेश पर उन्हें प्रदेश में अनुसूचित जनजाति शैल में सलाहकार की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए वह कैप्टन अजय यादव, राहुल गांधी और सोनिया गांधी ने जिस विश्वास के साथ जिम्मेदारी सौंपी है। उसे एक सच्चा सिपाही बनकर निभाऊंगा। पार्टी के प्रति जनाधार बढ़ाने और जनहित की समस्याओं को पूर्ण करने के लिए संघर्ष करता रहूंगा।

दुकान का ताला तोड़ ले गए कीमती सामान

सोहना। भोंडसी थाना के गांव गढ़ीबाजीदपुर में रात के समय में जूतों की दुकान का ताला तोड़ कीमती जूते, नकदी और इंवेटर-बैट्री चोरी हो गए। पुलिस ने दुकानदार की शिकायत पर चोरी का मालमा दर्ज कर लिया है। गढ़ीबाजीदपुर निवासी पप्पू ने पुलिस को बताया कि उसकी वह 10 मार्च की शाम को अपनी दुकान को अच्छी तरह से बंद करके घर चला गया था। 11 की सुबह उसे गांव के ही निवासी ने फोन करके बताया दुकान पर लगा ताला व कुंदी टूटी पड़ी है। उसने जब आकर देखा तो अंदर सामान बिखरा पड़ा था। करीब 4160 रुपये की नकदी, कीमते 8 से 10 जोड़े और इंवेटर-बैट्री गायब थे। पुलिस ने चोरी का खुलासा करने के लिए जांच शुरू कर दी है।

आज से लगेगी 12 से 14 उम्र के किशोरों को कार्बावैक्स डोज

सोहना। नागरिक अस्पताल में बुधवार से 12 से 14 वर्ष की उम्र वाले किशोरों को कार्बावैक्स वैक्सीन डोज लगाने का अभियान शुरू होगा। नागरिक अस्पताल सीमा क्षेत्र में 1650 किशोरों को कार्बावैक्स वैक्सीन लगाने का लक्ष्य रखा है। 60 वर्ष से अधिक उम्र वाले वृद्धों को अब बिना शर्त बूस्टर डोज लगाई जाएगी। नागरिक अस्पताल सीमा क्षेत्र में आने वाले 12 सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में शिक्षा प्राप्त कर रहे 12 से 14 वर्ष की उम्र वाले 1650 विद्यार्थियों को वैक्सीन डोज लगाने का कार्य आज से शुरू हो रहा है। पहले दिन दो केन्द्र स्थापित किए गए है। जिसमें पहला केन्द्र नागरिक अस्पताल और दूसरा केन्द्र राजकीय सीनियर सेकेंडरी गर्ल स्कूल में होगा। पहले दिन 200 से 250 विद्यार्थियों को कार्बावैक्स डोज लगाने का लक्ष्य रखा है। जिसमें 2 राजकीय स्कूल और 10 निजी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थी है। 12 से 14 वर्ष की उम्र वाले किशोरों को 28 दिन बाद दूसरी डोज लगाई जाएगी। 90 फीसदी विद्यार्थियों को ऑफलाइन कार्बावैक्स डोज लगाई जा रही है। 10 फीसदी ऑनलाइन बुकिंग करने वाले विद्यार्थी को डोज लगेगी। एसएमओ डॉ. नवल किशोर ने बताया कि कार्बावैक्स डौज एक जनवरी 2008 से 31 दिसम्बर 2010 के दौरान किसी भी तिथि को जन्म लेने वाले किशोर को लगाई जाएगी। कार्बावैक्स लगाने के लिए अवकाश वाले दिन भी केन्द्र खुले रहेंगे।

गुरुग्राम के सिकंदरपुर बढ़ा में हुआ कुश्ती दंगल और भंडारा

गुरुग्राम के सिकंदरपुर बढ़ा गांव में आयोजित विशाल कुश्ती दंगल में खिलाड़ियों को आशीर्वाद देते मंत्री राव इंद्रजीत सिंह व कार्यक्रम का संचालन करते सरपंच सुंदर लाल यादव।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गांव सिकंदरपुर बढ़ा में दो दिवसीय खाटू वाले श्रीश्याम बाबा का मेला, भंडारा, जागरण व कुश्ती दंगल आयोजित किया जा रहा है। रविवार को जहां जागरण का आयोजन किया गया, वहीं सोमवार को यहां विशाल भंडारा और कुश्ती दंगल कराया। इसमें केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और पटौदी से विधायक सत्यप्रकाश जरावता के छोटे भाई शीतल दास जरावता ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

गांव के सरपंच सुंदर लाल यादव के मुताबिक यह भव्य आयोजन समस्त ग्रामवासियों व श्री श्याम मंदिर सेवादल कमेटी की ओर से किया गया है। श्री श्याम बाबा के मेले की शुरुआत श्रीमद् भागवत कथा से हुई थी। इसके बाद अब दो दिवसीय मेला आयोजित किया गया। रविवार की रात को बाबा का जागरण कराया गया, जिसमें हजारों ग्रामीणों ने शिरकत करके बाबा का आशीर्वाद लिया। सोमवार को यहां विशाल भंडारा और कुश्ती दंगल करवाया गया। इस अवसर पर देसी घी का भंडारा भी किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

यहां अपने संबोधन में राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि कुश्ती हमारा पारम्परिक खेल है। इस खेल में हमारे पहलवानों ने पूरी ताकत दिखाकर दुनिया में नाम कमाया है। हरियाणा का विदेशों में खिलाड़ियों ने नाम रोशन किया है। एकता और भाईचारे के साथ खेलों को खेलना चाहिए। उन्होंने इस भव्य आयोजन के लिए सिकंदरपुर बढ़ा के ग्रामीणों को बधाई दी।

श्री श्याम मंदिर सेवा दल की ओर से किया गया है मेले का आयोजन

इस अवसर पर गुरुग्राम की मेयर मधु आजाद, पटौदी की पूर्व विधायक बिमला चौधरी, लक्ष्मण सरपंच, प्रदीप सरपंच, गुरुग्राम सरपंच एकता मंच के प्रधान अजित सिंह, प्रो. हंसराज, धर्म नंबरदार बादशाहपुर, दयाराम चेयरमैन, हरजस सरपंच रामपुरा, विजयपाल सरपंच नाहरपुर, सत्यदेव सरपंच कासन, शेर सिंह चौहान सरपंच वजीरपुर, गुड़गांव सरपंच एसोसिएशन के उपाध्यक्ष श्रीनिवास राणा, सरपंच बजघेड़ा, प्रदीप सरपंच दौलताबाद, मनोज सरपंच मोकलवास, सिकन्दर सरपंच ग्वालियर, साधुराम सरपंच बामड़ोली, अभय चेयरमैन शिकोहपुर, लखन सरपंच शिकोहपुर, अजय सरपंच कुकडोला, श्योचंद सरपंच शिकोहपुर, अजितवीर शिकोहपुर, अजीत यादव मानेसर, ओमप्रकाश पूर्व सरपंच मानेसर, वीरेंद्र यादव जिला पार्षद, सतीश, धर्मबीर आरडबल्यूए प्रधान, अमरेश आरडबल्यूए प्रधान, शशि यादव आरडब्ल्यूए प्रधान, सतीश सरपंच डाबोदा, रमेश यादव खरखड़ी, मास्टर बलबीर मानेसर, रवि पूर्व सरपंच नखड़ोला, अविनाश त्रिवेदी, सतबीर मौजूद रहे।

आप ने भाजपा पर लगाए तानाशाही के आरोप

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में पत्रकारों से बात करते आप नेता।

गुरुग्राम। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से यहां पत्रकार वार्ता करके भाजपा सरकार व भाजपा के नेताओं पर तानाशाही के आरोप लगाए हैं। आप नेताओं ने खुलकर कहा कि आम आदमी की आवाज को दबाने का काम भाजपा सरकार करने का प्रयास कर रही है। जिसे सफल नहीं होने दिया जाएगा।

आप के युवा प्रदेश अध्यक्ष धीरज यादव ने कहा कि महिला भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ द्वारा अपने एक कार्यक्रम में आंगनबाड़ी वर्कर के साथ दुर्व्यहार करना उनकी महिलाओं के प्रति सोच को दर्शाता है। यह हाल तब है जब वे खुद एक महिला हैं। उन्होंने कहा कि गार्गी कक्कड़ का इस तरह का व्यवहार सहन नहीं किया जाएगा। वे आशा वर्कर से माफी मांगे और भाजपा को चाहिए कि उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही करें।

दक्षिणी हरियाणा लीगल अध्यक्ष अशोक वर्मा ने कहा कि भाजपा की जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ पर भ्रष्टाचार के भी आरोप लगे हैं। उन्होंने भाजपा नेताओं के साथ हरियाणा में काफी प्रशासनिक अधिकारियों पर भी रिश्वतखोरी के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार के 542 मामलों में सरकार ने सिर्फ 18 मामलों के कार्रवाई शुरू की है। बाकी के मामलों में क्लीनचिट दे दी गई। इससे साफ है कि सरकार अपने नेताओं के साथ अधिकारियों का भी बचाव कर रही है।

आप के वरिष्ठ नेता एडवोकेट अभय जैन ने कहा कि बीती शाम जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने निगम के अधिकारियों व दो नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार की बिना नाम की शिकायत को बंद किया है, ना कि क्लीनचिट दी गई है। क्योंकि बिना जांच किए किसी को क्लीनचिट नहीं दी जा सकती।

युवा उपाध्यक्ष दक्षिण हरियाणा भूपेंद्र शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की लोकप्रियता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। सभी नए साथियों का परिवार में स्वागत है। जिस प्रकार दिल्ली में और पंजाब में सरकार बनाई है, उससे भी ज्यादा बहुमत से हरियाणा में सरकार बनाएंगे।

पार्टी की ओर से गुरुग्राम नगर निगम के संयोजक माइकल सैनी ने कहा कि गार्गी कक्कड़ पर इतने आरोप लगने बाद में अपने पद पर बनी हुई हैं। इस अवसर पर डा. संदीप यादव, एडवोकेट नवीन डागर ने पार्टी ज्वाइन की। इस मौके पर राम अदलखा, इंद्रपाल जांगड़ा, रेवाड़ी जिला अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, नगर निगम संयोजक मानेसर, राजीव, विजय यादव, रेवाड़ी जिला अध्यक्ष कुलदीप शर्मा आदि मौजूद रहे।

बोल्ट आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स का 'प्रिंसिपल स्पॉन्सर' बना

पायनियर समाचार सेवा। बैंगलुरू

ऑल-इन-वन इलेक्ट्रिक वाहन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदाता, बोल्ट ने घोषणा की है कि यह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15वें संस्करण का मुख्य स्पॉन्सर बन गया है। 'ईवी चार्जिंग पार्टनर' की उपाधि के साथ इस साझेदारी के तहत दिल्ली कैपिटल्स की ऑफिशियल जर्सी की मुख्य कलाई पर बोल्ट ब्रांड का लोगो लगेगा। इस साझेदारी द्वारा, बोल्ट का उद्देश्य 'इलेक्ट्रिसिटी इज द न्यू फ्यूल' के संदेश का प्रसार करना है, जो दर्शाता है कि यह ब्रांड किस प्रकार पूरे भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का चलना संभव बना रहा है और इससे देश में ई-मोबिलिटी का प्रसार करने में मदद मिल रही है।

बोल्ट-दिल्ली कैपिटल्स की साझेदारी का उद्देश्य हवा की गुणवत्ता बढ़ाने तथा प्रदूषण कम करने के प्रयासों को प्रोत्साहित करना है, जो भारत की राजधानी, दिल्ली की एक बड़ी समस्या है। यह इसके लिए सुरक्षित, आसानी से उपलब्ध और किफायती ईवी चार्जिंग समाधानों को बढ़ावा दे रहा है। बोल्ट भारत का सबसे बड़ा ईवी चार्जिंग नेटवर्क है,

इस साझेदारी का उद्देश्य हवा की गुणवत्ता और प्रदूषण के बारे में जागरुकता बढ़ाना है, जो दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र की एक बड़ी समस्या है

जिसमें यूनिवर्सल बोल्ट चार्जिंग प्वाइंट और बोल्ट ऑपरेटिंग सिस्टम शामिल है। एक मजबूत ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करने के उद्देश्य से विकसित, यह आईओटी-इनेबल्ड ईवी चार्जिंग प्वाइंट्स का भारत का पहला समर्पित नेटवर्क है, जो पूरे देश के राइडर्स को कनेक्ट करता है। मेड-इन-इंडिया, बोल्ट एक यूनिवर्सल चार्जिंग प्वाइंट है, जो किसी भी पोर्टेबल चार्जर के साथ कंपैटिबल है और यह इलेक्ट्रिक वाहन के साथ मिलता है तथा हर जगह मौजूद एसी पॉवर सप्लाई के साथ काम करता है।

समर्थन में बयान : ज्योतिरजन हरिचंदन, कोफाउंडर, बोल्ट- हमें दिल्ली कैपिटल्स का इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग पार्टनर के रूप में चुने जाने की खुशी है। आईपीएल के स्केल एवं पहुंच हमें देश में ब्रांड के लिए जागरूकता व पारिवारिकता बढ़ाने का एक बेहतरीन मंच प्रदान करते हैं, ताकि हम अपने भौगोलिक फुटप्रिंट्स का विस्तार कर सकें। इससे हमें अपने किफायती और इजी-टू-एक्सेस इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर को व्यापक जनसमूह तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा, ताकि देश में इलेक्ट्रिक वाहन का प्रसार में तेजी लाई जा सके। सभी जगह मौजूद इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग नेटवर्क प्रदान करके हम भारत में इलेक्ट्रिक वाहन की वृद्धि के सफर में मुख्य भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हैं। हम दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल 2022 के लिए शुभकामनाएं देते हैं।"

विनोद बिश्त, अंतरिम सीईओ, दिल्ली कैपिटल्स - मुझे दिल्ली कैपिटल्स के परिवार में बोल्ट का स्वागत करने की खुशी है। दोनों ब्रांड्स के अनेक मूल्य एक समान हैं, जैसे हम दोनों में जीवंत, युवा जोश और एक प्रभाव छोड़ने का दृढ़ निश्चय है।

युवक का तीन युवकों पर अपहरण करने का आरोप

सोहना। सोहना के निजी अस्पताल में नर्सिंग का कार्य करने वाले युवक ने गाड़ी में सवार तीन युवकों पर मारपीट और अपहरण करने का आरोप लगाया। पुलिस ने नामजद तीनों ही आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जिला नूंह का गांव खेड़ी कंकर थाना रोजका मेव निवासी साहिल ने पुलिस को बताया कि वह सोहना में निजी अस्पताल में नर्सिंग का कार्य करता है। सोमवार सायं 5 बजे उसके पास अस्पताल में नरेश व राहुल नामक दो युवक आए। जिन्होंने उसके साथ बिना किसी कारण पूछे मारपीट शुरू कर दी। उसके बाद जबरन उसे अस्पताल के बाहर खड़ी गाड़ी में पटक लिया। जिसमें पहले से ही एक और युवक बैठा हुआ था। उसका अपहरण करके भोंडसी थाना का गांव रायसीना से लगती अरावली पहाड़ी में ले गए। जहां उसके साथ लाठी, डंडा से पिटाई की। उसके बाद उसे पहाड़ी से वापस लाने के बाद एलिवेटेड मार्ग पर सोहना ढाणी के निकट छोड़कर फरार हो गए।

दमदमा झील पर पर्यटक हर दिन हवाई खेलों का ले सकेंगे आनंद

एन रोहिल्ला। सोहना

दमदमा झील पर हॉट ब्लून पर्यटकों हवाई यात्रा कराने के लिए इंतजार करता हुआ।

दमदमा झील पर बने एयरो स्पोर्ट्स पर पर्यटक हर दिन हवाई खेलों का आनंद ले सकेंगे। टूरिज्म निगम द्वारा स्थापित एयरो स्पोर्ट्स योजना को नियमित रूप से स्थापित कर दिया है।

दमदमा झील के साथ लगते हरियाणा टूरिज्म निगम ने अपनी 19 एकड़ कैंपिंग साइट जमीन पर दो दिवसीय एयरो उत्सव मनाया था। इस दो दिवसीय एयरो उत्सव का उद्घाटन प्रदेश मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने किया था। एयरो उत्सव में भाग लेने पहुंचे पर्यटकों ने हॉट ब्लयून और पैरामोटरिंग में बैठकर हवाई सफर किया था। आसमान से झील के साथ लगती अरावली पहाड़ी और उसकी जड़ में बने गांवों का शानदार नजारे का अवलोकन किया था। इसके अलावा पर्यटकों ने एयरोग्लाइडिंग, एयरो जहा, हेलीकॉप्टर की आसमानी उड़ान का सुन्दर नजारा देखकर भरपूर मनोजरंजन किया था। **पर्यटक हर दिन होंगे एयरो खेल** : हरियाणा टूरिज्म निगम ने मोरनी में स्थित टिककडताल पर्यटन के बाद दमदमा में बने सारस कॉम्पलेक्स पर भी एयरों स्पोर्ट्स को नियमित रूप से चालू कर दिया है। यहां आने वाले पर्यटक एयरो मोटरिंग में बैठकर जमीन से आसमान की तरफ 2500 फुट ऊंचाई तक उड़ान का आनंद ले सकते है। इसके अलावा हॉट ब्लयून में झील से 5 किलोमीटर के दायरे में आसमान में उड़कर प्रकृति का अवलोकन कर सकते हैं। जिसका एक बार में हवाई सफर करने के लिए 2500 रुपये का भुगतान करना होगा। कॉम्पलेक्स प्रभारी राजेश शर्मा ने बताया कि प्रदेश सरकार ने टूरिज्म निगम को झील पर एयरो स्पोर्ट्स को मंजूरी दे दी है।

अमेजन बिजनेस ने एंड ऑफ फाइनेंशियल ईयर सेल के माध्यम से एमएसएमई के लिए की आकर्षक डील्स की घोषणा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अमेजन बिजनेस ने अपने बिजनेस ग्राहकों को चालू वित्त वर्ष के समाप्त होने से पहले अपने खरीद बजट को कुशलतापूर्वक उपयोग करने में मदद के लिए मंगलवार को एंड ऑफ फाइनेंशियल ईयर सेल शुरू करने की घोषणा की है। इस सेल को बी2बी ग्राहकों को प्रासंगिक चयन में से अपने काम की चीजें खोजने में मदद करने और इस खरीद पर इंक्रीमेंटल कैशबैक और डिस्काउंट के साथ बचत करने के लिए तैयार किया है।

सेल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एमएसएमई चालू वित्त वर्ष के लिए अपने शेष बचे बजट का कुशलतापूर्वक उपयोग कर सकें। यह सेल 18 मार्च 2022 तक चलेगी और यह हाइब्रिड वर्क मॉडल के दोनों पहलुओं को पूरा करने के लिए एमएसएमई के लिए आपूर्ति पर केंद्रित होगी, इस तरह से ये वर्क फ्रॉम होम (WFH) और बैक टू वर्क (BTW) दोनों के लिए विशेष चयन की पेशकश करेगी। वर्क फ्रॉम होम के तहत, एमएसएमई लैपटॉप, इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण, स्टेशनरी आइटम्स, फर्नीचर जैसी कई श्रेणियों से कुशल वर्क फ्रॉम होम सेटअप के लिए खरीदारी कर सकते हैं। बैक टू वर्क स्टोर में प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट, आवश्यक बैक टू वर्क सप्लाई, सोशल डिस्टेंसिंग फ्रेंडली ऑफिस सेटअप और कोविड मेडिकल सप्लाई को शामिल किया गया है। स्नीज गार्ड, कोन्स, साइन, टेप, बैरियर्स, स्ट्रिप्स, लेबल्स, मेजरमेंट इंस्ट्रूमेंट्स से लेकर आईटी पेरीफेरल्स, ब्रेकरूम सप्लाई तक, शॉपिंग इवेंट अपने बिजनेस ग्राहकों के लिए उत्पादों के विस्तृत चयन की पेशकश करेगा। बिजनेस ग्राहक भुगतान के समय कोड FYESww को डालकर 10 प्रतिशत कैशबैक, 1500 रुपये की न्यूनतम खरीदारी पर 500 रुपये तक, का लाभ उठा सकते हैं। यह कैशबैक कम्प्यूटर और एक्सेसरीज, इलेक्ट्रॉनिक एप्लाएंसेस, ऑफिस प्रोडक्ट्स, ऑफिस इंप्रूवमेंट, ऑफिस किचन, इंडस्ट्रियल और साइंटिफिक जैसी सभी व्यवसाय संबंधित श्रेणियों पर लागू होगा। ग्राहक 5000 से ज्यादा उत्पादों पर बिजनेस एक्सक्लूसिव मूल्य और बल्क डील्स का भी लाभ उठा सकते हैं। इन लाभों के अतिरिक्त, एमएसएमई बिजनेस खरीदारी को अधिक कुशल और सुविधाजनक बनाने के लिए अन्य फीचर्स जैसे मल्टी-यूजर अकाउंट, बिल टू शिप टू और अप्रूवल्स का भी उपयोग कर सकते हैं। फाइनेंशियल ईयर एंड सेल का लक्ष्य सभी टॉप श्रेणियों में 15 करोड़ से ज्यादा जीएसटी सक्षम उत्पादों को आकर्षक कीमत पर उपलब्ध कराकर एमएसएमई को सशक्त बनाना है। मौजूदा अमेजन बिजनेस ग्राहक अपने बिजनेस अकाउंट में साइन-इन करने के बाद इस इवेंट के बारे में और अधिक जानकारी हासिल कर सकते हैं। नए ग्राहक https://business.amazon.in पर फ्री अकाउंट बनाने के बाद इस इवेंट में भाग ले सकते हैं और इसके बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। 2017 में अपनी शुरुआत के बाद से, अमेजन बिजनेस ने हमेशा अपने ग्राहकों के व्यवसायों में मूल्य और सुविधा जोड़ने के लिए काम किया है।

व्यवसाय अपनी ऑफिस खरीदारी पर इंक्रीमेंटल कैशबैक और डिस्काउंट हासिल कर सकते हैं

मोतीलाल ओसवाल होम फाइनेंस ने मेरठ में नई शाखा के साथ यूपी में अपना संचालन शुरू किया

पायनियर समाचार सेवा। मेरठ

भारत की अग्रणी हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों में से एक मोतीलाल ओसवाल होम फाइनेंस लिमिटेड (एमओएचएफएल) ने आज उत्तर प्रदेश के मेरठ में नई शाखा खोलने की घोषणा की है। मोतीलाल ओसवाल होम फाइनेंस लिमिटेड निम्न एवं मध्यम आय वर्ग की हाउसिंग फाइनेंस संबंधी सभी जरूरतों को पूरा करने तथा भारत सरकार के महत्वकांक्षी लक्ष्य '2022 तक सभी के लिए आवास' में योगदान देने के लिए प्रयासरत है।

एमओएचएफएल मेरठ शाखा से 50 किलोमीटर के दायरे में घर की खरीद और निर्माण के लिए किफायती होम लोन देता है। एमओएचएफएल ने '121/1, दूसरी मंजिल, मंगल पाण्डेय नगर, सेल टैक्स ऑफिस के पास, मेरठ-250004' में अपना कार्यालय खोला है। मोतीलाल ओसवाल होम फाइनेंस के धर्मेन्द्र सिंह ब्रांच के हैड होंगे, उपभोक्ता 9837070577 पर उनसे संपर्क कर सकते हैं। एमओएचएफएल की मेरठ शाखा का उद्घाटन 13 मार्च 2022 को श्री मनीष सिंह, चीफ बिजनेस ऑफिसर, एमओएचएफएल ने किया। इस अवसर पर एमओएचएफएल के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

मनीष सिंह, सीबीओ, एमओएचएफएल के अनुसार, "मेरठ में नई शाखा के साथ हम यूपी में अपनी मौजूदगी को सशक्त बनाने जा रहे हैं। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 80 लाख घरों के निर्माण के लिए रु 48,000 का आवंटन किया है। हम अफोर्डेबल हाउसिंग सेगमेन्ट से जुड़े हुए हैं, ऐसे में हमें विश्वास है कि हम '2022 तक सभी के आवास' के सरकार के मिशन को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।'

मुख्य बिन्दु : एमओएचएफएल में उपभोक्ता दस्तावेज रहित प्रक्रिया के द्वारा ऋण ले सकते हैं, डिजिटल सेवाएं ऋण की पूरी प्रक्रिया को आसान एवं सहज बनाती हैं। आप होम लोन लेने के बारे में सोच रहें हैं, तो मोतीलाल ओसवाल से जुड़ें!

आण्विक हाइड्रोजन के अंत:श्वसन का बढ़ा महत्व

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्वास्थ्य के प्रति गंभीर लोगों में पर्सनल वेलनेस को लेकर सजगता जैसे-जैसे पहले से बढ़ रही है, वैसे-वैसे ही समग्र स्वास्थ्य व व्यक्ति के कुशल-मंगल का महत्व भी बढ़ रहा है। फलते-फूलते वेलनेस उद्योग में फिलहाल एक मेडिकल गैस के तौर पर आण्विक हाइड्रोजन काफी चहेता विषय बना हुआ है और इसीलिए वेलनेस के एक निवारक साधन के तौर पर उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आण्विक हाइड्रोजन बहुत ही कम मात्रा में हवा में पाया जाता है (0.00005 प्रतिशत) जो कि मनुष्यों के लिए अनुपलब्ध रूप में रहता है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि आण्विक हाइड्रोजन (डाइहाइड्रोजन, या हाइड्रोजन गैस) एक थेराप्यूटिक और निवारक ऐंटीऑक्सिडेंट का काम करती है।

इसी परिप्रेक्ष्य में, मुंबई स्थित सिरीन एनवायरोटेक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को देश का पहला पोर्टेबल आण्विक हाइड्रोजन इनहेलर, udazH, लाने के लिए काफी वाहवाही मिल रही है। जिस तरह से लोग निवारक और थेराप्यूटिक हेल्थकेयर को देखते हैं उसी से समझ में आ जाता है कि इसे बदलने के लिए udazH पूरी तरह से तैयार है। देशभर में उपभोक्ताओं के निजी इस्तेमाल के लिए उपलब्ध कराया गया यह अगली पीढ़ी का पर्सनल वेलनेस टूल उच्चस्तरीय सुविधाओं सहित डिजाइन किया गया है क्योंकि इसमें है विशेष ड्यूअल यूज टेक्नोलॉजी जहां दो लोग एकसाथ एक ही समय पर अंत:श्वसन कर सकते हैं।

पोर्टेबल हाइड्रोजन इनहेलर है बेहतर सेहत का उपाय

डॉक्टर शिगेओ ओहटा, निप्पॉन मेडिकल स्कूल, जापान द्वारा 'नेचर' (2007) में इस वैज्ञानिक अनुसंधान प्रकाशन के बाद से ही, कि आण्विक हाइड्रोजन में कुछ चुनिंदा ऐंटीऑक्सिडेंट गुण हैं, कई अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि H_2 के असर, 170 विविध मानवीय रोगों के प्रतिरूपों से अधिक कारगर हैं। हाल के समय में हुए गहन शोध ने यह इंगित किया है कि अपेक्षाकृत एक छोटा, हल्का अणु होने के साथ-साथ अपनी बेहतरीन जैव-उपलब्धता के गुण सहित हाइड्रोजन अणु (H_2) इकलौता ऐसा अणु है जो शरीर के उप-कोशिकीय गुण को भेदकर एक शक्तिशाली चुनिंदा ऐंटीऑक्सिडेंट की तरह कार्य कर सकता है। नियंत्रित मात्रा में हाइड्रोजन गैस का तीव्र डिफ्यूजन दर के साथ उपयोग करने पर यह उतकों, कोशिकाओं की झिल्ली को भेदकर आसानी से रक्त-मस्तिष्क की बाधा को पार करके उप-कोशिकीय स्तर पर लाभ प्रदान करती है जहां पहुंचने पाने में अन्य प्रिस्क्राइब किए जाने वाले ऐंटीऑक्सिडेंट नाकाम रहते हैं।

सिरीन एनवायरोटेक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, डॉ. बाबू सुधाकर के अनुसार, अत्यधिक मुक्त रैडिकल्स के चलते शरीर में माइटोकॉन्ड्रिया में ऑक्सिडेटिव तनाव बढ़ता है। जिससे हमारे DNA और हमारे शरीर के बुनियादी प्रोटीन को आण्विक स्तर पर अत्यधिक नुकसान पहुंच सकता है। हालांकि यह वह पहला पदार्थ है नहीं है, जो हमारे दिमाग में तब सबसे पहले आता है जब हममें से अधिकतर लोग 'ऐंटीऑक्सिडेंट्स' के बारे में सोचते हैं, फिर भी आण्विक हाइड्रोजन इस समय मौजूद सबसे शक्तिशाली ऐंटीऑक्सिडेंट्स में से एक है। वरियता के आधार पर H_2 मुक्त रैडिकल्स को न्यूट्रलाइज करता है, ऑक्सिडेटिव तनाव को कम करता है, हमारी शरीर के आंतरिक ऐंटीऑक्सिडेंट उत्पादन और ऐंटी-इनफ्लेमेटरी साइटोकाइन्स में वृद्धि करता है।

आज लगेगी 12 से 14 वर्ष के बच्चों को वैक्सीन : डॉ. मानसिंह

कविता। फरीदाबाद

जिले में आज से शुरू हो रहे 12 से 14 साल के बच्चों को लगाई जाने वाली कोर्बीवेक्स वैक्सीन को लेकर पंचकुला के सेक्टर-10 में प्रदेश के स्वास्थ्य अधिकारियों ने एक बैठक हुई। जिसमें फरीदाबाद से जिला वैक्सीनेशन अधिकारी डॉ. मान सिंह मुख्य रूप से मौजूद थे। बैठक में वैक्सीनेशन का 38 लाख से अधिक का आंकड़ा पार करने पर डॉ. मानसिंह के लिए स्वास्थ्य मुख्यालय के अधिकारियों द्वारा तालियां बजाई गई। इस रिव्यु मीटिंग में एसीएस राजीव अरोड़ा, एमडी एनएचएम, डायरेक्टर डॉ. रणदीप सिंह पूनिया एवं एसईपीआईओ मौजूद रहे।

जिले में 83600 बच्चों को लगेगी कोर्बीवेक्स वैक्सीन

डॉ. मान सिंह ने पायनियर को बताया कि जिले में बुधवार से शुरू हो रहे 12 से 14 वर्ष के 83600 बच्चों को वैक्सीन लगाई जाएगी। इसके साथ ही नेशनल वैक्सीनेशन डे भी मनाया जाएगा। जिसमें ब्लॉक स्तर पर दो आशा वर्करों और एक एएनएम को सम्मानित भी किया जाएगा।

बजाई तालियां: डॉ. मान सिंह ने बताया कि उनसे बैठक में पूछा गया कि उन्होंने जिले में 38 लाख से अधिक लोगों को वैक्सीन लगाने का टारगेट कैसे पूरा किया।

पंचकुला में आयोजित स्टेट लेबल की बैठक में 'फरीदाबाद में कैसे 38 लाख से अधिक को लगाएं इंजेक्शन' के बारे में जानकारी देते जिला वैक्सीनेशन अधिकारी डॉ. मान सिंह

जिस पर उन्होंने अधिकारियों को बताया कि किस तरह से जिले में 49 सेंटरों पर 12 घंटे वैक्सीन कैम्प लगाए रखे। वहीं डोर टू डोर वैक्सीनेशन अभियान के अलावा उन्होंने लेबर चौक, मॉल, स्कूल, कॉलेजों, बस स्टैंड़ो, बाजारों और नेशनल हाईवे पर कैम्प लगाकर लोगों को वैक्सीन लगाई। साथ ही जांच के लिए सैम्पल भी लिए। वहीं समाजसेवियों के कहने पर भी उन्होंने जिले में मंदिरो, संस्थाओं और उद्योगों में कैम्प लगाए। जिससे जिले में वैक्सीनेशन का 38 लाख का टॉरगेट पूरा हुआ है। जिस पर अधिकारियों ने तालियां बजाकर उनका हौंसला बढ़ाया और आगे भी उन्हें इसी तरह से वैक्सीनेशन को बढ़ावा देने के लिए कहा।

आज होगी शुरुआत: डॉ. मान सिंह ने बताया कि जिले में आज से शुरू होने वाले 12 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए 49 हेल्थ सेंटरों पर कोर्बीवेक्स वैक्सीनेशन की पहली डोज 0.5 एमएल लगाने की व्यवस्था की गई है। जिसमें बल्लभगढ़ से मंत्री मूलचंद शर्मा की अनुपस्थिति में उनके भाई टीपरचंद शर्मा बल्लभगढ़ सिविल अस्पताल और एफआरयू दो सेक्टर-तीन से उद्घाटन करेंगे। खेड़ी कला स्वास्थ्य केन्द्र से देवेन्द्र चौधरी और बीके अस्पताल में सीमा त्रिखा वैक्सीनेशन का उद्घाटन करेंगी। इस दौरान नेशनल वैक्सीनेशन डे पर ब्लॉक स्तर पर दो आशा वर्करों और एक एएनएम को सम्मानित किया जाएगा।

घर में घुस कर पिस्तौल के बल पर महिला से लूट, आरोपी गिरफ्तार

70 वर्षीय बुजुर्ग महिला से हुई लूटपाट को पुलिस ने दो घंटे में सुलझाया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पिस्तौल के बल पर लूट करने वाले युवक को पकड़ कर ले जाते पुलिस के जवान।

मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे सूरदास कॉलोनी स्थित एक मकान में घुसकर दो बदमाशों द्वारा पिस्तौल की नोक पर दी गई लूट की वारदात के मामले में पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए वारदात के मात्र दो घंटे में दोनों आरोपियों को धर दबोचा।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में 23 वर्षीय रामविलास और 40 वर्षीय विष्णु दत्त शामिल है। रामविलास उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले का रहने वाला है, जो फिलहाल पलवल के देवली में रह रहा था। वहीं आरोपी विष्णु दत्त उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर का रहने वाला है और फिलहाल सूरदास कॉलोनी में ही रह रहा था। आरोपी फरीदाबाद में किसी फैक्ट्री में एक साथ काम करते हैं।

मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे सूरदास कॉलोनी स्थित एक मकान में 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला कमलेश अपने पोता पोती के साथ मौजूद थी। घर के अन्य सदस्य काम से बाहर गए हुए थे। दोनों आरोपी अपने चेहरे को नकाब से ढककर घर में घुसे और बुजुर्ग महिला पर पिस्तौल तान दी। पिस्टल की नोक पर आरोपी घर से सोने की चार चूड़ियां, एक जोड़ी कान की बाली और 4400 रुपये नगद लूटकर फरार हो गए। महिला ने इसकी शिकायत पुलिस थाना पल्ला में दी। शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची। एसीपी देवेंद्र यादव ने थाना प्रभारी योगेश कुमार के साथ पहुंचकर मौका मुआयना किया।

आसपास के सीसीटीवी खंगालकर लोगों से पूछताछ की। पुलिस टीम ने गुप्त सूत्रों व तकनीकी की सहायता से दोनों आरोपियों को सूरदास कॉलोनी में ही स्थित आरोपी विष्णु दत्त के मकान से काबू कर लिया। आरोपियों के कब्जे से लूटे गए सोने के आभूषण, नकद राशि तथा वारदात में प्रयोग देसी पिस्तौल बरामद किया गया है।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी रामविलास इस वारदात का मुख्य आरोपी है। आरोपी का अपने गांव में किसी के साथ झगड़ा चल रहा था। जिसकी रंजिश के तहत दूसरे पक्ष ने आरोपी रामविलास के पिता की हत्या कर दी थी। जिसका बदला लेने के लिए आरोपी रामविलास पैसे इकट्ठा कर रहा था।

देसी पिस्तौल भी वही खरीद कर लाया था। दूसरा आरोपी विष्णु दत्त के सर पर काफी कर्जा था। जिसे उतारने के लिए वह लूट में शामिल हो गया। दोनों 10-12 दिन से मकान की रेकी कर रहे थे। उन्हें पता था कि घर के सदस्य काम पर चले जाते हैं जिसके पश्चात बुजुर्ग महिला और बच्चे मकान में अकेले होते हैं। जिन्हें आसानी से डरा धमका कर उनके साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया जा सकता है। दोनों आरोपी योजना के तहत घर में घुसे और लूट की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

एक साल से फरार दुष्कर्म का आरोपी जम्मू से गिरफ्तार

बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार युवक राघव।

फरीदाबाद। महिला थाना एनआईटी प्रभारी इंस्पेक्टर माया की टीम ने एक साल से फरार चल रहे दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि महिला थाना एनआईटी प्रभारी माया ने आरोपी को जम्मू से गिरफ्तार किया है। जम्मू निवासी आरोपी राघव पीड़िता के पति का दोस्त है। संजय कॉलोनी एरिया की रहने वाली पीड़िता ने फरवरी 2021 में दी अपनी शिकायत में बताया कि वर्ष 2016 में उसकी मुलाकात आरोपी के साथ हुई थी। महिला की अपने पति के साथ किसी बात को लेकर अनबन हो गई थी जिसका फायदा उठाते हुए राघव ने महिला को पति पत्नी के बीच समझौता करवाने का लालच दिया। आरोपी काफी समय तक महिला से बातचीत करता रहा। वर्ष 2020 में आरोपी ने महिला को उसके पति के साथ समझौता करवाने की बात कह कर अपने घर बुलाया और वहां पर उसकी तस्वीरें खींच ली। उन तस्वीरों को एडिट करके उन तस्वीरों को अश्लील रूप दे दिया। तस्वीरों को सोशल मीडिया पर वायरल करने धमकी देकर महिला को ब्लैकमेल कर उसके साथ दुष्कर्म करने लगा। आरोपी ने महिला के साथ गाली गलौज व मारपीट के बाद कई बार दुष्कर्म किया। 12 जनवरी 2021 को घर आकर दुष्कर्म किया। परेशान होकर उसने पुलिस को शिकायत दे दी। महिला की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ बलात्कार की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच शुरू की गई।

गुम हुआ मोबाइल पुलिस ने मालिक को लौटाया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ईआरवी डायल 112 की पुलिस टीम ने गुमशुदा मोबाइल को उसके मालिक को सुरक्षित लौटाकर ईमानदारी का परिचय दिया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि 13/14 मार्च की रात करीब 11 बजे डायल 112 टीम में शामिल हवलदार शमशेर, सिपाही अमित व साकिर थाना सेक्टर 31 एरिया में मथुरा रोड पर गश्त कर रहे थे कि रास्ते में उन्हें सड़क पर एक मोबाइल फोन पड़ा दिखाई दिया। मोबाइल ओप्पो कंपनी का था जो बिल्कुल नया लग रहा था।

पुलिस टीम ने आसपास के लोगों से पूछताछ की परंतु किसी को इसके बारे में मालूम नहीं था। पुलिस टीम ने मोबाइल को अपने पास रख लिया। कुछ समय पश्चात उसपर फोन मालिक कि पत्नी निधि का फोन कॉल आया जिसमें उन्होंने बताया कि उनका फोन गुम हो गया है। पुलिस टीम ने उन्हें बताया कि उनका फोन पुलिस के पास सुरक्षित हैं और उन्हें चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। वह चाहें तो अभी आकर फोन ले जा सकते हैं और यदि अब नहीं आ सकते तो कल सुबह आकर अपना फोन प्राप्त कर सकते हैं जिसपर निधि ने कहा कि अभी बहुत रात हो चुकी है तो वह अगले दिन आकर अपना मोबाइल फोन प्राप्त कर लेंगे। अगले दिन पुलिसकर्मियों ने फोन मालिक को सेक्टर 28 मेट्रो स्टेशन के पास बुलाया। फोन मालिक ने बताया कि वह दिल्ली में बदरपुर बॉर्डर एरिया में रहते हैं। फरीदाबाद में उसका ससुराल है। कल रात वह अपने ससुराल से अपनी पत्नी के साथ वापस आ रहा था कि रास्ते में उसकी जेब से फोन गिर गया था। उन्होंने बताया कि अभी एक महीने पहले ही उन्होंने ओप्पो का यह मोबाइल 25000 रुपये में खरीदा था। अभी उन्होंने फोन की एक किस्त ही भरी थी। यदि यह फोन किसी ओर के हाथ लग जाता तो वह शायद ही इसे वापस लौटाता।

कर्मचारियों से की हड़ताल में शामिल होने की अपील

फरीदाबाद। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान अशोक कुमार के नेतृत्व में आज आधा दर्जन से ज्यादा विभागों में जाकर कर्मचारियों से संपर्क कर 28 व 29 मार्च की होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल होने की अपील करते हुए पर्चे और पोस्टर वितरित किये। अशोक कुमार ने दावा किया है कि 28 -29 मार्च की राष्ट्रव्यापी हड़ताल ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व होगी। उन्होंने कहा कि सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के चलते एवं कर्मचारियों की मांगों के प्रति उदासीन रवैया से सभी विभागों निगम, बोर्ड, कॉरपोरेशन, यूनिवर्सिटी, पालिका, परिषद, निगम, शिक्षक गैर शिक्षक एवं तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी नाराज हैं। जिला प्रधान अशोक कुमार के अलावा संघ के जिला सचिव बलबीर सिंह, संगठन सचिव मुकेश बेनीवाल, फरीदाबाद ब्लॉक के प्रधान करतार सिंह व सचिव जगदीश बल्लभगढ़ ब्लाक के सह सचिव विजय चावला ने कई स्कूलों में भी दौरा किया।

'बाय नाउ पे लेटर' फीचर से सशक्त बनाता पे मी इंडिया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पे मी इंडिया ने एक अनूठा एप्लिकेशन 'सॉल्ट' लॉन्च किया है जहां यूजर बिना तुरंत भुगतान किए कुछ भी खरीद सकता है। खरीदार को एक क्रेडिट सीमा के साथ-साथ एक विस्तृत ब्याज मुक्त अवधि (इंटरेस्ट फ्री पीरियड) भी दी जाएगी। ग्राहक इस समय सीमा के अंदर अपने बिलों का भुगतान कर सकता है। इसके लिए उसे किसी भी तरह का ब्याज नहीं देना होगा। ऐसे व्यक्ति जिनके पास क्रेडिट कार्ड नहीं है, वे भी सॉल्ट के माध्यम से पहले खरीदारी और बाद में भुगतान की इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

सॉल्ट ऐप के लिए सिर्फ बेसिक केवाईसी प्रक्रिया को पूरा करना होगा। क्रेडिट सीमा का इस्तेमाल स्कैन एंड पे या मर्चेंट लेनदेन के माध्यम से किया जा सकता है। खरीदारी के बाद अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें सेवा प्रदाता ग्राहक की ओर से व्यापारी को भुगतान करता है। यह एक तरह से क्रेडिट कार्ड का विकल्प है। फिलहाल सॉल्ट ऐप केवल हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में उपलब्ध है। लेकिन जल्द ही इसे तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मराठी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में शुरू कर दिया जाएगा।

इस नए एप्लिकेशन के बारे में बताते हुए पे मी इंडिया के संस्थापक और शीर्ष प्रबंधन महेश शुक्ला ने कहा, सॉल्ट पे मी इंडिया का उद्देश्य परेशानी मुक्त क्रेडिट समाधान के लचीले वित्त विकल्प विकसित करना और वन-टैप तत्काल क्रेडिट सीमा है जो खरीदारों को बिना भुगतान के कुछ भी खरीदने की अनुमति देता है। लेकिन ग्राहक को बाद में एक निर्दिष्ट ब्याज-मुक्त अवधि के अंदर इसका भुगतान करना होगा। सॉल्ट की खासियत ये है कि कोई भी व्यक्ति जिसके पास क्रेडिट कार्ड नहीं है वो भी इसकी सेवाओं का लाभ उठा सकता है। सॉल्ट ऐप पर रिपेयमेंट बस एक टच दूर है। क्रेडिट लिमिट का इस्तेमाल करने वालों की सुविधा के लिए, सॉल्ट ईएमआई में पुनर्भुगतान का विकल्प भी प्रदान करता है। इसके लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं है और साथ ही कई आकर्षक ऑफर भी मिलते हैं।

महेश शुक्ला ने कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि तत्काल ऋण या फंड का मुद्दा यथासंभव प्रभावी और सुरक्षित तौर पर समाप्त हो जाए, इसके लिए व्यापक विचार-विमर्श और सावधानीपूर्वक विश्लेषण किया गया। इसके अलावा, क्रेडिट कार्ड नहीं रखने वाले लोगों को आसान क्रेडिट समाधान प्रदान करता है। सॉल्ट जेब पर पड़ने वाले बोझ को भी कम करने का प्रयास करता है। पे मी इंडिया के सर्विस पोर्टफोलियो में विभिन्न प्रकार के फिनटेक समाधान शामिल हैं जिनमें तत्काल व्यक्तिगत ऋण, कॉर्पोरेट ऋण और क्रेडिट स्कोर सुधार विकल्प शामिल हैं।

नहीं आया पेंशन रोकने या काटने का संदेश

चंडीगढ़ से जारी हुआ 9971 लोगों की पेंशन काटने या रोकने का आदेश

कविता। फरीदाबाद

शहर में मंगलवार सुबह अखबार में पेंशन रोकने तथा कटने सम्बंधित खबरे पढ़कर बुजुर्गों के पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई। लेकिन जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि सरकार ने दो लाख तक की वार्षिक आय वालों की पेंशन रोकी है। लेकिन जिले में 9971 लोगों की पेंशन रोकने से सम्बंधित कोई पत्र उनके पास नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा कि जिले में वृद्धावस्था की पेंशन लेने वालों की संख्या 90 हजार से अधिक है।

ये है पूरा मामला

पेंशन कटौती या रोकने का यह मामला सरकार द्वारा शुरू किए गए परिवार पहचान-पत्र (पीपीपी) की शुरुआत के बाद हुआ है। पीपीपी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने वालों लोगों ने अपनी आय अधिक दर्शाई है। जिसकी वजह से उनकी पेंशन रोकी या काटी गई है। हालांकि सरकार इस आय राशि को ठीक करने का समय पहले दे चुकी है। साढ़े तीन लाख रुपये वार्षिक तक आय वाले लोगों को भी पेंशन देने का सरकार का इरादा है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ओमप्रकाश यादव ने सोमवार को सदन में अपने लिखित जवाब में पहली जनवरी 2019 से लेकर 28 फरवरी 2022 तक का आंकड़ा पेश करते हुए विपक्ष को संतुष्ट करने की कोशिश की। यादव ने बताया कि 2 लाख 77 हजार 676 लोगों की पेंशन रोकी या काटी गई है। जिसमें फरीदाबाद से 9971 लोगों की पेंशन रूकने और कटने की बात दशाई गई थी। लेकिन जिला समाज कल्याण अधिकारी सुशीला ने बताया कि 60 साल की उम्र के बाद वृद्धावस्था सम्मान पेंशन के रूप में 2500 रुपये मासिक पेंशन मिल रही है। जिसमें जिले में 90 हजार से अधिक बुजुर्गों को यह पेंशन दी जा रही है।

पेंशन उन्हीं बुजुर्गों को मिलती है, जिनकी सालाना आय दो लाख रुपये से कम है। सरकार ने दावा किया है कि पीपीपी पर रजिस्ट्रेशन के बाद सरकार ने केवल उन्हीं बुजुर्गों की पेंशन रोकी है, जिनकी सालाना आय साढ़े तीन लाख रुपये से ज्यादा है। लेकिन फरीदाबाद में अभी कोई ऐसा पत्र नहीं आया है। उन्होंने बताया कि जिले में कुल एक लाख 50 हजार से अधिक को पेंशन दी जा रही है। जिसमें 18 से 60 वर्ष आयु वर्ग के उन दिव्यांगों को 2500 रुपये मासिक पेंशन दी जा रही है, जो 60 से 100 प्रतिशत तक दिव्यांग हैं।

स्कूल में पृथ्वी अंबानी का पहला दिन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अंबानी परिवार के लिए यह उत्साहजनक समय है, क्योंकि मुकेश अंबानी और नीता अंबानी का पहला पोता पृथ्वी आकाश अंबानी पहले दिन स्कूल जा रहा है। उसके माता-पिता आकाश अंबानी और श्लोका अंबानी चाहते है कि वह सामान्य और जमीनी आधार पर जिंदगी जीना सीखे। पृथ्वी का दाखिला सनफ्लोवर नर्सरी स्कूल में हुआ। यह मालाबार हिल, मुंबई के नर्सरी स्कूल के समान है, जहां उनके माता-पिता आकाश और श्लोका अंबानी अपनी स्कूली शिक्षा के लिए गए थे। अंबानी परिवार के लिए यह एक बेहद महत्वपूर्ण दिन है और इसलिए पृथ्वी की सुरक्षा ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियां गई हैं।

पृथ्वी अंबान साथ हर समय एक डॉक्टर रहेगा। अधिकारियों के अनुसार अंबानी के पहले पोते के लिए सुरक्षा को बेहद खास रखा गया है। ये सुरक्षाकर्मी सामान्य वर्दी में तैनात होंगे और पूरे स्कूल क्षेत्र में फैले होंगे। आकाश और श्लोका अंबानी बेहद व्यावहारिक अभिभावक हैं। वे अपने बच्चे की जिंदगी के विभिन्न क्षेत्रों में समय एवं ऊर्जा का इस्तेमाल कर रहे हैं। अपने बेटे पृथ्वी के लिए उन्होंने करीब 6 विशेष रूप से प्रशिक्षित नैनी और केयरटेकर रखी हुई है, जो हर समय उसके साथ रहेंगी। प्रिंस ऑफ इंडिया के नाम से पुकारे जाने वाले पृथ्वी अंबानी स्कूली जिंदगी में अपना पहला कदम रखेंगे। यह स्कूल उन्हें अन्य सामान्य बच्चे की तरह ही शिक्षा प्रदान करेगा।

लूटपाट की नीयत से घायल करने वाले गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा के दिशा निर्देश के तहत कार्य करते हुए हुए क्राइम ब्रांच बॉर्डर की टीम ने लूट के इरादे से युवक के साथ की गई मारपीट के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि आरोपियों में दिनेश तथा विशाल का नाम शामिल है। दोनों आरोपी फरीदाबाद के संजय कॉलोनी के रहने वाले हैं। पुलिस को दी अपनी शिकायत में संजय कॉलोनी सेक्टर 23 के रहने वाले अवधेश कुमार ने बताया कि वह अपने मकान में ही स्पेयर पार्ट का काम करता है। दिनांक 16 फरवरी को रात करीब 11.30 बजे वह लगन सगाई के प्रोग्राम से अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर वापस अपने घर जा रहा था कि वह जब डिस्पेंसरी वाली गली में खाली प्लाट के पास पहुंचा तो दो अज्ञात व्यक्तियों ने उसकी बाइक और मोबाइल छीन कर ले गए।

संक्षिप्त समाचार

बीके अस्पताल में एनक्यूएएस की टीम का दूसरे दिन भी दौरा

फरीदाबाद। बादशाह खान सिविल अस्पताल में एनक्यूएएस की टीम तीन दिवसीय दौरे पर है। टीम ने मंगलवार को दूसरे दिन कर्मचारियों और चिकित्सकों से पूछताछ की। टीम का विशेष फोकस यहां शुरू होने वाले मुस्कान प्रोजेक्ट पर अधिक रहा। लेबर रूम में मौजूद कर्मचारियों से भी टीम ने बारीकी से पूछताछ की। इसी कड़ी में टीम के सदस्यों ने अपातकालीन, ओपीडी समेत वार्डों का दौरा करते हुए बच्चों के लिए मौजूद वैंटीलेटर एम्बुलेंस के बारे में भी जानकारी हासिल की। टीम ने एम्बुलेंस से वैंटीलेटर प्रथम तल पर मंगवा कर पूछताछ की। कर्मचारियों को बताया कि गंभीर बच्चों को वैंटीलेटर में कैसे रखना है और उन्हें रेफर के दौरान किस तरह से सुविधाएं उपलब्ध करानी है। टीम में हिमाचल प्रदेश की डॉ. सोनम नेगी, डा.मीना मित्तल और डा.सुनीता भाटिया शामिल हैं। टीम ने बीके में दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। पीएमओ डॉ. सविता यादव ने बताया कि टीम जांच कर अपनी रिपोर्ट केन्द्र सरकार को सौंप रही है। उम्मीद है कि इस बार भी अस्पताल को एनक्यूएएस का सर्टिफिकेट मिल सकेगा। वर्ष 2017 में बीके अस्पताल को एनक्यूएएस का सर्टिफिकेट मिला था।

निगम ने शुरू किया वायु प्रदूषण कम करने का अभियान

फरीदाबाद। निगमायुक्त यशपाल यादव ने बताया कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत फरीदाबाद नगर निगम ने वायु प्रदूषण को कम करने के बारे में एक अभियान शुरू किया है। शहर के सभी प्रमुख ट्रैफिक सिग्नलों पर 8 दिनों तक मानव श्रृंखला के रूप में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। स्वयंसेवक सिग्नल पर जागरूकता संदेश वाली तख्तियां लेकर खड़े होंगे और सिग्नल के लाल होने पर वाहनों के सामने मानव श्रृंखला बनाएंगे। वाहन उपयोग में नहीं होने पर इंजन बंद करने के महत्व के बारे लोगों को सूचित करने और शिक्षित करने के लिए लाल बत्ती के समय पर 30-90 सेकंड का उपयोग करेंगे। निगमायुक्त यशपाल यादव ने कहा कि संदेश को सही जगह पर सही दर्शकों तक पहुंचाने के इस हस्तक्षेप से फरीदाबाद के नागरिकों में वाहन वायु प्रदूषण के बारे में सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन लाने की उम्मीद है। फरीदाबाद की खराब हवा को ठीक करने के लिए फरीदाबाद नगर निगम ने एक और अभियान भी शुरू किया है।

स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने सिविल सर्जन को सौंपा ज्ञापन

समस्याओं को लेकर सिविल सर्जन डॉ. विनय गुप्ता को ज्ञापन सौंपते स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के पदाधिकारी।

फरीदाबाद। भारतीय मजदूर संघ से संबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर स्वास्थ्य कर्मचारियों ने स्वास्थ्य सेवा संबंधी समस्याओं को लेकर सिविल सर्जन को ज्ञापन सौंपा। संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र देशवाल के नेतृत्व में सिविल सर्जन डॉ विनय गुप्ता को सौंपे ज्ञापन में एनएचएम कर्मचारियों की जायज मांगों के अतिरिक्त कोविड-19 वैश्विक महामारी के चलते स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए दिन-रात बिना अतिरिक्त वेतन के सेवाभाव एवं समर्पण भाव से सेवाएं दी हैं। ज्ञापन के माध्यम से संघ की लंबित मांगों को जल्द से जल्द पूरा किए जाने का आग्रह सिविल सर्जन महोदय से किया गया। भारतीय मजदूर संघ फरीदाबाद के कार्यकारी अध्यक्ष शैलेश एवं डॉक्टर समरजीत, दीपक कुमार, बलराज सिंह, संजय बत्रा, अरुण कुमार, हरेंद्र कुमार, हरवेश, सुभाष गहलोत, राजकुमार शर्मा, रेखा बहन, सतपाल, कुलभूषण, कुलदीप समस्त पदाधिकारी मौजूदगी रहे।

परीक्षा देने आई एएनएम को हुई परेशानी

पेपर देने बीके अस्पताल में आए प्रतिभागी।

फरीदाबाद। जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा एएनएम कोर्स की परीक्षाएं शुरू की गई है। पढ़ाई के बाद उनकी पहली परीक्षा थी, लेकिन उन्हें परीक्षा के बारे में कुछ पता ही नहीं था। परीक्षा लेने के लिए बीके सिविल अस्पताल में चंडीगढ़ से एएनएम भर्ती एग्जाम लेने के लिए कंसल्टेंट मेटरनल डॉ. दीप और उनके साथ ग्राफिक डिजाइनर सुमन पहुंचे थे। जिन्होंने दोपहर करीब एक बजे सभी एएनएम की पीएनडीटी परिसर में उनकी परीक्षा ली। एएनएम की परीक्षा देने के लिए आई परिक्षार्थियों ने बताया कि न तो कोई समय उन्हें बताया और न ही यह बताया कि आपका कितने अंक का पेपर होगा। सुबह से एएनएम परीक्षा की तिथि देखते हुए भारी संख्या में बीके सिविल अस्पताल परिसर में पहुंच गई। उन्हें तो परीक्षा के 15 मिनट पहले तक भी रोल नम्बर उपलब्ध नहीं हुए थे। वहीं दूसरी तरफ अपनी परीक्षा देने का इंतजार उन्हें धूप में पार्क में बैठककर या फिर पेड़ की छाया में जहां जगह मिली, वहां बैठकर करना पड़ा।

पाठ्यक्रमों में जल्द मिलेगा एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट का लाभ

फरीदाबाद। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने कम्युनिटी कालेज आफ स्किल डेवलपमेंट के तहत चलाए जा रहे अपने विभिन्न कौशल पाठ्यक्रमों के लिए एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के माध्यम से लाभाविन्त करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय यहां कुलपति प्रो. एसके तोमर की अध्यक्षता में आयोजित कम्युनिटी कालेज आफ स्किल डेवलपमेंट (सीसीएसडी) की बैठक में लिया। कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, कम्युनिटी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ संजीव गोयल और वाइस प्रिंसिपल नितिन गोयल भी मौजूद थे। बैठक में कॉलेज के टीचिंग और नॉन टीचिंग सदस्यों ने भी हिस्सा लिया। उल्लेखनीय है कि एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट एक डिजिटल बैंक है, जहां छात्रों द्वारा किसी भी पाठ्यक्रम में अर्जित क्रेडिट का संचयन किया जा सकता है। अर्जित क्रेडिट का उपयोग छात्र आगे की पढ़ाई जारी करने के लिए कर सकते हैं। बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) के प्रावधानों में से एक एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) की शुरूआत है जो स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रमों के छात्रों को बीच में पढ़ाई छोड़ने पर एक निर्धारित समय सीमा के अंदर दोबारा उसी जगह से पढ़ाई शुरू करने की अनुमति देता है।

विजिलेंस मॉनिटरिंग कमेटी के चेयरमैन होंगे एडीसी

फरीदाबाद। उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने कहा कि जिला स्तरीय अधिकारी विजिलेंस मॉनिटरिंग कमेटी के चेयरमैन अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर मान होंगे। पुलिस विभाग के डीसीपी रैंक के अधिकारी और सभी विभागों के जिला एचओडी कमेटी के सदस्य होंगे। डीसी जितेंद्र यादव ने कहा कि सभी विभागों के अधिकारी समय पर कार्यालय में आएं और अपने कार्यो का समय पर निपटान करना सुनिश्चित करें। सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार समय पर कार्यालय आए और समय पर ही वापस जाएं। यह दिशा-निर्देश उपायुक्त जितेंद्र यादव ने मंगलवार को दोपहर बाद जिला विजिलेंस मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक में अधिकारियों को दे रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय विजिलेंस मॉनिटरिंग कमेटी का गठन कर दिया है। भविष्य में नियमित बैठकें होगी और सरकार का मुख्य ध्येय है कि जिला की तरह और उपमंडल स्तर पर भी सारे विभाग इसी क्रम में सदस्य के तौर पर कार्य करेंगे। जिला स्तर पर आई शिकायतों का निवारण जिला स्तरीय विजिलैंस मोनिटरिंग करेगी कमेटी करेगी और मंडल स्तर पर आई शिकायतों का निवारण उपमंडल स्तरीय विजिलेंस कमेटी करेंगी।

लिव इन संबंध
कानून की जरूरत

समय आ गया है कि सरकार लिव-इन युगलों की सहायता के लिए कानून बनाए। भारत में इन दिनों लिव-इन संबंध आम हो गए हैं। लेकिन इन संबंधों को अब भी सामाजिक विसंगतियों तथा विवाह संस्थान से विद्रोह के रूप में देखा जाता है। लेकिन न्यायपालिका इन युगलों का पूर्ण समर्थन करती है और उनको विरोध करने वाले माता-पिता से पूर्ण सुरक्षा और संरक्षण प्रदान करती है। इससे उन नौजवानों व नवयुवतियों की हिम्मत बढ़ती है जो अनौपचारिक संबंधों में एकसाथ रह कर अपने माता-पिता को चुनौती देने की इच्छा रखते हैं। लेकिन अदालत का संरक्षण केवल एक अस्थाई उपाय है। समय आ गया है कि विधि-निर्माता लिव-इन संबंधों पर एक नया कानून बनाएं। कानून की अनुपस्थिति में राज्य विधिक रूप से संबंधों को स्वीकार नहीं करता है और अदालतों के समर्थन के अलावा युगलों को विरासत तथा बच्चों के रखरखाव के संबंध में कोई अन्य विधिक संरक्षण नहीं मिलता है। लिव-इन संबंध पूरी तरह सर्वोच्च न्यायालय के एक आदेश पर निर्भर हैं कि यह संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन के अधिकार के अंतर्गत आते हैं। ऐसे में लिव-इन में रहने वालों को एक विरोधाभास का सामना करना पड़ता है क्योंकि इसे समाज अनैतिक मानता है, जबकि यह कानून की नजर में अपराध नहीं है। हालिया महीनों में देश भर में ज्यादा से ज्यादा युगल अदालतों का दरवाजा खटखटा कर माता-पिता और रिश्तेदारों से अपने जीवन की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। ऐसे युगलों के लिए इज्जत के नाम पर हत्या का खतरा मंडराता रहता है। इसके साथ ही पुरुष व महिला के अलग-अलग धर्म के होने की स्थिति में स्वघोषित राजनीतिक चौकीदार गिरोह उन पर निशाना लगाते हैं। इससे समस्या और गंभीर हो गई है। खासकर छोटे शहरों व कस्बों

में लिव-इन में रहने वाले युवा युगलों के लिए स्थिति खतरनाक है।

अपने घरों से भाग कर लिव-इन में रहने वाले इन युगलों के लिए अदालतों का संरक्षण प्राप्त करना एकमात्र उपलब्ध विकल्प है जिससे वे परिवार द्वारा बदला लेने से बच कर जीवित रह सकते हैं। ऐसे मामलों में बढ़ोत्तरी को देखते हुए अदालतों ने इस मुद्दे पर केन्द्र का ध्यान आकर्षित किया है। इस महीने पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय ने केन्द्र से कहा है कि लिव-इन संबंधों पर कोई अलग कानून नहीं है, लेकिन यदि सुरक्षा की मांग करने वाला कोई व्यक्ति विधिक रूप से वयस्क है तो अदालतों के लिए ऐसे संरक्षण से इनकार करना कठिन है। इस प्रकार मूलत: अदालत ने लिव-इन के लिए अलग विधायन की अनुपस्थिति की ओर संकेत किया है। अब तक लिव-इन संबंध केवल न्यायिक हस्तक्षेप के कारण ही जीवित है। 2013 में सर्वोच्च न्यायालय ने यह कहते हुए अलग कानून की आवश्यकता जताई थी कि लिव-इन में रहने वालों, खासकर महिलाओं तथा ऐसे संबंधों से पैदा बच्चों को प्रभावी व उपयुक्त सुरक्षा मिलनी चाहिए। संभवत: कानून बनाने के मामले में विधि-निर्माताओं के समक्ष केवल एक समस्या है। उनको इस अतार्किक विश्वास के कारण समाज से नैतिक दबाव का डर है कि लिव-इन संबंधों को बढ़ावा देने का अर्थ विवाह-पूर्व यौन संबंधों को बढ़ावा देना होगा। यह उस हिचक से कुछ अलग नहीं है जिसके चलते सामाजिक दबाव के कारण विवाह में बलात्कार को अपराध नहीं कहा जा रहा है क्योंकि इससे विवाह संस्था पर विपरीत प्रभाव की आशंका है। ये दोनों पूर्णत: गलत अनुमान हैं जो कानून की भावना तथा पसंद व संतोष के अधिकार के खिलाफ हैं। हमें परिपक्व होने की जरूरत है। लिव-इन में रहने वाले नौजवान अपनी किस्मत अपने हाथों में लेकर रास्ता दिखा रहे हैं।

एलपीजी सब्सिडी पर गंभीर विमर्श जरूरी

सरकार को एलपीजी आयात पर निर्भरता घटा कर दाम घटाने का प्रयास करना चाहिए। निजी उद्यमियों में प्रतियोगिता के साथ इसे जीएसटी में लाना चाहिए।

उत्तम गुप्ता
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

यूक्रेन संकट के कारण एलपीजी की कीमतों में हालिया वृद्धि के कारण इस पर सब्सिडी बहाल करने की मांग उठ रही है। नरेन्द्र मोदी सरकार ने इसे समाप्त कर जून, 2020 से लाभार्थियों के खाते में जमा करना बंद कर दिया था। क्या यह मांग उचित है? परिभाषा के अनुसार किसी उत्पाद की खरीद पर सब्सिडी का अर्थ राज्य द्वारा कुछ वर्ग के लोगों को वित्तीय सहायता देना है जो अपनी सीमित आमदनी के कारण वस्तु का बाजार-आधारित या लागत-प्लस मूल्य अदा करने की स्थिति में नहीं होते हैं। एलपीजी के मामले में 14.2 किलो के वर्तमान सिलिंडर की कीमत दिल्ली में लगभग 2,000 रुपये है। यदि यह मान लिया जाए कि कोई व्यक्ति इसके लिए 600 रुपये से अधिक नहीं दे सकता है तो सरकार को उसे सिलिंडर खरीदने में सक्षम बनाने के लिए 1,400 रुपये सब्सिडी देनी होगी। सवाल है कि कोई व्यक्ति कितना भुगतान कर सकता है? सब्सिडी का स्तर क्या होना चाहिए? लाभार्थियों की सूची में कौन लोग शामिल होने चाहिए? सरकार को इन सवालों पर सावधानी पूर्वक व समग्रता से विचार करना चाहिए क्योंकि वह करदाताओं का पैसा सब्सिडी पर खर्च करने का निर्णय लेती है। उसे यह निर्णय करने में इस व्यापक सिद्धान्त पर ध्यान देना चाहिए कि 'लाभार्थी गरीब हैं।' उसे यह विचार भी करना चाहिए कि सब्सिडी अनन्त काल तक नहीं दी जा सकती है तथा वित्तीय स्थिति सुधरने पर इसे वापस लिया जाना चाहिए।

लेकिन अनेक पूर्व सरकारों ने एलपीजी सब्सिडी पर निर्णय के मामले में इन मूल सिद्धान्तों को हवा में उड़ा दिया। अतीत में एलपीजी सिलिंडर प्राप्त करने में सक्षम कोई भी व्यक्ति स्वत: ही सब्सिडी के योग्य हो जाता था, भले ही उसकी आमदनी चाहे जितनी हो। इसलिए प्राकृतिक रूप से अमीरों समेत सभी लोग सब्सिडी पाने लगते थे। यह बात आमतौर से सही पाई गई। आर्थिक सर्वेक्षण 2015-16 के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में एलपीजी सब्सिडी का केवल 0.07 प्रतिशत गरीब परिवारों के पांचवे हिस्से तक पहुंचता था। शहरी क्षेत्रों में सबसे गरीब लोगों के पांचवें हिस्से को केवल 8.2 प्रतिशत सब्सिडी मिलती थी। इस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे गरीब परिवारों को कोई सब्सिडी नहीं मिलती थी, जबकि शहरी क्षेत्रों में उन्हें इसका नगण्य हिस्सा मिलता था। इसके साथ ही अनेक अन्य गड़बड़ियां भी थीं। 1 जनवरी, 2015 के पहले सब्सिडी बिक्री मूल्य में समाहित थी। केन्द्र सरकार ने तीन बड़ी तेल मार्केटिंग सार्वजनिक क्षेत्र कंपनियों-पीएसयू-इंडियन आयल, भारत पेट्रोलियम व हिंदुस्तान पेट्रोलियम को एलपीजी कम कीमत पर केवल योग्य लाभार्थियों को सप्लाई करने का निर्देश दिया। इसका खुदरा बिक्री स्थान तक सप्लाई में आने वाले खर्च से कोई संबंध नहीं था जो अधिक था। इसके बाद पीएसयू को कीमत से अधिक अतिरिक्त लागत की भरपाई भारत सरकार द्वारा सब्सिडी से होती थी। इस व्यवस्था में दुरुपयोग की संभावनायें थीं क्योंकि वितरक अधिक लाभ के कारण सब्सिडी वाले सिलिंडर होटलों व रेस्टोरेंट जैसे वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को कर देते थे। इसके लिए फर्जी या अस्तित्वहीन लाभार्थियों का प्रयोग होता था अथवा गोदाम से सीधे स्टाक दूसरी जगहों पर भेज दिया जाता था। इसके साथ ही पीएसयू को धन की प्रतिपूर्ति के लिए 'वास्तविक' के बजाय एक 'फार्मूले' का प्रयोग होता था। इसमें फैक्ट्री गेट प्राइस-आरजीपी में माल भाड़ा, मार्केटिंग खर्च, मार्केटिंग मुनाफे, डीलरों के कमीशन व टैक्सों तथा उपकरों को जोड़ा जाता था। इसके परिणामस्वरूप भुगतान काफी बढ़ जाता था तथा सब्सिडी में वृद्धि होती थी, जबकि इससे बचा जा सकता था।

1 जनवरी, 2015 से मोदी सरकार ने एलपीजी पर प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण-डीबीटी एक योजना के अंतर्गत लागू किया जिसे प्रत्यक्ष हस्तांतरण लाभ-पहल का नाम दिया गया। इसके अंतर्गत सब्सिडी को कीमत में नहीं शामिल किया गया। मार्केटिंग पीएसयू लाभार्थियों को लागत मूल्य के आधार पर सिलिंडर देते थे जो उपरोक्त उदाहरण में 2,000 रुपये है। इसके बाद वे सब्सिडी, उदाहरणार्थ 1,400 रुपये लाभार्थी के खाते में जमा करते थे और भारत सरकार से इसकी प्रतिपूर्ति की मांग करते थे। इस व्यवस्था से फर्जी लाभार्थियों तथा स्टाक अन्य स्थानों पर भेजने की समस्या दूर हुई। वर्ष 2020 तक लगभग 45 मिलियन फर्जी लाभार्थियों को हटाया गया। लेकिन इससे गरीब लाभार्थियों तक सेवा न पहुंचने तथा पीएसयू को अधिक भुगतान की समस्या दूर नहीं हुई। हालांकि, सरकार ने पांच साल के समय में लगभग 80 मिलियन गरीब परिवारों को योजना में शामिल किया, पर तुलनात्मक रूप से अमीरों को बाहर निकालने का कोई गंभीर प्रयास नहीं हुआ। अब तक सरकार द्वारा उठाए कदमों का कोई खास लाभ नहीं मिला है। प्रधानमंत्री ने सक्षम लोगों से सब्सिडी छोड़ने का आह्वान किया था, लेकिन इसका ज्यादा लाभ नहीं मिला। इस आह्वान के परिणामस्वरूप केवल 25 मिलियन ने सब्सिडी छोड़ी। जब सरकार ने जून, 2020 में सब्सिडी देनी बंद की, उस समय कुल 200 मिलियन लाभार्थियों में अवांछित परिवारों की संख्या लगभग 60 प्रतिशत थी। क्या इसे जानबूझ कर बंद किया गया? जिस प्रकार चीजें सामने आईं, उनसे लगा कि ऐसा नहीं था। 2010-21 के बजट में सरकार ने एलपीजी सब्सिडी के लिए 36,000 करोड़ रुपये आबंटित किए थे। यह आबंटन पूरे साल के लिए था। यदि इरादा जून 2020 में, यानी वर्ष प्रारम्भ होने के तीन महीने बाद सब्सिडी बंद करने का होता तो ऐसा न किया जाता। 2021-22 में भी सब्सिडी बंद करने का सरकार का कोई इरादा नहीं था क्योंकि उसने इस उद्देश्य से 14,000 करोड़ रुपये आबंटित किए थे। इसके बावजूद यदि सरकार ने लगभग 21 महीने से सब्सिडी नहीं दी है तो इसके अन्य कारण हैं।

सरकार ने यह काम कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण विश्वव्यापी लाकडाउन तथा उससे मांग समाप्त होने की परिस्थितियों में किया। इससे कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में भारी गिरावट आई जो अप्रैल, 2020 में गिर कर 20 डालर प्रति बैरल के नीचे पहुंच गई। इसके साथ ही एलपीजी समेत सभी पेट्रोलियम उत्पादों के दाम कम हो गए। जून, 2020 में खुदरा स्तर पर 600 रुपये प्रति सिलिंडर आ रही थी। वास्तव में यह पहले के समय में लक्षित उद्देश्य था, लेकिन इसके लिए सब्सिडी सहायता की जरूरत थी।

इस परिदृश्य में उपभोक्ताओं को लागत-प्लस आधार पर भी 600 रुपये की कम कीमत में सिलिंडर मिल रहा था। ऐसे में स्वाभाविक था कि सरकार ने सब्सिडी के लिए कोई भी धनराशि जमा करनी बंद कर दी। लेकिन इसके बाद कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने लगीं और ये मई, 2020 में 22 डालर प्रति बैरल से बढ़ कर अगस्त, 2021 में 72 डालर प्रति बैरल पहुंच गईं। इसी प्रकार एलपीजी की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भी वृद्धि हुई जिसके कारण अब खुदरा स्तर पर सिलिंडर की कीमत 900 रुपये पहुंच गई है। इसके परिणामस्वरूप सब्सिडी न मिलने पर ग्राहकों को 900 रुपये प्रति सिलिंडर कीमत अदा करनी पड़ती है।

अब यूक्रेन संकट के कारण कच्चे तेल के दाम आसमान छू रहे हैं और ये 130 डालर प्रति बैरल पहुंच गए हैं। इसी तरह एलपीजी की कीमतें भी आसमान छूते हुए 2,000 रुपये से अधिक हो गई हैं। ऐसे में यह सवाल टीम मोदी को परेशान कर रहा है कि सब्सिडी बहाल की जाए या नहीं? पहले ही दिन से एलपीजी सब्सिडी का विचार गलत था। इसका उद्देश्य न गरीबों की सहायता करना था और न इसे समाप्त करने की कोई तिथि निश्चित की गई थी। 2002-03 में वाजपेयी सरकार ने इसे पारदर्शी बनाने का निर्णय किया था। इसके लिए बजट से सब्सिडी दी गई, पर बाद में उसे बंद कर दिया गया। लेकिन कोई अंतिम समय सीमा नहीं तय की गई। 2012-13 में केलकर कमेटी ने 25 प्रतिशत सब्सिडी समाप्त करने तथा बाकी 75 प्रतिशत दो साल में समाप्त करने की संस्तुति की थी।

लेकिन इस संस्तुति पर अमल नहीं किया गया। हालांकि, देर से ही सही अब सब्सिडी समाप्त की गई है और इसे पुनर्जीवित करने का कोई औचित्य नहीं है। 2020 तक 60 प्रतिशत से अधिक लाभार्थियों को अनुचित रूप से सब्सिडी मिल रही थी और अब इसे उनको बहाल करने का कोई औचित्य नहीं है। जहां तक 80 मिलियन गरीब लोगों का सवाल है जो मूल्यवृद्धि का खामियाजा भुगतते हैं, उनको मोदी को तब तक 'सीधे' सहायता देने का फैसला करना चाहिए, जब तक अंतरराष्ट्रीय कीमतें बढ़े स्तर पर बनी रहती हैं। इस बीच सरकार को एलपीजी आयात पर निर्भरता घटा कर बिना सब्सिडी इसके दाम घटाने का प्रयास करना चाहिए। निजी उद्यमियों में प्रतियोगिता बढ़ाने के साथ इसे जीएसटी में लाना चाहिए।

चिंता का विषय है बढ़ती बेरोजगारी

"सरकार को देश में अधिक संख्या में रोजगार सृजित करने के लिए साहसिक कदम उठाने की जरूरत है।"

बृजेंद्र सिंह पंवार
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

भारत में बढ़ती बेरोजगारी चिंता का विषय है। हिमाचल प्रदेश में 8,82,269 युवाओं ने खुद को बेरोजगार के रूप में पंजीकृत कराया है। वास्तविक आंकड़ा और भी हो सकता है क्योंकि नौकरी गंवाने वालों में से बहुत से लोग खुद को पंजीकृत किए बिना घर वापस चले गए होंगे। पड़ोसी राज्यों जैसे जम्मू और कश्मीर (13.2 प्रतिशत), पंजाब (9 प्रतिशत) में स्थिति बेहतर नहीं है और यह हरियाणा (31 प्रतिशत) में खतरनाक रूप से उच्च है।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) ने जहां देश में बेरोजगारी दर 11.7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है, वहीं इन राज्यों में यह दर राष्ट्रीय औसत 8.1 फीसदी से कहीं ज्यादा है। हरियाणा में जमीनी हकीकत बताती है कि बीटेक और एमटेक डिग्री वाले हजारों बेरोजगार युवाओं ने जींद की जिला अदालत में चपरासी के सिर्फ तीन पदों के लिए आवेदन किया था। निस्संदेह, कोविड -19 महामारी ने व्यवसायों को पंगु बना दिया और छंटनी का कारण बना, जिससे बेरोजगारों की संख्या बढ़ गई। राज्यों में, संख्याओं की स्पष्ट भिन्नताएं हैं। सीएमआईई के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2021 में बेरोजगारी दर हरियाणा (34.1 प्रतिशत) में सबसे अधिक थी, इसके बाद राजस्थान (27.1 प्रतिशत), झारखंड (17.3 प्रतिशत) और बिहार (16 प्रतिशत) का स्थान है। आयु-वार भिन्नताएं भी हैं।

सीईडीए-सीएमआईई (जनवरी, 2019 और जुलाई 2021 के बीच) के आंकड़ों के आधार पर, 2020-21 में 2019-20 की तुलना में 42.4 प्रतिशत कम 15-19 वर्ष की आयु में कार्यरत देखा गया। 20-29 आयु वर्ग में औसत मासिक रोजगार संख्या में 15.6 प्रतिशत

की गिरावट देखी गई। विविधताओं की दृष्टि से एक अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र लिंग है। हालांकि स्कूलों और कॉलेजों में महिलाओं के नामांकन में सुधार हो रहा है, लेकिन नौकरी पाने वाली और वेतन पाने वाली महिलाओं का अनुपात कम है और वर्षों से इसमें गिरावट जारी है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं में बेरोजगारी अधिक है। महिलाओं के लिए, औसत बेरोजगारी दर पुरुषों की तुलना में सिर्फ दोगुनी थी- पुरुषों के लिए 7.88 प्रतिशत की तुलना में महिलाओं के लिए 14.28 प्रतिशत। इसके शीर्ष पर, शहरी क्षेत्रों में काम करने की इच्छुक महिलाओं में से 92.1 प्रतिशत को कोई काम नहीं मिलता है और ग्रामीण क्षेत्रों में 54.8 प्रतिशत महिलाओं के लिए भी यही सच है।

मुख्य कारण यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश महिलाएं कृषि कार्यों में संलग्न हैं। कृषि के मशीनीकरण के कारण, महिलाओं ने अपना रोजगार बाजार खो दिया और कृषि में महिला श्रम भागीदारी में काफी गिरावट आई। दूसरे, भारत का निर्माण उद्योग श्रम प्रधान नहीं है, जिसने कृषि नौकरियों से विस्थापित होने वाली महिलाओं की भरपाई करना मुश्किल बना दिया है। सभी मोर्चों पर स्थिति गंभीर होती दिख रही है। विनिर्माण, आतिथ्य और मनोरंजन, रियल एस्टेट, पर्यटन और अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्र जो रोजगार पैदा करते हैं, वे कठिन हैं। निवेश दर घट रही है और 2011 में 34.3 प्रतिशत से गिरकर 2020 में 27 प्रतिशत हो गई है। भारतीय बैंक एनपीए से बुरी तरह प्रभावित हैं और मुद्रास्फीति के कारण ब्याज दरों में वृद्धि की उम्मीद है। अनिश्चित स्थिति के कारण कंपनियां निवेश नहीं कर रही हैं, नाजुक मध्यम वर्ग के सिकुड़ने और क्रय शक्ति की कमी के कारण ऋण तक पहुंच और कमजोर मांग। आर्थिक स्थिति में सुधार तभी हो सकता है जब उद्योगों, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों, एमएसएमई और रोजगार पैदा करने वाले अनौपचारिक क्षेत्र को समय पर सहायता प्रदान करके अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए कदम उठाए जाएं।

निजी निवेश को बड़े पैमाने पर उठाने की जरूरत है। यह तभी संभव हो सकता है जब सरकार बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने के लिए कुछ साहसिक कदम उठाए।

आप की बात

आत्मनिर्भरता आवश्यक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों और पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा को लेकर विवाद के मद्देनजर सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया गया। प्रधानमंत्री ने इस बैठक में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के साथ आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया। रूस का हठ है कि यूक्रेन जल्दी से जल्दी झुक जाए और यूक्रेन सहित अन्य देशों की कोशिश है कि रूस तत्काल युद्ध को रोके। चिंता इस खबर से भी बढ़ गई है कि रूस ने चीन से मदद मांगी है। एक युद्धरत देश को पैसे की भी जरूरत होती है और हथियार या तकनीकी मदद की भी। वर्तमान दौर में पूरा विश्व एक दूसरे से गहरे से जुड़ा हुआ है। और कहीं एक हिस्से पर चोट लगती है तो पूरे विश्व को दर्द होना लाजिमी है। ऐसे ही रूस यूक्रेन के युद्ध का त्रास पूरी दुनिया भुगत रही है। इसमें भारत को कुछ अधिक ही खामियाजा उठाना पड़ रहा है। विश्व शक्तियां दो भागों में बंट गई है और भारत किसी भी एक को नहीं चुन सकता। ऐसी ऐसी स्थिति में पूर्णतया आत्मनिर्भरता ही एकमात्र विकल्प है। वैसे भी यूक्रेन मामले में हमने देख लिया है कि किस प्रकार महा शक्तियां ,'चढ़ जा बेटा सूली पर ,हम सब तेरे साथ हैं', कह कर यूक्रेन को बीच मझधार में छोड़ कर पीछे हट गई हैं!

– **सुभाष बुड़ावनवाला,** रतलाम

लचर सीमा प्रबंधन

भारत देश की लचर सीमा प्रबंधन का फायदा उठा कर वर्षो से आतंकी देश मे घुसकर आतंकी गतिविधियों का अंजाम देने में कामयाब हो जाते है। मादक पदार्थो,हथियारों की तस्करी पड़ोसी देशों से पंजाब और कश्मीर में सीमा पार से ड्रोनो द्वारा होती है। इसके अलावा बांग्लादेश सीमा से भी आतंकी हमारे देश मे घुस आते है। हाल ही में भोपाल में ए टी एस द्वारा पकड़े गए आतंकवादी बांग्लादेश के मूल निवासी ,जो बंगाल के रास्ते भारत आये थे। उन्होंने यह बताया कि बांग्लादेश की सीमा पर आतंकी प्रशिक्षण शिविर चल रहे है। आतंकी गतिविधियों के इनपुट मिलने के बाद भी राज्य की जाँच एजेंसी से सहयोग न मिलने के कारण कार्यवाही नही हो पा रही है। भोपाल ग्वालियर ,रायपुर और उप्र के देवबंद से गिरफ्तारियां होने के बाद बंगाल में बांग्लादेश सीमा पर देशविरोधी गतिविधियों के खुलासा होने की संभावना है। गृहमंत्रालय आतंकी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। गृहमंत्री अमित शाह ने आतंकियो को पकड़ने वाली एटीएस टीम को प्रशस्ति पत्र दिया है। सरकार को सीमा प्रबंधन पर रणनीति बनाकर आधुनिक तकनीक का बेहतर उपयोग करके जल थल और वायु सीमा को मजबूत करने की जरूरत है।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव, उन्नाव

कोरोना की गिरफ्त में चीन

देश दुनिया मे कोरोना परोसने वाला देश चीन फिर कोरोना के चक्रव्यूह में फंस गया है। कोरोना की सुनामी का दौर चीन की चिंता की लकीरें बढ़ाता नजर आ रहा है। एक दिन में 3000 से ज्यादा केस कोरोना के चीन में पिछले कोरोना आँकड़ो के रेकार्ड तोड़ता नजर आ रहा है। चीन के कई प्रान्त कोरोना की लहर में शामिल है। चीन में इस समस्या के समाधान के लिए लॉक डाउन व स्कूल कॉलेज बन्द है। अजीब सी परिस्थिति है कि जो चीन दूसरे देशों के लिए गड्ढे खोदता था अब खुद ही उस गड्ढे में गिर रहा है। चीन में इतना सबकुछ घटित होने के बाद भी चीन अपनी फ़ितरतो का ताना बाना गुना ही करता है । कुछ भी हो चीन में कोरोना कितना घातक सिद्ध होगा यह तो वंहा की परिस्थितियों पर निर्भर होगा। परन्तु पुन: कोरोना की आहट से हमे सतर्कता पूर्वक , सावधानी पूर्वक रहना होगा। हमे पुन: मास्क , दो गज की दूरी , सेनिटाइजर आदि बचाव हेतु उपयोग में लाना होगा। कोरोनावायरस को बिल्कुल भी हल्के में लेना हमारी सबसे बड़ी भूल साबित होगी।

– योगेश जोशी, बड़वाह, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

दोबारा सत्ता में न आने वाले राज्यों में हमारी सरकार को समग्र विकास के कारण सफलता मिली।

– **नरेन्द्र मोदी**
प्रधानमंत्री

उत्तर प्रदेश का फैसला सच्चा जनादेश नहीं है। भाजपा ने चुनाव जीतने के लिए वोट लूट लिए।

– **ममता बनर्जी**
पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी से प्रार्थना है कि वे एमसीडी के चुनाव स्थगित न करें।

– **अरविंद केजरीवाल**
दिल्ली के मुख्यमंत्री

सरकार पूर्वोत्तर को भारत के विकास का इंजन बनाने को प्रयासरत: रेड्डी

भाषा। नई दिल्ली

पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री जी किशन रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि सरकार पूर्वोत्तर क्षेत्र को भारत के विकास का नया इंजन बनाने के लिए काम कर रही है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास हुआ है। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के कामकाज पर कल उच्च सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए रेड्डी ने यह भी कहा कि पिछले आठ वर्षों के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र को मोदी सरकार के ट्रांसफार्मिंग इंडिया दृष्टिकोण के तहत शीर्ष प्राथमिकता दी गई है।

उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति बहाल करने, वहां अवसंरचना के विकास तथा संपर्क को मजबूत करने के लिए बजटीय आवंटन बढ़ाया गया है और पूर्वोत्तर पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा पूर्वोत्तर में दो पहलुओं पर काम किया जा रहा है। वहां की अलग अलग चुनौतियां थीं जिन्हें दूर करने की वर्तमान सरकार ने पूरी कोशिश की है। इसके अलावा वहां विकास के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। यही वजह है कि पर्यटन से लेकर विभिन्न क्षेत्रों में विकास जारी है और इस विकास की पहली शर्त के तौर पर वहां शांतिपूर्ण माहौल बनाया गया है। रेड्डी ने कहा आज पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति और स्थिरता का माहौल है। इसीलिए वहां अवसंरचना विकास हो पाया और निवेश भी हुआ है। उन्होंने कहा कि 2014-15 के बाद से विभिन्न मंत्रालयों और विभागों ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास पर तीन लाख करोड़ रुपए से अधिक राशि खर्च की

है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों का भारत की आबादी में हिस्सा 3.78 फीसदी हैऔर उनके लिए कुल राष्ट्रीय आवंटन का दस फीसदी हिस्सा अलग रखा गया है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 2014 के बाद से पूर्वोत्तर क्षेत्र में उग्रवाद के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने कहा उग्रवाद के मामले 2014 में 824 थे जो 2020 में घट कर 163 रह गए। चरमपंथी गतिविधियां भी घटी हैं। कुल 212 नागरिक उग्रवादी हिंसा में 2014 में मारे गए थे जबकि अब यह संख्या इकाई में आ गई है। बड़ी संख्या में चरमपंथियों ने आत्मसमर्पण किया है। 2014 में 291 चरमपंथियों ने जबकि 2020 में 2696 चरमपंथियों ने समर्पण किया। 2014 में अपहरण के मामले 269 थे जो 2020 में 69 रह गए। रेड्डी ने कहा शांति तथा समृद्धि विकास के लिए पहली शर्त होती है। इसे केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने प्राथमिकता दी। इसके तहत विभिन्न विद्रोही समूहों के साथ बातचीत की गई और समझौते भी किए गए। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त 2019 को भारत सरकार और त्रिपुरा नेशनल लिबरेशन फ्रंट के साथ समझौता किया गया। उन्होंने कहा कि 27 जनवरी 2022 में बोडो समूह के साथ भी समझौता किया गया और 1615 कैडरों ने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने कहा कि ब्रू परिवारों को भी मुख्यधारा में लाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि आज पूर्वोत्तर क्षेत्र में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है जिससे वहां सामान्य कामकाज होता है और बंद, नाकेबंदी, कर्फ्यू तथा हड़ताल शब्द वहां के लिए बेमानी हो गए हैं। आज वहां के स्कूलों और कार्यालयों में सामान्य तरीके से कामकाज हो रहा है। रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर को विशेष पैकेज दिए और अन्य सुविधाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि 2014 की तुलना में हर केंद्रीय मंत्रालय की ओर से दिए जाने वाले दस फीसदी के जीबीएस (सकल बजटीय सहयोग) में आज 110 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में विकास के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कई कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर को इस साल के बजट में 4,300 करोड़ रुपए दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस साल पहली बार 15,000 करोड़ रुपए की लागत वाली एक नई योजना शुरू की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि 2014 के बाद से पूर्वोत्तर के विकास के लिए तीन लाख करोड़ रुपए से अधिक राशि खर्च की जा चुकी है। रेड्डी ने कहा कि जल मार्ग संपर्क, रेल संपर्क, हवाई संपर्क, टेलीफोन संपर्क, राजनीतिक संपर्क, ब्रॉडबैंड संपर्क से लेकर इंटरनेट संपर्क तक मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के लिए संपर्क पहले बड़ी समस्या था जो अब बहुत पीछे छूट गया है। उन्होंने कहा कि पहले 2014 से लेकर 2021 तक रेलवे संपर्क और संबंधित अवसंरचना के विकास पर 39,000 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भूभागीय स्थिति को देखते हुए रेलवे के लिए 121 टनल 146 किलोमीटर की दूरी के लिए बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा यह विश्व रिकॉर्ड है और 19 किमी की 21 टनल काम करने लगी हैं। रेड्डी ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र की विषम भूभागीय स्थिति के मद्देनजर सुरक्षित संपर्क प्रदान करने के लिए वैज्ञानिक और इंजीनियर समुदाय की मदद ली जा रही है। इसका उदाहरण मणिपुर की जिरिबम इम्फाल रेल लाइन है जिसमें 141 मीटर की उंचाई पर ट्रेन चलाने के लिए निर्माण जारी है। उन्होंने बताया कि जन शताब्दी एक्सप्रेस, रेलवे पार्सल सेवा और माल गाड़ी सेवाएं भी उल्लेखनीय हैं जिनके कारण पूर्वोत्तर में विकास के नए आयाम रचे जा रहे हैं। रेड्डी ने कहा कि न्यू इंडिया की तरह ही केंद्र का पूर्वोत्तर के लिए नया दृष्टिकोण भी है। उन्होंने कहा पूर्वोत्तर क्षेत्र को भारत के विकास का इंजन बनाने के लिए बहुत तेजी से काम किया जा रहा है। जब तक पूर्वोत्तर का विकास नहीं होगा, तब तक भारत का विकास नहीं हो सकता। पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास हमारा उद्देश्य ओर हमारी प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि सरकार पूर्वोत्तर की ओर निवेशकों को आकर्षित करने और रोजगार सृजन के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। वहां बिजली आपूर्ति में सुधार , औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के साथ साथ पूर्वोत्तर के विशाल हाइड्रोकार्बन संसाधनों का पूरा उपयोग करने के लिए भी कोशिश की जा रही है।

मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि परिसर में लठमार होली में भाग लेते होरियार

पिछले दो वर्ष में जम्मू कश्मीर में घुसपैठ के 176 प्रयास हुए, 31 आतंकवादी मारे गए

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को बताया कि पिछले दो वर्षों में जम्मू कश्मीर में सीमापार से घुसपैठ के 176 प्रयास हुए जिनमें 31 आतंकवादी मारे गए। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि वर्ष 2020 में जम्मू कश्मीर में आतंकवादी हिंसा में 62 सुरक्षा कर्मियों को जान गंवानी पड़ी और 106 जवान घायल हो गए। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही जम्मू कश्मीर में वर्ष 2021 में आतंकी हिंसा में 42 सुरक्षा कर्मियों की जान गई और 117 अन्य घायल हो गए। राय ने कहा कि सीमापार से आतंकवादियों के घुसपैठ के प्रयास के मामले मुख्य रूप से जम्मू कश्मीर में सामने आए हैं।

बेटे ने मुस्लिम महिला से शादी की तो केरल में अनुष्ठान कलाकार पर लगा प्रतिबंध

भाषा। कन्नूर (केरल)

केरल के एक कलाकार को यहां के स्थानीय मंदिर उत्सवों में परंपरागत कला के प्रदर्शन के लिए प्रतिबंध का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उसके बेटे ने उत्तरी केरल के इस जिले के करीवेलूर में एक मुस्लिम महिला से शादी की है। विगत 37 वर्षों से प्रसिद्ध पूरक्कली-मराथुकली कला की प्रस्तुति दे रहे कलाकार विनोद पणिकर ने आरोप लगाया कि कुछ स्थानीय मंदिरों के प्रबंधन ने उन्हें सूचित किया कि वह पारंपरिक कला का प्रदर्शन नहीं कर सकते क्योंकि वह उसी घर में रहते हैं जहां उनकी गैर-हिंदू बहू रहती है जो रीति-रिवाजों और परंपराओं के खिलाफ है। यहां के थिया समुदाय के एक मंदिर की प्रबंधन समिति ने उन्हें यहां तक कह दिया कि यदि वह अपने घर, जहां गैर-हिंदू महिला रहती है, वहां से किसी अन्य स्थान पर चले जाते हैं तो उन्हें अनुष्ठान करने की अनुमति दी जाएगी कलाकार ने कहा कि उन्होंने उनकी मांग को खारिज कर दिया। इसके बाद मंदिर प्रशासन ने हाल ही में एक अन्य कलाकार के साथ अनुष्ठान किया।

पणिकर ने कहा, मैंने उन्हें स्पष्ट रूप से कहा है कि मैं अपने बेटे और बहू को छोड़ना या किसी अन्य घर में स्थानांतरित नहीं करना चाहता हूं। मैं लगभग चार दशकों से अनुष्ठान कला का प्रदर्शन कर रहा हूं और इस अपमान को सहना पीड़ादायक है। मंदिर समिति ने हालांकि यह कहते हुए कार्रवाई को उचित ठहराया कि अनुष्ठान एक कलाकार को उस घर से प्रदर्शन के लिए आमंत्रित करने की अनुमति नहीं देता जहां एक गैर-हिंदू व्यक्ति रहता है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने (मंदिर समिति ने) कोई प्रतिबंध नहीं लगाया, लेकिन केवल पणिकर को सूचित किया कि अनुष्ठानों का उल्लंघन नहीं किया जा सकता है। पुरक्कली एक पारंपरिक नृत्य अनुष्ठान है जो पुरुषों द्वारा नौ दिवसीय पूरम उत्सव के दौरान भगवती मंदिरों और मालाबार (उत्तरी केरल) के पवित्र उपवनों में किया जाता है।

इंटरनेशनल एयरस्पेस सेफ्टी कांफ्रेंस का उद्घाटन करते एयर चीफ मार्शल वी अर चौधरी व अन्य

भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव किसी उपाधि के मोहताज नहीं हैं: सरकार ने लोस में कहा

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू जैसे स्वतंत्रता सेनानियों का बलिदान वास्तविकता है, यह किसी आधिकारिक रिकार्ड के होने या नहीं होने पर निर्भर नहीं करता है और उनका कद किसी सम्मान या उपाधि से कहीं ऊपर है। निचले सदन में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने कहा कि स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान बलिदान देने वाले शहीद हो गए ताकि भारत को स्वतंत्रता मिल सके।

मिश्रा ने कहा कि भारत की आजादी के संघर्ष में इन स्वतंत्रता सेनानियों की शहादत का अमूल्य योगदान है। उन्होंने कहा, स्वतंत्रता के सर्वोच्च राष्ट्रीय कारण के लिए उनकी शहादत एक तथ्य है और यह किसी आधिकारिक रिकार्ड के होने या नहीं होने पर निर्भर नहीं करता है। भाजपा सांसद ज्योतिर्मय महतो ने पूछा था कि क्या सरकार भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव जैसे सेनानियों को शहीद का दर्जा देगी जिन्होंने स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान बलिदान दिया। इस पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्र हमेशा भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव जैसे सेनानियों का आभारी रहेगा जिन्होंने भारत के बेहतर भविष्य के लिए बलिदान दिया और उनका नाम हमेशा स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा।

वामपंथी उग्रवाद प्रभावित इलाकों में और हेलीपैड बनाने पर विचार कर रहा है सीआरपीएफ

भाषा। नई दिल्ली

वामपंथी उग्रवाद प्रभावित सुदूरवर्ती क्षेत्रों से अपने घायल सैनिकों की हवाई रास्ते से निकासी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के लिए अब भी चुनौती बना हुआ है ऐसे में बल रात में लैंडिंग की सुविधा वाले और अधिक हेलीपैड बनाने पर विचार कर रहा है।

अर्धसैनिक बल ने विभिन्न राज्यों में नक्सल विरोधी अभियानों के लिए अपनी कुल ताकत (लगभग 1.20 लाख कर्मियों) का लगभग 40 प्रतिशत तैनात किया है। बल ने अपने जवानों और विशेष जंगल युद्ध इकाइयों जैसे कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन (कोबरा) को एक निर्णायक लड़ाई के लिए छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के कुछ सबसे अधिक हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया है। वरिष्ठ अधिकारियों और पीटीआई-भाषा के पास उपलब्ध दस्तावेजों के मुताबिक बल छत्तीसगढ़ (दक्षिण बस्तर) के घने जंगलों में कम से कम 30 नए अग्रिम संचालन अड्डे (एफओबी) स्थापित कर रहा है, जबकि झारखंड और बिहार में ऐसे आधा दर्जन स्थानों की तलाश माओवादियों के गढ़ में गहरी पैठ बनाने और उन्हें कड़ी टक्कर देने की रणनीति के तहत की जा रही है। सरकार ने कहा है कि पिछले कुछ वर्षों में देश में वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) जिलों की संख्या 126 से घटकर 70 हो गई है और वह इस संख्या को और कम करने के लिए काम कर रही है।

एलडब्ल्यूई अभियान ग्रिड में तैनात एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, सरकार की इलाके में गहरी पैठ बनाने की रणनीति को लागू करते समय किसी भी आकस्मिक चुनौती को पूरा करने के लिए हेलीपैड एक पूर्व-आवश्यकता है। इन दूर-दराज के इलाकों में एक मुठभेड़ या आईईडी विस्फोट के दौरान, घायल सैनिकों की हवाई निकासी सबसे महत्वपूर्ण कारक है ताकि उन्हें त्वरित चिकित्सा देखभाल मिल सके और उनकी जान बचाई जा सके। उन्होंने कहा, अब, यहां एक समस्या है।उन्होंने कहा, ऐसे कई उदाहरण हैं जब एक अभियान में शामिल सैनिकों ने अपने पास एक लैंडिंग स्थल को सुरक्षित कर लिया, लेकिन हेलीकॉप्टरों के आने में देरी हुई या कई तकनीकी कारणों से पायलटों ने उड़ान भरने से इनकार कर दिया तो उस हालात में स्वर्णिम समय (गोल्डन पीरियड) गंवाना पड़ता है। छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ की विशेष जंगल युद्ध इकाई कोबरा के साथ काम करने वाली एक बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर ने कहा, नक्सल विरोधी अभियानों के लिए हेलीकॉप्टर संचालन मानक संचालन प्रक्रियाओं द्वारा नियंत्रित होता है और एक बार जब पायलट कहते हैं कि हवाई निकासी संभव नहीं है आपके पास घायल सैनिकों को निकालने के लिए अन्य साधन तलाशने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता।

उन्होंने कहा कि मौसम की स्थिति और प्राकृतिक प्रकाश की उपलब्धता दो सबसे महत्वपूर्ण कारक हैं, जिसके कारण हेलीकॉप्टरों के पहुंचने में या तो देरी हो रही है या उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, जिससे जमीन पर काम कर रहे सैनिकों में भारी आक्रोश है। अधिकारी ने कहा कि इस तरह के मुद्दों का अक्सर इस हालात में काम करने वाले सभी सुरक्षा बलों द्वारा सामना किया जाता है और इसलिए प्रमुख लड़ाकू शाखा के रूप में सीआरपीएफ अधिक हेलीपैड बनाने, उन्हें सुरक्षित करने और रोशन करने के तरीकों पर विचार कर रहा है जिससे इन राज्यों के अंदरुनी क्षेत्रों में हेलीकॉप्टरों के उतरने की दर बढ़ सके। उन्होंने कहा कि तीन राज्यों में सीआरपीएफ के सेक्टर कार्यालयों को यह काम सौंपा गया है।

एबीजी मामले की सीबीआई जांच में महाराष्ट्र सहित कुछ राज्यों के कारण देर हुई: सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एबीजी शिपयार्ड कंपनी से जुड़े बैंकिंग धोखाधड़ी मामले की जांच में देरी किए जाने के विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए मंगलवार को संसद में कहा कि पड़ताल में विलंब के कारणों में कुछ राज्यों से सहमति मिलने में देरी भी था। वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों का जवाब देते हुए कहा कि महाराष्ट्र सहित कई राज्यों ने या तो मंजूरी देने में देरी की थी या दी गई सहमति वापस ले ली थी। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि यह घोटाला मुख्य रूप से पूर्ववर्ती संप्रग सरकार के कार्यकाल में हुआ।

सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह सही उत्तर देने के बदले कांग्रेस पर दोषारोपण कर रही है ताकि मीडिया में सुर्खियां बन सके। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी सदन में इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है और इसके लिए वह नोटिस भी देगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि अर्न्स्ट एंड यंग लिमटेड की फोरेंसिक रिपोर्ट के बाद भारतीय स्टेट बैंक द्वारा धोखाधड़ी की पहचान के उपरांत केंद्र ने कार्वाई करने में कोई देरी नहीं की। उन्होंने पिछली संप्रग सरकार पर भी कटाक्ष किया और कहा कि एबीजी शिपयार्ड को आठ गुना पैसा दिया गया जबकि कंपनी पुनर्गठन के दौर से गुजर रही थी। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद ऋण में कोई वृद्धि नहीं हुई और यहॅ सबसे बड़ी धोखाधड़ी है। कराड ने कहा कि 24 बैंकों ने एबीजी शिपयार्ड को कुल 14,350 करोड़ रुपए का ऋण दिया था जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र के 10 और निजी क्षेत्र के पांच बैंक शामिल थे। इसके अलावा पांच वित्तीय संस्थान भी थे और आईसीआईसीआई बैंक प्रमुख बैंक था। कराड ने कहा कि जांच एजेंसी द्वारा मामले को अपने हाथ में लेने के बाद भी कई प्रक्रियाओं का पालन किया गया जिनके चलते मामले की पड़ताल में विलंब हुआ। उन्होंने कहा कि इसके तहत हर संबंधित राज्य से अनुमति लेनी पड़ी। उन्होंने अब तक हुई कार्वाई का ब्योरा देते हुए कहा कि आठ लोगों के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया गया है। इन लोगों के खिलाफ सीबीआई की कार्वाई चल रही है। उन्होंने कहा कि एबीजी शिपयार्ड लिमिटेड (एबीजीएसएल) को आईसीआईसीआई बैंक के नेतृत्व में सहायता संघ व्यवस्था के तहत ऋण सुविधाएं स्वीकृत की गई थीं। ऋणदाता बैंकों द्वारा 2013 में खाते को अनर्जक आस्ति के रूप में घोषित किया गया था। वर्ष 2014 में कॉर्पोरेट ऋण पुनर्गठन (सीडीआर) तंत्र के तहत ऋण सुविधाओं के पुनर्गठन का अनुमोदन किया गया था।

उत्तराखंड में सरकार गठन को लेकर भाजपा में शीर्ष स्तर पर चर्चा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेताओं ने मंगलवार को उत्तराखंड में सरकार गठन के लिए प्रदेश के नेताओं के साथ मैराथन बैठक की। भाजपा ने उत्तराखंड में विधायक दल के नेता के चयन के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पर्यवेक्षक तथा केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी को सह पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। उत्तराखंड में भाजपा ने सत्ता ने वापसी तो कर ली, लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा मुख्यालय में हुई इस बैठक में भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी एल संतोष, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उत्तराखंड की भाजपा इकाई के अध्यख मदन कौशिक शामिल हुए। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक यह बैठक करीब तीन घंटे तक चली। उत्तराखंड के चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी भी इस बैठक में शामिल हुए। धामी ने बाद में भाजपा सांसद अनिल बलूनी के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की।

सेना ने जनरल रावत की याद में यूएसआई में चेयर ऑफ एक्सेलेंस की घोषणा की

भाषा। नई दिल्ली

सेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे ने मंगलवार को भारत के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत की याद में शीर्ष सैन्य थिंक टैंक यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया (यूएसआई) में चेयर ऑफ एक्सेलेंस स्थापित किए जाने की घोषणा की। जनरल रावत की 65वीं जयंती की पूर्व संध्या पर यह घोषणा की गई। जनरल रावत की गत वर्ष आठ दिसम्बर को तमिलनाडु के कुन्नूर के निकट हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई थी। इस दुर्घटना में जनरल रावत की पत्नी मधुलिका तथा 12 सशस्त्र बलों के कर्मी भी मारे गए थे।

जनरल बिपिन रावत स्मृति चेयर ऑफ एक्सेलेंस सशस्त्र बलों के बीच एकजुटता और अखंडता पर ध्यान केंद्रित करेगा।बयान में कहा गया है, भारत के पहले सीडीएस और 27वें सेनाध्यक्ष जनरल बिपिन रावत असाधारण पेशेवर व्यक्ति थे और भारतीय सेना के सर्वाधिक महत्वपूर्ण बदलावों में से एक के संवाहक थे। सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया है, यूएसआई के निदेशक मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) बी. के. शर्मा को पांच लाख रुपए का चेक सौंपा गया है, इसका भुगतान नामित चेयर ऑफ एक्सेलेंस को मानद राशि के तौर पर किया जाएगा। सेना ने कहा, चेयर ऑफ एक्सेलेंस जनरल रावत के कुशाग्र नेतृत्व और पेशेगत विशेषज्ञता को एक श्रद्धांजलि है। सेना प्रमुख ने अपने सम्बोधन में कहा कि जनरल रावत रणनीतिक मामलों को लेकर बहुत जोशीले थे तथा विभिन्न थिंक टैंक की गतिविधियों में अपना व्यापक समय और ऊर्जा खपाए थे।जनरल नरवणे ने कहा, और, इसलिए उनकी 65वीं जयंती ने उनके बौद्धिक संस्थानों के साथ सेवाओं को फिर से जोड़ने का अवसर प्रदान किया है। सेना प्रमुख चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी (सीओएससी) के पदेन अध्यक्ष के तौर पर अपनी सेवा दे रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि इस वर्ष के शोध का विषय रखा गया है - भारत में जमीनी लड़ाई के संदर्भ में एकजुटता एवं अखंडता। शोध की अवधि एक वर्ष की होगी, जो हर साल एक जुलाई से शुरू होगी।

पांच राज्यों में 45 प्रतिशत विजई उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित: एडीआर

विधानसभा चुनाव

नई दिल्ली। चुनाव अधिकार संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने मंगलवार को कहा कि पांच राज्यों में हाल में हुए विधानसभा चुनाव जीतने वाले लगभग 45 प्रतिशत उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। एडीआर ने गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में सभी 690 जीतने वाले उम्मीदवारों के स्व-सत्यापित हलफनामों का विश्लेषण किया है। उसने कहा है कि 690 उम्मीदवारों में से 219 (32 प्रतिशत) जीतने वाले उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। उसने कहा कि अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित करने वाले 312 विजई उम्मीदवारों में से 134 भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के, समाजवादी पार्टी (सपा) के 71, आम आदमी पार्टी (आप) के 52, कांग्रेस के 24 और रालोद के सात उम्मीदवार हैं। एडीआर ने कहा कि लगभग 87 प्रतिशत या 598 विजई उम्मीदवार करोड़पति हैं और एक विजेता उम्मीदवार की औसत संपत्ति 8.7 करोड़ रुपए है। उसने कहा कि गोवा में विजई उम्मीदवारों में से 40 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए, जबकि 33 प्रतिशत ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए। एडीआर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 51 फीसदी विजई उम्मीदवारों ने आपराधिक मामले घोषित किए, जबकि 39 फीसदी ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए।

जीएसटी परिषद के फैसले का राजनीतिकरण निकाय का अपमान: वित्त मंत्री

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में विपक्षी दलों से कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद को लेकर किसी भी तरह की राजनीति नहीं की जानी चाहिए क्योंकि यह बिना किसी भेदभाव के पूर्व निर्धारित फार्मूले के तहत काम करती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जीएसटी परिषद एक संघीय निकाय है जिसमें हर राज्य के हर वित्त मंत्री शामिल हैं और वे विचार-विमर्श करते है और इसका राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसा करना परिषद का अपमान है।

वित्त मंत्री ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जीएसटी परिषद एक संघीय संस्था है और यह विभिन्न राज्यों के बीच कोई भेदभाव किए बिना एक तय फार्मूले के

तहत जीएसटी में उनके हिस्से का भुगतान करती है। उन्होंने महाराष्ट्र की बकाया जीएसटी राशि से जुड़े राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सदस्य वंदना चव्हाण के एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि जीएसटी परिषद सभी की सहमति से तैयार निर्धारित फार्मूले के आधार पर काम करती है। राकांपा सदस्य ने सवाल किया कि गैर भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों में जीएसटी मुआवजे का बकाया अधिक क्यों है।वित्त मंत्री ने कहा कि यदि महाराष्ट्र की बकाया राशि सबसे अधिक है तो यह भी गौर किया जाना चाहिए कि उसे अब तक अन्य प्रदेशों की तुलना में भुगतान भी अधिक किया गया है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी परिषद जैसे निकाय में हर राज्य के वित्त मंत्री शामिल हैं और वे फैसला करते हैं और जीएसटी परिषद का निर्णय सामूहिक होता है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को फॉर्मूले में बदलाव करने का अधिकार नहीं है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि जीएसटी लागू होने के कारण राजस्व के किसी भी नुकसान के लिए राज्यों को पांच वर्ष के लिए क्षतिपूर्ति के भुगतान के उद्देश्य से, जीएसटी (राज्यों को क्षतिपूर्ति) अधिनियम, 2017 की धारा आठ के तहत चुनिंदा वस्तुओं पर जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर लगाया जाता है। उन्होंने कहा कि केंद्र भी क्षतिपूर्ति कोष में उपलब्ध राशि के आधार पर राज्यों को नियमित जीएसटी क्षतिपूर्ति जारी करता रहा है ताकि जीएसटी राजस्व की कमी की भरपाई की जा सके।

दारेकर के खिलाफ प्राथमिकी को लेकर विस व परिषद में हंगामा

● भाजपा के पार्षद हैं प्रवीण

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता प्रवीण दारेकर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने और राज्य में कुछ किसानों की बिजली आपूर्ति काटे जाने के मुद्दे पर मंगलवार को विधानसभा और परिषद की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। मुंबई पुलिस ने मुंबई बैंक का निदेशक बनने के लिए श्रम संगठन की फर्जी सदस्यता का कथित तौर पर इस्तेमाल करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रवीण दारेकर के खिलाफ सोमवार को प्राथमिकी दर्ज की। आम आदमी पार्टी के एक पदाधिकारी की शिकायत पर यह प्राथमिकी दर्ज की गई है। जैसे ही मंगलवार को विधानसभा की कार्यवाही शुरू हुई तो विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने पूछा कि विधानसभा के कितने सदस्य श्रम संगठनों का नेतृत्व कर रहे हैं। जब फडणवीस ने यह मुद्दा उठाया तो शिवसेना विधायक बालाजी

कल्याणकर ने मांग की कि बकाए का भुगतान न करने के कारण जिन किसानों के बिजली के कनेक्शन काटे गए, उन्हें बहाल किया जाए। विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों के सदस्यों के हंगामा करने के बीच सदन को दो बार स्थगित करना पड़ा। दूसरी बार स्थगन के बाद भाजपा सदस्य महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अध्यक्ष के आसन के समीप आए गए। शिवसेना विधायक महेश शिंदे और बालाजी कल्याणकर ने मांग की कि सरकार किसानों की बिजली आपूर्ति बहाल करें। राज्य के विधाई मामलों के मंत्री अनिल परब ने कहा कि इस मुद्दे पर सदन में बहस की जाएगी। इस पर फडणवीस ने पूछा कि सरकार कैसी बहस कराना चाहती है जब उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बिजली के कनेक्शन काटे न जाने के आश्वासन का पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा, न केवल विपक्ष बल्कि सत्ता पक्ष के लोग भी मांग कर रहे हैं कि किसानों की बिजली नहीं काटी जानी चाहिए। किसान हर दिन आत्महत्या कर रहे हैं। इसके बाद विधानसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। इसके बाद जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो भाजपा सदस्य फिर से सदन में आसन के समीप पहुंच गए और उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। शोरगुल के बीच सदन को चौथी बार फिर दोपहर एक बजे तक स्थगित कर दिया गया। दारेकर के खिलाफ प्राथमिकी का मुद्दा विधान परिषद में भी उठा और भाजपा सदस्यों के एमवीए सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने के कारण उसे मंगलवार को दिनभर के लिए स्थगित करना पड़ा। भाजपा पार्षद भाई गिरकर ने कहा, दारेकर के खिलाफ प्राथमिकी विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश है। एमवीए सरकार ने उनके खिलाफ इसलिए कार्वाई की क्योंकि उसे अपने खुद के गलत कामों और विभिन्न घोटालों को लेकर भाजपा द्वारा घेरा जा रहा है। विधान परिषद में शोरगुल के बीच अध्यक्ष रामराजे नाइक निंबालकर ने सदन की कार्यवाही 25 मिनट के लिए स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही बहाल होने के बाद विपक्ष की नारेबाजी जारी रही, जिसके बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। विधान भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत में भाजपा पार्षद चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि दारेकर के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई।

मुख्यमंत्री के सलाहकार और निर्दलीय विधायक को मार्शल बुलाकर सदन से बहार निकलवाया

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष सी. पी. जोशी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सलाहकार और निर्दलीय विधायक संयम लोढा को मार्शल बुलाकर सदन के बाहर निकलवा दिया। शून्यकाल के दौरान विधानसभा में लोढा ने ध्यानकर्षण प्रस्ताव के जरिए सिरोही के बरलूट में एक निर्दोष व्यक्ति को हत्या के आरोप में जेल में रखने का मामला उठाया था। उन्होंने संसदीय कार्यमंत्री शांतिधारीवाल के जवाब देने के दौरान हस्तक्षेप किया और विधानसभा अध्यक्ष के आदेश को नहीं सुना। लोढा ने अपनी बात जारी रखते हुए निर्दोष व्यक्ति को जेल में रखने के लिए पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। निर्दलीय विधायक संयम लोढा की सदन में जारी नारेबाजी से नाराज विधानसभा अध्यक्ष जोशी ने मार्शल को बुलावाकर उन्हें सदन से बाहर निकलवा दिया। जोशी ने कहा, सदन आपके अनुसार नहीं चल सकता।

चेन्नई के कपालेश्वर मंदिर में वार्षिक पंगुनीश् समारोह के दौरान भगवान शिव के रथ को खींचते श्रद्धालु

मद्रास उच्च न्यायालय की पूर्ण पीठ ने वैवाहिक मुकदमे से उपजे पेचीदा बिंदु को वृहद पीठ को भेजा

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय की तीन सदर्स्यीय पूर्ण पीठ ने एक वैवाहिक मुकदमे से उपजे पेचीदा बिंदु को स्पष्ट फैसले के लिए वृहद पीठ (पांच न्यायाधीशों वाली पीठ) को भेज दिया। इस मुकदमे से उठा बिंदु यह है कि क्या वैवाहिक विवाद के बाद बच्चे को सौंपे जाना और उसका अभिभावक तय करना उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में है या नहीं? बच्चे को सौंपे जाने संबंधी मामले में कुटुम्ब अदालत अधिनियम,1984 से जुड़े प्रावधानों को लेकर असंमजस की स्थिति बनी। मामले के मुताबिक, मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति वी प्रतिभन ने 28 अक्टूबर,2021 को पारित आदेश में वर्ष 1984 में पारिवार अदालत अधिनियम के प्रभावी होने के कारण बच्चों की कस्टडी संबंधी विवादों पर विचार करने और निर्णय लेने के लिए मूल पक्ष के अधिकार क्षेत्र पर संदेह जताया था।

ईडी ने आय से अधिक संपत्ति मामले में ओडिशा के पूर्व विधायक की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली। धन शोधन रोधी कानून के तहत ओडिशा के बीजू जनता दल (बीजद) के पूर्व विधायक अनम नाइक की 1.5 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ईडी ने कहा कि आय से अधिक संपत्ति के मामले में नाइक की जांच की जा रही है। नाइक पूर्व में राज्य के राजस्व विभाग में एक कनिष्ठ लिपिक के रूप में काम कर चुके हैं। ईडी ने एक बयान में कहा, अनम नाइक ने अपने नाम पर और अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर विभिन्न भूमि संपत्तियों और बैंक निवेशों के लिए आय के ज्ञात स्रोतों के अलावा अपनी गलत कमाई का इस्तेमाल किया। कोरापुट पुलिस की सतर्कता इकाई द्वारा नाइक के खिलाफ दर्ज जनवरी, 2020 की प्राथमिकी का संज्ञान लेने के बाद ईडी का मामला धन शोधन निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत दर्ज किया गया था।

नीतीश के अध्यक्ष का कथित अपमान करने के मामले पर बिहार विधानसभा में हंगामा

भाषा। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बिहार विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा के कथित अपमान के मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के चलते मंगलवार को सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। पिछले दिन सिन्हा और कुमार के बीच तनातनी के बाद दोनों ने सदन में उपस्थित नहीं होने का फैसला किया।

विधानसभा अध्यक्ष अपने कक्ष के अंदर बैठे रहे और उन विधायकों से मिले, जो कौतुहलवश सदन से बाहर आ गए थे। वहीं, मुख्यमंत्री राज्य की

राजधानी के बाहरी इलाके में एक सूफी दरगाह मनेर शरीफ में थे। प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक, सिन्हा और कुमार के बीच तनातनी के विरोध में काला पट्टे पहनकर विधानसभा पहुंचे। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रेम कुमार को अध्यक्ष की कुर्सी पर देखकर वे और भड़क गए। विधायकों ने हंगामा करना शुरू कर दिया और मांग की कि अध्यक्ष तथा मुख्यमंत्री सदन में आएं और विवाद का कारण बताएं। सबसे पहले दो बजे तक के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी गई। विपक्षी सदस्य नीतीश कुमार मुर्दाबाद और नीतीश कुमार होश में आओ जैसे नारे लगाते हुए आसन के करीब आ गए, जिससे कार्यवाही शाम 4.50 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले, संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी बयान देने के लिए उठे और उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री कुर्सी के महत्व को समझते हैं।

यूक्रेन से अभियान में शामिल अधिकारियों, सामुदायिक संगठनों से मोदी ने किया संवाद

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को युद्धग्रस्त यूक्रेन से भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए चलाए गए अभियान में शामिल दूतावासों के अधिकारियों और सामुदायिक संगठनों से संवाद किया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी के अभियान में विशेष दूत के तौर पर यूक्रेन की सीमा से सटे देशों में भेजे गए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, वी के सिंह, किरेन रिजिजू और हरदीप सिंह पुरी ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री ने यूक्रेन से भारतीयों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने के अभियान में शामिल दूतावास के अधिकारियों और सामदुयिक संगठनों से संवाद किया। इससे पहले, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा में एक बयान में मुश्किल एवं चुनौतीपूर्ण हालात में

युद्धग्रस्त यूक्रेन से छात्रों सहित 22,500 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने का जिक्र करते हुए कहा कि कोई भी अन्य देश वहां से इतनी संख्या में अपने नागरिकों को नहीं निकाल सका जितना भारत ने किया और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद रूस, यूक्रेन के राष्ट्रपतियों एवं अन्य पड़ोसी देशों के राष्ट्राध्यक्षों से बात कर रास्ता निकाला। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण अभ्यास में पूरा तंत्र जुड़ा था जिसमें प्रधानमंत्री मोदी स्वयं लगभग हर रोज समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता कर रहे थे तथा विदेश मंत्रालय में 24 घंटे के आधार पर निकासी कार्यों की निगरानी की गई।

क्विक न्यूज

भारत में हथियारों के आयात में रूस का हिस्सा घटकर 2017-21 में 46 प्रतिशत रह गया

नई दिल्ली। भारत में हथियारों के आयात में रूस की हिस्सेदारी 2012-17 के 69 प्रतिशत से घटकर 2017-21 में 46 प्रतिशत रह गई। स्वीडन स्थित थिंक टैंक स्टॉकहोम अंतरराष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान एसआईपीआरआई द्वारा सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रूस ने 24 फरवरी से यूक्रेन के खिलाफ युद्ध शुरू किया, जिसके कारण अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने उस पर अत्यधिक कठोर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। रिपोर्ट में कहा गया, 2012-16 और 2017-21 के बीच भारत में हथियारों के आयात में 21 प्रतिशत की कमी आई। इसके बावजूद, भारत 2017-21 में प्रमुख हथियारों का दुनिया में सबसे बड़ा आयातक रहा और इस अवधि में विश्व में हथियारों के कुल आयात में भारत की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत रही। एसआईपीआरआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2012-16 और 2017-21 की अवधि में रूस भारत को प्रमुख हथियारों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता रहा, लेकिन भारत में रूसी हथियारों के आयात में इन दो अवधियों के बीच 47 प्रतिशत की गिरावट आई, क्योंकि रूसी हथियारों के लिए कई बड़े कार्यक्रम बंद हो गए। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि अपने हथियार आपूर्तिकर्ता आधार में विविधता लाने के भारत के बढ़ते प्रयासों के कारण कुल भारतीय हथियारों के आयात में रूस का हिस्सा 69 प्रतिशत से गिरकर 46 प्रतिशत हो गया। इसके विपरीत, फ्रांस से भारत के हथियारों का आयात दस गुना से अधिक बढ़ गया, जिससे वह 201721 में भारत का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बन गया। रिपोर्ट के अनुसार, चीन और पाकिस्तान से बढ़ते खतरों और स्वदेश में प्रमुख हथियारों के उत्पादन में उल्लेखनीय देरी के कारण भारत के पास हथियारों के आयात के लिए व्यापक योजनाएं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, भारत के हथियारों के आयात में कमी संभवत: इसकी धीमी और जटिल खरीद प्रक्रिया के साथ-साथ आपूर्तिकर्ताओं में बदलाव का एक अस्थाई परिणाम है। वैश्विक स्तर पर 2012-16 और 2017-21 के बीच रूस के हथियारों के निर्यात में 26 प्रतिशत की गिरावट आई और वैश्विक हथियारों के निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 24 प्रतिशत से घटकर 19 प्रतिशत हो गई। रूस ने 2017-21 में 45 देशों को बड़े हथियार दिए। रिपोर्ट में इस बात का जिक्र किया गया है कि अमेरिका के विपरीत 2017-21 में रूस का निर्यात चार देशों - भारत, चीन, मिस्र और अल्जीरिया पर अधिक केंद्रित था। इन देशों ने कुल रूसी हथियारों के निर्यात का 73 प्रतिशत प्राप्त किया।

भारतीय महिलाएं त्वचा की अच्छी सेहत के लिए बादाम खाना पसंद करती है : सर्वे

कानपुर। मौजूदा समय की तेज रफ्तार दुनिया और सूचनाओं के बढ़ते प्रवाह के चलते देश भर की महिलाएं काफी जागरूक हो गई हैं। वह यह जानती हैं कि पोषण किस तरह हमारी त्वचा की सेहत से जुड़ा है। जो भोजन हम खाते हैं, वह भी त्वचा पर इस्तेमाल किए जाने वाले उत्पादों जितना ही महत्वपूर्ण है। अगर हम त्वचा की बेहतर तरीके से देखभाल करें, लेकिन हमारे भोजन में पोषक तत्वों की कमी हो तो खूबसूरत त्वचा नहीं पाई जा सकती। सर्वे में इसकी झलक मिलती है जिसमें यह विशेष रूप से उभरकर सामने आया है कि उपभोक्ता अब स्वस्थ जीवनशैली को प्राथमिकता देने लगे हैं और रोजमर्रा के आहार में कुदरती विकल्पों को आजमाने लगे हैं। रिसर्च कंसल्टिंग फर्म यूगव की ओर से 7 से 22 दिसंबर के बीच कराए गए सर्वे के अनुसार भारत में 72 फीसदी महिलाओं ने बताया कि उन्हें महसूस हुआ है कि खबसूरत और चमकती,दमकती त्वचा पाने के लिए अपने आहार में बदलाव करना और उसमें पोषक तत्वों को शामिल करना काफी महत्वपूर्ण है। यह सर्वे दिल्ली, लखनऊ, लुधियानाए जयपुर, इंदौर कोलकाता भुवनेश्वरए मुंबइ अहमदाबाद, पुणे, बेंगलुरु, कोयंबटूर, हैदराबाद और चेन्नई आदि शहरों की 3959 महिलाओं के बीच किया गया। सर्वे के नतीजों के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण यह है कि भारत में 80 फीसदी महिलाएं यह मानती हैं कि मौजूदा स्वास्थ्य संबंधी उत्पादों के इस्तेमाल की जगह पोषक तत्वों से भरपूर स्वस्थ आहार लेने से खूबसूरती निखरती है। सर्वे में अधिकतर लोगों ने यह महसूस किया कि पोषक तत्वों से भरपूर स्वस्थ आहार लेनाए जरूरत के समय आराम करना और व्यायाम करना संतुलित जीवनशैली की कुंजी है। इससे हमें स्वस्थ त्वचा प्राप्त होती है। ,

मुस्लिम महिलाओं को घर की चारदीवारी में धकेलने की कोशिशें नाकाम होने की उम्मीद: केरल के राज्यपाल

तिरुवनंतपुरम। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब प्रतिबंध संबंधी कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए मंगलवार को उम्मीद जताई कि इससे मुस्लिम युवतियों को घर की चारदीवारी में वापस धकेलने की लगातार जारी कोशिशें नाकाम होंगी। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कक्षा में हिजाब पहनने की अनुमति देने का अनुरोध करने वाली उडुपी स्थित गवर्नमेंट प्री-यूनिवर्सिटी गर्ल्स कॉलेज की मुस्लिम छात्राओं के एक वर्ग की याचिकाएं मंगलवार को खारिज कर दीं और कहा कि हिजाब पहनना इस्लाम धर्म में आवश्यक धार्मिक प्रथा का हिस्सा नहीं है। अदालत ने कहा कि स्कूल की वर्दी का नियम एक उचित पाबंदी है और संवैधानिक रूप से स्वीकृत है, जिस पर छात्राएं आपत्ति नहीं उठा सकतीं। खान ने संवाददाताओं से कहा कि उनका मानना है कि मुस्लिम युवतियों में अपनी अन्य बहनों की तरह अपने परिवार की देखभाल करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने एवं अधिक बड़ी भूमिका निभाने की क्षमता है। मैं वास्तव में यह प्रार्थना और उम्मीद करता हूं कि युवतियों, खासकर मुस्लिम युवतियों को घर की चारदीवारी में वापस धकेलने की इस प्रकार की लगातार जारी कोशिशें नाकाम रहेंगी। खान ने कहा कि वह उन्हें (मुस्लिम महिलाओं को) शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वे जो अच्छा कार्य कर रही हैं, उसे वे जारी रखेंगी। खान ने हिजाब विवाद की शुरुआत में कहा था कि हिजाब पहनना इस्लाम धर्म में अनिवार्य नहीं है।

कपिल शर्मा ने कश्मीर फाइल्स निमंत्रण विवाद में सफाई देने के लिए अनुपम खेर को धन्यवाद दिया

भाषा। मुम्बई

हास्य कलाकार (कॉमेडियन) कपिल शर्मा ने उनके विरूद्ध लगे इस झूठे आरोप कि उन्होंने कश्मीर फाइल्स की टीम को प्रचार के लिए अपने लोकप्रिय टीवी शो पर आने का न्योता जान-बूझकर नहीं दिया, को खारिज करने के लिए अभिनेता अनुपम खेर को धन्यवाद दिया

पिछले सप्ताह ट्विटर पर एक वर्ग ने कपिल शर्मा शो पर इस फिल्म के कलाकारों को नहीं बुलाने को लेकर शर्मा की भारी आलोचना की थी। हालांकि एक अन्य वर्ग ने यह कहते हुए इस फैसले का बचाव किया कि कश्मीरी पंडितों के पलायन जैसे गंभीर विषय पर हास्य-व्यंग्य नहीं होना चाहिए। इस शो पर नियमित रूप से फिल्मी हस्तियां अपनी फिल्मों के प्रचार के लिए आते हैं। सात मार्च का ट्विटर पर एक व्यक्ति ने कश्मीर फाइल्स के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री से इस लोकप्रिय शो पर आने के लिए कहा था, जिसपर फिल्मकार ने कहा, यह उनके (कपिल) और उनके निर्माताओं की पसंद है कि वे किसे निमंत्रित करते

हैं। जहां तक बॉलीवुड की बात है तो मैं वह कहना चाहूंगा जिसे एक बार श्री बच्चन को गांधी के बारे में उद्धृत करते हुए कहा गया था: वो राजा है, हम रंक। इस ट्वीट के बार विवाद खड़ा हो गया और कुछ लोग सोशल मीडिया मंचों पर हास्य कलाकार (कपिल शर्मा) पर प्रहार करने लगे। सोमवार को एक खबरिया चैनल पर साक्षात्कार के दौरान इस फिल्म के मुख्य किरदार खेर से एंकर ने इस लोकप्रिय टेलीविजन शो पर नहीं आने के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि उन्हें निमंत्रण मिला था लेकिन फिल्म के संवेदनशील विषय को ध्यान में रखकर निमंत्रण अस्वीकार कर दिया। खेर ने कहा, ईमानदारी से मुझे यहां यह जरूर कहना चाहिए कि मुझे उस शो पर बुलाया गया था। मैंने अपने प्रबंधक से कहा था कि यह गंभीर फिल्म है, इसलिए मैं उस शो में नहीं जा पाऊंगा। मैं अपनी बात यहां रखना चाहता हूं। यह दो महीने पहले हुआ, जब मुझे निमंत्रित किया गया था। मैं उससे पहले भी दो-बार उस शो में जा चुका हूं। यह मजाकिया शो है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अग्निहोत्री को इस फैसले की जानकारी नहीं थी। खेर और फिल्मकार ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि शर्मा के मन में हमारे या फिल्म के प्रति कोई दुर्भावना है। इस पर शर्मा ने ट्वीट किया, मेरे विरूद्ध सभी झूठे आरोपों पर चीजें स्पष्ट करने को लेकर पाजी अनुपम खेर आपको धन्यवाद। मैं उन सभी मित्रों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जो सच को जाने बगैर मुझसे प्यार करते रहे। खुश रहिए, मुस्कुराते रहिए। अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह ने भी सच्चाई सामने लाने के लिए ट्वीट कर अनुपम खेर को धन्यवाद दिया।

द कश्मीर फाइल्स को भारत की सिनेमा यात्रा में एक मील के पत्थर के तौर पर याद रखा जाएगा: पुरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को, विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स की प्रशंसा की और कहा कि इस फिल्म को भारत की सिनेमा यात्रा में एक मील के पत्थर के तौर पर याद रखा जाएगा। फिल्मकार अग्निहोत्री की यह फिल्म 1990 के दशक में कश्मीर घाटी से पलायन करने वाले कश्मीरी पंडितों पर आधारित है। केंद्रीय आवासीय एवं शहरी मामलों के मंत्री ने कहा कि अग्निहोत्री ने फिल्म बनाने में कश्मीरी पंडितों के साथ पूरा न्याय किया है और इससे हमारे आधुनिक इतिहास का एक काला अध्याय खुल गया है। पुरी ने ट्वीट किया, द कश्मीर फाइल्स को भारत की सिनेमा यात्रा में मील के एक पत्थर के तौर पर याद रखा जाएगा। विवेक अग्निहोत्री ने हमारे आधुनिक इतिहास के एक काले अध्याय को खोल दिया है। उन्होंने संवेदनशीलता से कहानी को पर्दे पर उतारा है और कश्मीरी पंडितों की दुर्दशा के साथ पूरा न्याय किया है। गत सप्ताह रिलीज हुई फिल्म में अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती और पल्लवी जोशी अहम भूमिका में हैं।

नीट-विरोधी विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा : तमिलनाडु के राज्यपाल

भाषा। चेन्नई

तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने मंगलवार को मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को आश्वासन दिया कि राज्य विधानसभा द्वारा हाल ही में पारित नीट-विरोधी विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए केन्द्र को भेजा जाएगा। यहां जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, स्टालिन ने राजभवन में राज्यपाल रवि से भेंट की और तमिलनाडु को नीट से छूट देने वाला विधेयक मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजने का अनुरोध किया। तमिलनाडु विस ने आठ फरवरी को नीट-विरोधी विधेयक एक बार फिर पारित किया और राष्ट्रपति से मंजूरी के लिए उसे राजभवन भेजा। इससे पहले द्रमुक नीत सरकार द्वारा 13 सितबंर, 2021 को पारित नीट-विरोधी विधेयक को 142 दिनों तक अपने पास रखने के बाद राज्यपाल रवि ने लौटा दिया था। राज्यपाल से मुलाकात के दौरान स्टालिन ने रेखांकित किया कि मेडिकल में प्रवेश के लिए 2022-23 अकादमिक वर्ष की शुरुआत जल्द ही होने वाली है ।

लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, जनरल ऑफिसर कमांडिंग.इन.चीफ उधमपुर में एक अलंकरण समारोह के दौरान शहीद सैनिकों के परिवार के सदस्यों को उत्तरी कमान युद्ध सेवा पदक प्रदान किए

देश में कोविड-19 के 2,568 नए मामले

● 97 और लोगों की मौत

भाषा। नई दिल्ली

भारत में एक दिन में कोविड-19 के 2,568 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 4,29,96,062 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 33,917 रह गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में 97 और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,15,974 हो गई। देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 33,917 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.08 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 2,251 की कमी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर बढ़कर 98.72 प्रतिशत हो गई है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में अभी तक कुल 4,24,46,171 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 180.40 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। संक्रमण की दैनिक दर 0.37 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 0.46 प्रतिशत दर्ज की गई। देश में अभी तक कुल 77.97 करोड़ नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई है, जिनमें से 7,01,773 नमूनों की जांच पिछले 24 घंटे में की गई। उल्लेखनीय है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ए मामले एक करोड़ के पार हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ के पार और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 26 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार पहुंच गए थे। देश में पिछले 24 घंटे में संक्रमण से मौत के 97 मामले सामने आए, जिनमें से 78 मामले केरल में सामने आए। कुल 5,15,974 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से महाराष्ट्र के 1,43,753, केरल के 66,886, कर्नाटक के 40,022, तमिलनाडु के 38,024, दिल्ली के 26,141, उप्र के 23,492 मामले हैं।

शेयर बाजारों में पांच दिन से जारी तेजी पर विराम

भाषा। मुंबई

शेयर बाजारों में पिछले पांच कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर मंगलवार को विराम लगा और वैश्विक स्तर पर बिकवाली के बीच दोनों मानक सूचकांक... बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी भारी गिरावट के साथ बंद हुए। यूक्रेन संकट के कारण उत्पन्न अनिश्चितताओं के बीच अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति को लेकर महत्वपूर्ण बैठक से पहले निवेशकों ने जोखिम वाली संपत्तियों से दूरी बनाई।

कारोबारियों के अनुसार, डॉलर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर में गिरावट तथा विदेशी पूंजी की निकासी से भी धारणा प्रभावित हुई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 200 अंक से अधिक लाभ में था। लेकिन बाद में इसमें गिरावट आई। दोपहर के कारोबार में यह काफी नीचे चला गया। लेकिन अंत में यह 709.17

सेंसेक्स 709 अंक लुढ़का

अंक यानी 1.26 प्रतिशत टूटकर 55,776.85 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 208.30 अंक यानी 1.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,663 अंक पर बंद हुआ।सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील का शेयर 4.89 प्रतिशत की गिरावट के साथ सर्वाधिक नुकसान में रहा। इसके अलावा टेक महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज लि., और पावर ग्रिड भी नुकसान में रहें।

दूसरी तरफ, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति सुजुकी 2.31 प्रतिशत तक मजबूत हुए। ए कंपनियां उन 75 कंपनियों के शामिल हैं, जिनके आवेदन को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के तहत मंजूरी मिली है। लाभ में रहने अन्य शेयरों में नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, टाइटन और भारती एयरटेल शामिल हैं। जियोजीत फाइनेंशियल

सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर के अनुसार, रूस पर गैस आयात की पाबंदी के साथ नए वित्तीय और व्यापार प्रतिबंधों से दुनिया के बाजारों में तेजी के रुख पर प्रतिकूल असर पड़ा है। यह युद्धविराम की उम्मीद में सुधर रहे बाजार के लिए झटका है...।

उन्होंने कहा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले दुनिया के अन्य प्रमुख बाजारों में भी गिरावट रही। फेडरल रिजर्व की बुधवार को बैठक होगी। ऐसी संभावना है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक बढ़ती मुद्रास्फीति को काबू में लाने को लेकर 2018 के बाद पहली बार नीतिगत दरों में वृद्धि करेगा। ट्रेडिंगों के संस्थापक पार्थ न्यति ने कहा, फेडरल ओपन मार्केट कमेटी की बैठक से पहले कमजोर वैश्विक रुख और अमेरिका में बांड प्रतिफल बढ़ने के बीच घरेलू शेयर बाजारों में पांच दिन से जारी तेजी पर विराम लगा। बैठक के नतीजों की घोषणा बुधवार को होगी। रूस-यूक्रेन संकट के अलावा यह दूसरी महत्वपूर्ण गतिविधि है, जिस पर बाजार प्रतिभागियों की नजर है।

एशिया के अन्य प्रमुख बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कंपोजिट महामारी को काबू में लाने के लिए फिर लगाए गए लॉकडाउन की चिंता के बीच भारी नुकसान में रहे। जापान के निक्की में मामूली तेजी रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख रहा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति को लेकर होने वाली बैठक से भी धारणा प्रभावित हुई है। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 6.11 प्रतिशत लुढ़ककर 100.4 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर आठ पैसे टूटकर 76.62 पर आ गई। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को शुद्ध रूप से 176.52 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे। इस बीच, सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी में आठ महीने के उच्चस्तर 6.07 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह लगातार दूसरा महीना है जब खुदरा महंगाई दर रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर से ऊपर है। वहीं कच्चे तेल और गैर-खाद्य पदार्थों के दाम में तेजी से थोक मुद्रास्फीति उछलकर 13.11 प्रतिशत पर पहुंच गई।

मेरा सपना है दिल्ली-जयपुर के बीच देश का पहला इलेक्ट्रिक राजमार्ग : गडकरी

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली से जयपुर के बीच भारत का पहला इलेक्ट्रिक राजमार्ग बनाना उनका सपना है। यहां एक समारोह को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि मणिपुर, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और कश्मीर में रोपवे केबल स्थापित करने के लिए सरकार को अब तक 47 प्रस्ताव मिले हैं।उन्होंने कहा, मेरा सपना है दिल्ली से जयपुर के बीच एक इलेक्ट्रिक राजमार्ग बनाना।

मंत्री ने कहा कि उनके मंत्रालय के पास काफी बजट है और बाजार भी इसे समर्थन देने के लिए तैयार है।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2022-23 में सड़क एवं परिवहन मंत्रालय के लिए 1.99 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। इसमें से 1.34 लाख करोड़ रुपए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को आवंटित किए जाएंगे।एक सवाल के जवाब में गड़करी ने कहा, एनएचएआई में सुधार की जरूरत है। निर्णय लेने में विलंब उन चीजों में शामिल हैं जहां एनएचएआई में सुधार लाना होगा। उन्होंने कहा कि एनएचएआई सड़क किनारे 650 सुविधाओं का निर्माण कर रहा है। उन्होंने दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर कुछ ठेकेदारों द्वारा विकसित सुविधाओं को लेकर निराशा भी जताई।गडकरी ने कहा कि उनका सपना जैव ईंधन से बिटुमन (सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री) का निर्माण करना है।

राजर्षि गुप्ता ओएनजीसी विदेश लि. के नए प्रमुख होंगे

नई दिल्ली । राजर्षि गुप्ता ओएनजीसी की विदेश में निवेश करने वाली इकाई ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल) के नए प्रमुख होंगे। सार्वजनिक उपक्रमों के लिए शीर्ष अधिकारियों का चयन करने वाले सार्वजनिक उपक्रम चयन बोर्ड (पीईएसबी) ने छह उम्मीदवारों के साक्षात्कार के बाद गुप्ता का नाम इस पद के लिए छांटा है। गुप्ता फिलहाल ओएनजीसी में कार्यकारी निदेशक हैं। पीईएसबी द्वारा जारी अधिसूचना से यह जानकारी मिली है। वह ओएनजीसी विदेश लि. के मौजूदा प्रबंध निदेशक आलोक कुमार गुप्ता का स्थान लेंगे, जो 30 जून को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) तथा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की मंजूरी के बाद गुप्ता का नाम प्रधानमंत्री की अगुवाई वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) को भेजा जाएगा।

फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले रुपया आठ पैसे टूटकर 76.62 प्रति डॉलर पर

भाषा। मुंबई

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना तथा मुद्रास्फीति की चिंताओं के बीच विदेशी मुद्रा की सतत निकासी के चलते रुपए में लगातार तीसरे दिन गिरावट आई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को रुपए ने शुरुआती लाभ गंवा दिया तथा कारोबार के अंत में यह अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले आठ पैसे की गिरावट के साथ 76.62 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।बाजार सूत्रों ने कहा कि घरेलू शेयरों में भारी बिकवाली से रुपए पर दबाव बढ़ गया। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर अनिश्चितता तथा बुधवार को अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि किए जाने की संभावना ने रुपए पर दबाव बनाए रखा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 76.40 पर मजबूत खुला। रूस और यूक्रेन के बढ़ते तनाव के बीच रुपए का आरंभिक लाभ लुप्त हो गया और उसमें गिरावट का रुख कायम हो गया। कारोबार के दौरान रुपए में 76.32 रुपए से 76.68 रुपए के दायरे में घटबढ़ हुई। कारोबार के अंत में रुपए का मूल्य अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले आठ पैसे की गिरावट दर्शाता 76.62 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पिछले तीन कारोबारी सत्रों के दौरान रुपए में 0.25 प्रतिशत की गिरावट आई है।एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बाद भी पिछले दो दिनों में रुपए की गति मौन बनी हुई है क्योंकि बाजार सहभागियों को एफओएमसी बैठक के परिणाम का इंतजार है। बाजार के कारोबारियों को ब्याज दर में चौथाई प्रतिशत की वृद्धि किए जाने की उम्मीद है। फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले अमेरिकी बांड प्रतिफल में वृद्धि से डॉलर मजबूत हुआ है।

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.31 प्रतिशत घटकर 98.71 रह गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 5.36 प्रतिशत घटकर 101.17 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

वाहन क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना के तहत 75 कंपनियों को प्रोत्साहन की मंजूरी

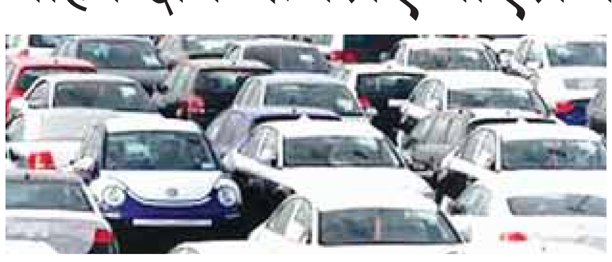

भाषा। नई दिल्ली

वाहन और वाहन कलपुर्जा विनिर्माण क्षेत्रों के लिए शुरू की गई उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत मारुति सुजुकी, हीरो मोटोकॉर्प और टोयोटा किर्लोस्कर ऑटो पार्ट्स सहित 75 कंपनियों को प्रोत्साहन दिए जाने की मंजूरी दी गई है।

सरकार की तरफ से मंगलवार को जारी एक बयान में कहा गया कि उपकरण चैंपियन प्रोत्साहन योजना के तहत 75 अनुमोदित आवेदकों की तरफ से 29,834 करोड़ रुपए का निवेश किए जाने का अनुमान है। भारी उद्योग मंत्रालय ने इसके पहले 20 आवेदकों को चैंपियन ओईएम प्रोत्साहन योजना के तहत चुना था। ए दोनों वाहन उपकरण प्रोत्साहन योजनाएं पीएलआई पहल का ही हिस्सा हैं। पीएलआई योजना के तहत वाहन कलपुर्जा उद्योग को उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी (एएटी) उत्पादों की स्वदेशी आपूर्ति शृंखला में नए निवेश करने पर 18 प्रतिशत राशि का प्रोत्साहन दिया जाता है। आधिकारिक बयान के मुताबिक, वाहन एवं वाहन कलपुर्जा उद्योग के लिए शुरू की गई पीएलआई योजना 74,850 करोड़ रुपए का प्रस्तावित निवेश आकर्षित करने में सफल रही है जबकि इसके लिए पांच वर्षों में 42,500 करोड़ रुपए के निवेश का लक्ष्य रखा गया था।सरकार को चैंपियन ओईएम प्रोत्साहन योजना के तहत 45,016 करोड़ रुपए और कलपुर्जा चैंपियन प्रोत्साहन योजना के तहत 29,834 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आवेदकों से प्राप्त हुए हैं। पीएलआई योजना के तहत चुनी गई कंपनियों में दो गैर वाहन निवेशक (कलपुर्जा) कंपनियां भी शामिल हैं। ए कंपनियां भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) और सिएट लिमिटेड हैं। इस प्रोत्साहन योजना के लिए स्वीकृत कंपनियों में भारत के अलावा जापान, जर्मनी, अमेरिका, ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, आयरलैंड, फ्रांस, बेल्जियम, नीदरलैंड और इटली की भी कंपनियां शामिल हैं। भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय ने कहा, इस योजना को मिले जबर्दस्त समर्थन से पता चलता है कि उद्योग जगत ने एक विश्वस्तरीय विनिर्माण स्थल के रूप में भारत की असाधारण प्रगति में अपना भरोसा जताया है। यह आत्मनिर्भर भारत बनाने के प्रधानमंत्री के आह्वान से मेल खाता है।

भारत ने पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान को 2,000 टन गेहूं की चौथी खेप भेजी

नई दिल्ली। भारत ने मंगलवार को अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय सहायता के तहत पाकिस्तान के भूमि मार्ग से 2,000 टन गेहूं की चौथी खेप भेजी है। भारत ने 2,500 टन गेहूं की पहली खेप 22 फरवरी को पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान को भेजी थी और वह 26 फरवरी को अफगान शहर जलालाबाद पहुंची। इस खेप को पचास ट्रकों में ढोया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत ने अब तक मानवीय सहायता के तहत अफगानिस्तान को 8,000 टन गेहूं भेजा है। उन्होंने ट्वीट किया, हमारी साझेदारी जारी है। 2,000 टन गेहूं की मानवीय सहायता का चौथा काफिला आज अफगानिस्तान भेजा गया। आजतक कुल 8,000 टन गेहूं भेजा गया है। भारत ने सात अक्टूबर को पाकिस्तान को एक प्रस्ताव भेजा था जिसमें पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान के लोगों को 50,000 टन गेहूं भेजने के लिए पारगमन की सुविधा की मांग की गई थी और 24 नवंबर को पाकिस्तान से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।पाकिस्तानी प्रतिक्रिया के बाद दोनों पक्ष निर्यात खेप के परिवहन के तौर-तरीकों को अंतिम रूप देने के लिए संपर्क में थे। भारत ने 12 फरवरी को अफगानिस्तान में गेहूं के वितरण के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे।

क्विक न्यूज

नवी टेक्नोलॉजीज ने सेबी में डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई। सचिन बंसल प्रवर्तित नवी टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (नवी)जो प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण नॉन डिपॉजिट लेने वाली नॉन.बैंकिंग फाइनेंस कंपनी है। यह एनबीएफसी.एमएफआई के रूप में सूक्ष्म वित्त, व्यवसाय में संलग्न है ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के में ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया। कंपनी की योजना कुल 3,350 करोड़ रुए के फ्रेश इश्यू के जरिए इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के माध्यम से फंड जुटाना है। नवी ने निवल आय का उपयोग निम्नलिखित उद्देश्यों के वित्तपोषण के लिए करने का प्रस्ताव किया है। कंपनी ने निवल आय के 2,370 करोड़ का निवेश एनएफपीएल में करने का प्रस्ताव किया है। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एनएफपीएलए आरबीआई द्वारा निर्धारित पूंजी पर्याप्तता आवश्यकताओं का पालन किया जाये और अपनी भविष्य की पूंजी आवश्यकताएँ पूरी हों। इसके अलावाए कंपनी ने शुद्ध आय में से 150 करोड़ का निवेश एनजीआईएल में करने का प्रस्ताव किया हैए ताकि एनजीआईएल के पूंजी आधार को बढ़ाया जा सके जिससे कि आईआरडीएआई द्वारा निर्धारित सॉल्वेंसी लेवल्स को बनाये रखा जा सके और इसकी भविष्य की पूंजी आवश्यकताएँ पूरी हो सकें।

पिरामल का अजय देवगन से करार

मुंबई। पिरामल फार्मा लिमिटेड के कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिवीजन ने अपने फ्लैगशिप ब्रांड टेटमोसोल के लिए लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन के साथ अपने करार का एलान किया। टेटमोसोल त्वचा से संबंधित देखभाल के लिए एक औषधीय साबुन हैए जिसका उपयोग स्किन इंफेक्शन के उपचार और रोकथाम में किया जाता है। पिरामल फार्मा अब टेटमोसोल डस्टिंग पाउडर पेश करके और बाद में अपने मीडिया निवेश को बढ़ाकर ब्रांड की पेशकश को मजबूत कर रही है।पिरामल कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिवीजन के सीईओ नीतीश बजाज ने कहा कि कंपनी ने विकास मार्ग पर चलते हुए अगले चरण में प्रवेश कर लिया है और इसी सिलसिले में हमने लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन के साथ करार किया है। इस तरह हम भारत भर में अपने उपभोक्ताओं के लिए टेटमोसोल को बढ़ावा देने और अपनी पहुंच बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। ट्रॉपिकल क्लाइमेट होने के कारण हमारे देश में स्किन इंफेक्शन के मामले अधिक होते हैं और इसलिए हमने टेटमोसोल डस्टिंग पाउडर और टेटमोसोल प्लस क्रीम के साथ दो नए उत्पाद पेश किए हैं। ये दोनों प्रोडक्ट त्वचा संक्रमण से संबंधित सभी समस्याओं को दूर करते हैं।

लोढ़ा डेवलपर्स ने 17 करोड़ डॉलर के कर्ज का समय से पहले भुगतान किया

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स की इकाई लोढ़ा डेवलपर्स इंटरनेशनल लिमिटेड ने लंदन में अपनी दो परियोजनाओं में बेहतर बिक्री के बाद 22.5 करोड़ डॉलर के ऋण में से 17 करोड़ डॉलर (1,298 करोड़ रुपए) का भुगतान तय समय से पहले कर दिया है। मैक्रोटेक ने मंगलवार को शेयर बाजार को भेजी सूचना में कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी लोढ़ा डेवलपर्स ने मूल राशि में 17 करोड़ डॉलर के नोट्स को भुना लिया है। इन नोट्स को रद्द कर दिया जाएगा और सिंगापुर एक्सचेंज सिक्योरिटीज ट्रेडिंग लिमिटेड से हटा दिया जाएगा। वहीं 5.50 करोड़ डॉलर के शेष नोट सिंगापुर एक्सचेंज सिक्योरिटीज में अभी सूचीबद्ध हैं।

निवेशकों की पूंजी 2.61 लाख करोड़ रुपए घटी

नई दिल्ली। शेयर बाजारों में मंगलवार को जोरदार गिरावट आई और पिछले पांच कारोबारी सत्रों से जारी तेजी का सिलसिला थम गया। शेयर बाजारों में गिरावट से निवेशकों की पूंजी 2.61 लाख करोड़ रुपए घट गई। बेहद उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 709.17 अंक या 1.26 प्रतिशत टूटकर 55,776.85 अंक पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान एकसमय सेंसेक्स 1,067.07 अंक या 1.88 प्रतिशत के नुकसान से 55,418.95 अंक पर आ गया था। बाजार में कमजोर रुख के बीच बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2,61,145.72 करोड़ रुपए घटकर 2,51,66,630.06 करोड़ रुपए पर आ गया।

बजाज ऑटो ने दिनेश थापर को सीएफओ नियुक्त किया

नई दिल्ली। बजाज ऑटो ने दिनेश थापर को अपना मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) नियुक्त किया है। कंपनी ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। अभी तक थापर रिलायंस रिटेल से जुड़े थे। वह पिछले तीन साल से रिलायंस रिटेल के समूह मुख्य वित्त अधिकारी थे। इससे पहले दो दशक तक थापर हिंदुस्तान यूनिलीवर लि. में विभिन्न पदों पर रह चुके हैं।

स्काई एयर मोबिलिटी अपने बेड़े में ड्रोन की संख्या बढ़ाकर 120 करेगी

नई दिल्ली। स्काई एयर मोबिलिटी की योजना 12 से 15 माह में अपने बेड़े का आकार बढ़ाकर 120 ड्रोन करने की है। ड्रोन डिलिवरी लॉजिस्टिक्स कंपनी का इरादा स्वास्थ्य सेवा और स्वास्थ्य जांच जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अवसरों का लाभ उठाना है। फिलहाल कंपनी के बेड़े में चार ड्रोन हैं। स्काई एयर मोबिलिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अंकित कुमार ने कहा कि कंपनी ने परिचालन के छह माह में 1,000 उड़ान की उपलब्धि हासिल कर ली है। हमारा लक्ष्य 12 से 15 माह में एक लाख उड़ानों पर पहुंचने का है। स्काई एयर मोबिलिटी शुरुआती वित्तपोषण दौर में करीब 10 लाख डॉलर जुटाने का इरादा रखती है।

दिल्ली में बिकने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों में 55 प्रतिशत दोपहिया, ई-कारों की बिक्री भी बढ़ी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री में तेजी आई है। इस वर्ष जनवरी से लेकर अब तक जितने भी इलेक्ट्रिक वाहनों का रजिस्ट्रेशन हुआ है उनमें से 55 प्रतिशत दोपहिया वाहन है। सरकारी आंकड़ो के अनुसार, इस वर्ष जनवरी से लेकर 14 मार्च तक कुल 10,707 इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण हुआ है, जिनमें से 5,888 दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन (ई-बाइक और ई-स्कूटर) हैं। बाकी के 45 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों में ई-रिक्शा, ई-कार, ई-बस, इलेक्ट्रिक हल्की मालवाहक गाड़ियां और ई-कार्ट है।जनवरी में 1,760 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का पंजीकरण हुआ, जबकि फरवरी में ऐसे 2,383 वाहनों का पंजीकरण हुआ। वही, 14 मार्च तक कुल 1,745 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का पंजीकरण हो चुका है। एक सरकारी अधिकारी ने कहा, रुझान दिखाता है कि ई-बाइक और ई-स्कूटरों की मांग शहर में बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि शहर में आवश्यक चार्जिंग अवसंरचना विकसित करने के सरकार के प्रतिबद्ध प्रयास इसकी वजह है।आंकड़े बताते है कि जनवरी से 14 मार्च के बीच दिल्ली में ई-कारों की संख्या भी बढ़ी है। जनवरी तक शहर में केवल 147 इलेक्ट्रिक कारों का पंजीयन हुआ था, फरवरी के अंत तक इनकी संख्या बढ़कर 205 हो गई और मार्च में अब तक 70 इलेक्ट्रिक कारों का पंजीकरण हो चुका है। अधिकारी ने कहा कि अगस्त, 2020 में सरकार की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति की घोषणा के बाद ई-वाहनों की बिक्री बढ़ी है। उन्होंने बताया कि इसमें ई-दोपहिया वाहन और ई-रिक्शा की खरीद पर सब्सिडी देने का प्रावधान है और इसके लिए अधिकतम राशि 30,000 रुपए है, वहीं ई-कारों पर सब्सिडी अब नहीं मिलती।

पेज एक का शेष

इस्लाम का...

स्कूल और कॉलेज में समानता, अखंडता और सार्वजनिक व्यवस्था बाधित होती है। मुस्लिम लड़कियों ने इस आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड पर ऐसा कोई तथ्य मौजूद नहीं था, जिससे प्रथम दृष्ट्या यह प्रतीत हो कि हिजाब पहनना अनिवार्य धार्मिक प्रथा है। अदालत ने यह भी कहा कि अगर हिजाब को भी अनुमति दी जाती है तो स्कूल यूनिफॉर्म, यूनिफॉर्म नहीं रह जाएगी। पीठ ने कहा कि ऐसा नहीं है कि यदि हिजाब पहनने की कथित प्रथा का पालन नहीं किया गया तो हिजाब न पहनने वाले पापी हो जाएंगे, इस्लाम का महात्म्य समाप्त हो जाएगा और यह धर्म नहीं रह जाएगा। याचिकाकर्ताएं यह साबित करने में असफल रही हैं कि हिजाब पहनना इस्लाम में एक धार्मिक प्रथा का अलंघनीय हिस्सा है। पीठ ने रेखांकित किया कि कोई भी तर्कशक्ति वाला व्यक्ति बगैर यूनिफॉर्म के स्कूल की कल्पना नहीं कर सकता। अदालत ने कहा कि स्कूल यूनिफॉर्म कोई नई चीज नहीं है। न तो मुगलों ने, न ही अंग्रेजों ने यूनिफॉर्म को पहली बार लागू किया। प्राचीन गुरुकूल के दिनों से ही इसका अस्तित्व रहा है। कई भारतीय धर्मग्रंथों में संस्कृत में समवस्त्र या शुभ्रवेश का उल्लेख किया गया है, जिसका अंग्रेजी में करीब-करीब मतलब यूनिफॉर्म से ही है। पीठ ने कहा कि छात्राओं की दो श्रेणियां सामाजिक पृथकता को प्रदर्शित करेंगी, जिसकी कामना नहीं की जा सकती। इसने आगे कहा कि यदि हिजाब पहनने की अनुमति दे दी जाती है तो एकरूपता का भाव समाप्त हो जाएगा। धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को लेकर अदालत ने कहा कि जो व्यक्ति संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत शरण मांगता है, उसे न केवल अनिवार्य धार्मिक प्रथा को प्रदर्शित करना चाहिए, बल्कि संवैधानिक मूल्यों का निर्वहन भी करना चाहिए। हाईकोर्ट ने यह भी आशंका जताई कि हिजाब विवाद के पीछे अदृश्य हाथ है, जिसका उद्देश्य सामाजिक शांति और सौहार्द को बिगाड़ना है। अदालत ने इस मामले को तूल दिए जाने को लेकर भी अपना असंतोष जताया। न्यायाधीशों ने कहा कि 2004 से ड्रेस कोड को लेकर सब ठीक चल रहा था। हम बहुत ही निराश हैं कि कैसे अचानक और शैक्षणिक सत्र के बीच में हिजाब का मुद्दा शुरू हो गया और इतना तूल पकड़ लिया।

कुरान में...

में सिर ढकना फर्ज है। उन्होंने कहा कि इस्लाम के 1400 साल के इतिहास में हिजाब को लेकर कभी कोई विवाद नहीं हुआ है। दूसरी ओर, एआईएमआईएम नेता और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने उच्च न्यायालय के फैसले पर असहमति जताई और कहा कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और अन्य धार्मिक संगठन आदेश के खिलाफ अपील करें। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने फैसले को बेहद निराशाजनक बताते हुए कहा कि यह केवल धर्म की बात नहीं है, बल्कि चयन की स्वतंत्रता की भी बात है। नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह हास्यास्पद है कि अदालत ने महिलाओं के इस मौलिक अधिकार को बरकरार नहीं रखा कि वे अपनी पसंद के अनुसार कपड़े पहन सकें। इस बीच, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि वह उम्मीद करते हैं कि युवतियों, खासकर मुस्लिम युवतियों को घर की चारदीवारी में वापस धकेलने की कोशिशें नाकाम रहेंगी।

गांधी परिवार...

लेकर उन पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया कि आरएसएस और भाजपा क्यों चाहते हैं कि नेहरू-गांधी नेतृत्व से अलग हो? क्योंकि गांधी परिवार के नेतृत्व के बिना कांग्रेस, जनता पार्टी बन जाएगी। इस तरह से कांग्रेस को खत्म करना आसान होगा और फिर से आइडिया ऑफ इंडिया (भारत के विचार) को खत्म करना आसान होगा। कपिल सिब्बल यह जानते हैं, लेकिन वह आरएसएसा-भाजपा की भाषा क्यों बोल रहे हैं? कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सिब्बल पर प्रहार करते हुए कहा कि ऐसे नेताओं को पार्टी के मौजूदा नेतृत्व के खिलाफ रोजाना बयानबाजी करने की बजाय अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ना चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक ने कहा कि गांधी परिवार कांग्रेस की प्राणवायु है। गांधी परिवार ने अपने संघर्ष और खून-पसीने से इस देश को बनाया है और नैतिक मूल्यों को बढ़ाया है। कांग्रेस का हर कार्यकर्ता गांधी परिवार के नेतृत्व में अपने आप को मजबूत पाता है। सिब्बल ने इस साक्षात्कार में यह भी कहा कि राहुल गांधी अध्यक्ष पद पर न होते हुए भी अध्यक्ष हैं, जो सभी निर्णय लेते हैं।

भारत की...

खुद रूस, यूक्रेन के राष्ट्रपतियों एवं अन्य पड़ोसी देशों के राष्ट्राध्यक्षों से बात कर रास्ता निकाला। जयशंकर ने कहा कि युद्धग्रस्त यूक्रेन से भारतीयों को सुरक्षित निकाले जाने के लिए चलाया गया उन्होंने कहा कि यूक्रेन से भारतीयों को निकालने के अभियान में खारकीव, सूमी में चुनौती ज्यादा बड़ी थी क्योंकि वहां निरंतर गोलाबारी, हवाई हमले हो रहे थे। यूक्रेन के सूमी शहर से भारतीय छात्रों की निकासी बगैर किसी विश्वसनीय युद्धविराम के संभव नहीं था। तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद इसके लिए रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों से बात कर रास्ता निकाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के पड़ोसी देशों रोमानिया, पोलैंड, हंगरी और स्लोवाकिया के राष्ट्राध्यक्षों से भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि सूमी में विश्वसनीय युद्धविराम की जरूरत थी और प्रधानमंत्री ने बेहतरीन और पूरी तरह से प्रशिक्षित तथा अनुशासित हैं। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि दुर्घटनावश मिसाइल दागे जाने की घटना की जांच के बाद अगर किसी तरह की खामी का पता चलता है तो सरकार उसे दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि भारत ने शुक्रवार को कहा था कि दो दिन पहले पाकिस्तान में गिरी मिसाइल तकनीकी खराबी के कारण नियमित रख-रखाव के दौरान दुर्घटनावश चल गई थी। इससे एक दिन पहले पाकिस्तान ने कहा था कि तेज गति से उड़ान वाली एक वस्तु पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में पहुंची और खानेवाल जिले में मियां चन्नू इलाके के पास गिर गई।

भारतीय छात्रों...

खुद हस्तक्षेप करते हुए दोनों देशों के राष्ट्रपतियों से बात की। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री ने युद्धग्रस्त देश में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से कई मौकों पर बातचीत की थी। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, ऑपरेशन गंगा इस बात को प्रदर्शित करता है कि संकट में कहीं भी फंसा भारतीय अपनी सरकार पर भरोसा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अभी भी कई देशों के सैकड़ों नागरिक वहां फंसे हुए हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच तनाव बढ़ने पर, यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने जनवरी 2022 में भारतीयों के लिए पंजीकरण अभियान शुरू किया था और इसके परिणामस्वरूप करीअ 20,000 भारतीयों ने पंजीकरण कराया। उन्होंने कहा कि वहां मौजूद छात्रों में केरल, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार और राजस्थान राज्यों सहित भारत के 35 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के छात्र थे। जयशंकर ने कहा कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, किरेन रीजीजू, हरदीप सिंह पुरी तथा वीके सिंह को पर्यवेक्षक के तौर पर भेजने का काफी लाभ हुआ। उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम की परंपरा पर चलते हुए ऑपरेशन गंगा के तहत 147 विदेश नागरिकों को भी निकाल कर लाया गया।

यूक्रेन के...

विन्नीत्सिया नेशनल पिरोगोवा मेडिकल यूनिवर्सिटी और बोगोमोलेट्स नेशनल मेडिकल विश्वविद्यालय ने सोमवार को ऑनलाइन कक्षाएं शुरू कीं। भारतीय विद्यार्थियों ने कहा कि लगातार गोलाबारी के बीच उनके अध्यापक अपने घरों या सुरक्षित स्थानों से कक्षाएं ले रहे हैं। डेनाइलो हैलीटैस्की ल्वीव नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी में प्रथम वर्ष के छात्र कनिष्क ने कहा कि वह राहत महसूस कर रहे हैं कि कक्षाएं बहाल हो गई हैं, क्योंकि वह अपने भविष्य को लेकर अनिश्चित थे। कनिष्क ने पीटीआई-भाषा से कहा, कुछ भी नहीं से थोड़ा ही सही बेहतर है। मैं खुश हूं कि आखिरकार कक्षाएं बहाल हो गईं। हम वाकई इस बात से चिंतित थे कि अब हमारे भविष्य का क्या होगा, क्योंकि यूक्रेन को रूस के साथ युद्ध में उलझा दिया गया है। प्रथम वर्ष की छात्रा मनोज्ञा ने कहा, शिक्षक बहुत भावुक हो गए। हमने युद्ध के बारे में थोड़ी-बहुत चर्चा की। वे छिपकर किसी स्थान या सुरक्षित स्थानों से हमें पढ़ा रहे हैं। मैं खुश हूं कि कक्षाएं बहाल हो गईं। ऑपरेशन गंगा के तहत भारत सरकार 20000 से अधिक भारतीय विद्यार्थियों को यूक्रेन से वापस लाई है।

बिना पंजीकरण...

हो, यह सुनिश्चत करने के लिए टीका लगाने वालों और टीकाकरण टीम को प्रशिक्षण देने की जरूरत है। भूषण ने कहा कि टीकों का मिश्रण रोकने के लिए राज्यों को निर्धारित कोविड-19 टीकाकरण केंद्रों पर समर्पित टीकाकरण सत्र आयोजित करने का निर्देश दिया गया है। केंद्र सरकार ने राज्यों से निर्धारित केंद्रों पर समर्पित कोविड-19 टीकाकरण सत्र आयोजित करने और टीका लगाने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षण देने को कहा है।

महज संदेह...

दिए जाने का निर्देश दिया, लेकिन कहा कि न्यायिक अधिकारी को 50 प्रतिशत वेतन का ही भुगतान किया जाएगा। न्यायालय ने इस राशि के भुगतान के लिए चार माह का समय दिया है। पीठ ने कई फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि केवल संदेह के आधार पर कदाचार स्थापित नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने कहा कि इसके लिए मौखिक या दस्तावेजी तथ्य मौजूद होना चाहिए, लेकिन मौजूदा मामले में इस आवश्यकता को पूरा नहीं किया जा सका है।

होली पर...

तुलना में ज्यादा रहेगा। डीटीसी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि शुक्रवार को दुल्हेंडी पर्व के मद्देनजर दोपहर दो बजे तक शहर की सभी बस सेवा निलंबित रहेगी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, शाम को कुछ चुनिंदा बस मार्गों पर बस सेवा यातायात की जरूरत के अनुसार संचालित की जाएगी। उस दिन यातायात बहुत कम होगा इसलिए दोपहर में केवल 898 बसें ही चलाई जाएंगी।

चीन का रूस को सहयोग देने से इनकार

● यूक्रेन के मामले में निष्पक्ष रहेगा

भाषा। बीजिंग

चीन ने मंगलवार को कहा कि यूक्रेन संघर्ष को लेकर उसका रुख पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ, निष्पक्ष और संरचनात्मक है और उसने अमेरिका पर बार-बार यह दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया कि चीन ने सैन्य आपूर्तियों के रूसी अनुरोध पर सकारात्मक जवाब दिया है। चीन ने यूक्रेन पर रूस के हमले की आलोचना करने या इसे युद्ध की संज्ञा देने से इनकार कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान की यह टिप्पणी अमेरिकी सलाहकार जेक सुलिवान और चीन के वरिष्ठ विदेश नीति सलाहकार यांग जिएशी के बीच सोमवार को रोम में हुई मुलाकात के बाद आई। बाइडन प्रशासन की चिंता यह है कि यूक्रेन में जारी जंग का इस्तेमाल चीन दीर्घकालिक हितों को साधने के लिए कर रहा है। यूरोपीय संघ के राजदूत निकोलस चापुईस ने चीन से यूक्रेन को समर्थन देने की अपील की है। नियमित मीडिया ब्रीफिंग में संवाददाताओं से बातचीत में झाओ ने कहा, अमेरिका ने गलत जानकारी फैलाई है। यह न केवल गैर-पेशागत है, बल्कि अनैतिक एवं गैर-जिम्मेदाराना है। अमेरिका को यूक्रेन संकट के घटनाक्रम और आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका पर गहराई से विचार करना चाहिए और यूक्रेन में तनाव को कम करने के लिए कुछ व्यावहारिक करना चाहिए। नाटो के विस्तार और सुरक्षा के खतरे के जरिए रूस को उकसाया गया है। क्रेमलिन ने इस रिपोर्ट से इनकार किया है कि रूस ने युद्ध में इस्तेमाल के लिए चीनी सैन्य उपकरणों की मांग की है। चीन ने रूसी अर्थव्यवस्था को तहस-नहस करने के लिए लगाए गए प्रतिबंधों का भी विरोध किया। झाओ ने एक बार फिर कहा कि चीन आज की स्थिति से पूरी तरह आहत है। चीन शांति वार्ताओं को आगे बढ़ाने के लिए कृत संकल्पित है।

मारियुपोल से नागरिकों को निकाले जाने का अभियान जारी

कीव। यूक्रेन के बंदरगाह शहर की नगर परिषद का कहना है कि दो हजार नागरिक वाहन तथाकथित मानवीय गलियारे के जरिए मारियुपोल से रवाना हुए हैं। नगर परिषद ने कहा कि और दो हजार कार निकासी मार्ग से जाने की प्रतीक्षा कर रही थीं। युद्ध से पहले मारियुपोल की आबादी 4,30,000 थी। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण यह बंदरगाह शहर दो सप्ताह से अधिक समय से गोलीबारी की चपेट में है। स्थानीय अधिकारियों का अनुमान है कि मारियुपोल में हमले में 2,300 से अधिक लोग मारे गए हैं। उनका कहना है कि निवासियों के पास भोजन, पानी और दवा की कमी हो गई है। यह तुरंत स्पष्ट नहीं था कि मंगलवार को रवाना हुई कारों में क्या 160 वे वाहन शामिल हैं जो एक दिन पहले रवाना हुए थे। नगर परिषद ने कहा कि मंगलवार सुबह तक लगभग 300 लोग जापोरिज्जिया पहुंचे थे। यूक्रेन की राजधानी के एक रिहायशी इलाके में मंगलवार को रूस ने कई हवाई हमले किए, जिससे कीव में 15 मंजिला एक इमारत में आग लग गई। हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य के इमारत में फंसे होने की आशंका है। यूक्रेनी सेना ने एक बयान में बताया कि तोपों से गोले दागे गए, जो पश्चिमी कीव में स्वयातोशनस्की जिले और उपनगर इरपिन के निकट गिरे। हमले के बाद इमारत से आग की लपटें निकलती देखी गईं और कई दमकल कर्मी सीढ़ियों पर चढ़कर आग बुझाने की कोशिश में जुटे थे। घटनास्थल पर मौजूद एक दमकलकर्मी ने हादसे में एक व्यक्ति के मारे जाने की पुष्टि की है। कई लोगों को वहां से निकाला गया है। अब भी इमारत में कई लोगों के फंसे होने की आशंका है।

मारियुपोल में अजोव बटालियन द्वारा विस्फोट से ली गई तस्वीर में कई इमारतों से उठने वाले काले धुएं का एक दृश्य।

यूक्रेन से 30 लाख से ज्यादा लोग दूसरे देशों में गए

जिनेवा। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन का कहना है कि पिछले महीने रूसी आक्रमण के बाद से 30 लाख से अधिक लोग यूक्रेन से भाग गए हैं। इस बात के भी संकेत दिए गए हैं कि करीब एक लाख 57 हजार अन्य देशों के नागरिक – जो लोग यूक्रेनी नहीं हैं– वह भी देश छोड़कर जाने वालों में शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से इसे यूरोप में सबसे बड़ा शरणार्थी संकट कहा है। आईओएम के प्रवक्ता पॉल डिलन ने मंगलवार को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र समाचार ब्रीफिंग में कहा कि कुल संख्या राष्ट्रीय अधिकारियों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से संकलित की गई। आईओएम की तुलना में अधिक विस्तृत गणना प्रदान करने वाली संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी, यूएनएचसीआर ने बताया है कि 18 लाख से अधिक शरणार्थी पोलैंड में थे। यूएनएचसीआर के प्रवक्ता मैथ्यू साल्टमार्श ने कहा कि लगभग वहां से लगभग तीन लाख शरणार्थी पश्चिमी यूरोप चले गए थे और उन्होंने कहा कि देश से निकलने वालों में अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं।

संघर्ष में महिलाओं को सबसे ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महिला एजेंसी की प्रमुख ने सोमवार को कहा कि सभी संकटों और संघर्षों में महिलाएं और लड़कियां सबसे अधिक कीमत चुकाती हैं और म्यांमा, अफगानिस्तान से लेकर साहेल और हैती के बाद अब यूक्रेन का भयानक युद्ध उस सूची में शामिल हो गया है। अवर महासचिव सीमा बहौस ने महिलाओं की स्थिति पर आयोग की वार्षिक बैठक के उद्घाटन सत्र के दौरान कहा कि हर गुजरते दिन के साथ युद्ध यूक्रेन की महिलाओं और लड़कियों के जीवन, आशाओं और भविष्य को नुकसान पहुंचा रहा है। बहौस ने उन पुरुषों का उल्लेख नहीं किया जो यूक्रेन की लड़ाई में मारे जा रहे हैं और घायल हुए हैं, हालांकि उन्होंने कहा, मैं प्रार्थना करती हूं कि महिलाएं और वे सभी जो संघर्ष का सामना कर रहे हैं, उन्हें जल्द ही शांति मिले। इस वर्ष दो सप्ताह के बैठक का प्राथमिक विषय जलवायु परिवर्तन से निपटने में महिलाओं को सशक्त बनाना है। यह कोविड-19 महामारी के बाद तीन वर्षों में महिलाओं की स्थिति पर आयोग का पहला निजी सत्र है। बहौस ने कहा, जैसा कि सभी संकटों के साथ होता है, जलवायु परिवर्तन भी महिलाओं और लड़कियों से इसकी सबसे अधिक कीमत वसूलता है। यूएन वूमेन की कार्यकारी निदेशक बहौस ने कहा कि यह उन लोगों के लिए विशेष रूप से सच साबित होता है जो पहले से ही पीछे छूट चुकी होती हैं। महिलाओं के ऊपर घर संभालने की जिम्मेदारी आ जाती है, ग्रामीण महिलाएं, युवा लड़कियां स्कूल नहीं जा पाती हैं क्योंकि उन्हें सूखे के समय पानी लाने के लिए दूर जाना पड़ता है। भूमिहीन, वृद्ध और आर्थिक रूप से कमजोर महिलाएं इसका आसान निशाना बनती हैं। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतेरेस ने कहा कि दुनिया अभी भी पुरुष-प्रधान है। जलवायु संकट, प्रदूषण, मरुस्थलीकरण और जैव विविधता के नुकसान के साथ-साथ कोविड-19 महामारी और यूक्रेन युद्ध तथा अन्य संघर्षों का असर सभी को प्रभावित करता है।

म्यांमा में सेना नागरिकों को निशाना बना रही है : प्रत्यक्षदर्शी

बैंकॉक। पूरी दुनिया की निगाहें एक ओर जहां यूक्रेन पर हुए युद्ध पर टिकी हुई हैं, वहीं म्यांमा की सेना हवाई और जमीनी हमले करके बड़े पैमाने पर नागरिकों को निशाना बना रही है। दक्षिणपूर्वी एशियाई देश में युद्ध क्षेत्र में करीब तीन महीने रहने वाले एक राहत कर्मी ने यह जानकारी दी है। एक मानवीय सहायता संगठन फ्री बर्मा रेंजर्स के निदेशक डेविड इयुबैंक ने कहा कि सेना के विमान और हेलीकॉप्टर पूर्व म्यांमा के इलाकों में लगातार हमले कर रहे हैं, जहां नागरिकों को चिकित्सीय और खाद्य सहायता मुहैया करा रहे वह और उनके स्वयंसेवी संघर्ष में फंस गए थे। उन्होंने बताया कि जमीन पर भी सैनिक अंधाधुंध गोलाबारी कर रहे हैं, जिससे हजारों लोग अपने घरों को छोड़कर जा चुके हैं। इयुबैंक ने बताया कि यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से म्यांमा में संभवत: सबसे भयानक लड़ाई है।

यूक्रेन में जारी रूसी हमलों के बीच कीव का दौरा करेंगे नाटो नेता

कीव। नाटो के तीन सदस्य देशों के नेताओं के कीव का दौरा करने की योजना के बीच रूसी बलों ने मंगलवार को यूक्रेनी राजधानी के मध्य क्षेत्र के करीब हमले शुरू कर दिए। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक, रूसी बलों ने मध्य कीव के पास एक आवासीय क्षेत्र पर गोले दागे, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि रूसी हमले में कम से कम एक व्यक्ति मारा गया, जबकि 15 मंजिला आवासीय इमारत में निकासी अभियान प्रभावित होने से दर्जनों अन्य लोग वहां फंसे रहे।

रूसी हमले इतने तीव्र थे कि उनसे पैदा कंपन से उस सबवे स्टेशन का प्रवेश द्वार नष्ट हो गया, जिसका इस्तेमाल बम विस्फोटों से बचने के लिए आश्रय स्थल के रूप में किया जा रहा था। अधिकारियों ने सबवे स्टेशन के नष्ट द्वार की तस्वीरें साझा कीं और कहा कि संबंधित स्टेशन पर अब कोई भी ट्रेन नहीं रुकेगी। पोलैंड, चेक गणराज्य और स्लोवाकिया के नेता यूक्रेन के प्रति समर्थन दर्शाने के यूरोपीय संघ (ईयू) के एक अभियान के तहत मंगलवार को कीव का दौरा करेंगे। चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री पेट्र फियाला ने ट्वीट किया, दौरे का मकसद यूक्रेन और उसकी आजादी को लेकर यूरोपीय संघ का स्पष्ट समर्थन जताना है। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री जेनेज जाना, पोलैंड के प्रधानमंत्री मैत्यूज मोरावेकी और देश में सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी के प्रमुख एवं सुरक्षा मामलों के उप-प्रधानमंत्री जरोसला केजिंस्की भी फियाला के साथ कीव जाएंगे। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के 21वें दिन दोनों देशों के मध्यस्थों में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन बातचीत होनी है। बंदरगाह शहर मारियुपोल से 160 यात्री कारों का एक काफिला मंगलवार को निर्धारित निकासी मार्ग के रास्ते बाहर निकला, जिससे आने वाले दिनों में और नागरिकों के वहां से बाहर निकलने की उम्मीद जगी है।

यूक्रेन युद्ध से यूरोप की अमेरिकी सुरक्षा पर हो सकता है पुनर्विचार

वाशिंगटन। यूक्रेन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के युद्ध और यूरोप में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था को खत्म करने के उनके प्रयास से महाद्वीप की रक्षा के बारे में अमेरिकी सोच में ऐतिहासिक बदलाव आ सकता है। यह इस पर निर्भर करेगा कि पुतिन कितनी दूर जाते हैं, इसका मतलब यूरोप में अमेरिकी सैन्य शक्ति का ऐसा जमावड़ा हो सकता है जैसा शीत युद्ध के बाद से नहीं देखा गया। यूरोप में व्यापक अमेरिकी सैन्य मौजूदगी की संभावना सिर्फ दो साल पहले की तुलना में ज्यादा उल्लेखनीय बदलाव है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2020 में अपने उस तर्क के तहत हजारों अमेरिकी सैनिकों को जर्मनी से बुलाने का आदेश दिया कि यूरोपीय अपात्र सहयोगी हैं।

हालांकि पद ग्रहण करने के कुछ ही दिनों बाद, राष्ट्रपति जो बाइडन ने वापसी की प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही उस पर रोक लगा दी और जब उनके प्रशासन ने चीन को अमेरिकी सुरक्षा के लिए मुख्य दीर्घकालिक खतरे के रूप में पहचानते हुए नाटो के महत्व पर जोर दिया। इसके बाद यूक्रेन पर रूस का हमला हो गया। रूस में अमेरिकी के पूर्व राजदूत और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के पूर्व उप महासचिव रहे एलेग्जेंडर वेर्षबो ने कहा, हम रूस के साथ निरंतर टकराव के एक नए युग में हैं। उनका तर्क है कि और अधिक खतरनाक रूस से निपटने के लिए अमेरिका को नाटो सहयोगियों के सहयोग से ज्यादा मजबूत रुख स्थापित करने की आवश्यकता होगी। विशेष रूप से पूर्वी यूरोप में यह जरूरी है जहां रूस की निकटता उन तीन बाल्टिक राष्ट्रों के लिए एक समस्या बन गई है जो पूर्व सोवियत राष्ट्र हैं।ब्रसेल्स में नाटो मुख्यालय में दूसरे दौर के यूक्रेन परामर्श के लिए मंगलवार को रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन यूरोप जा रहे हैं। वह पूर्वी यूरोप के दो नाटो राष्ट्रों – स्लोवाकिया और बुल्गारिया– का दौरा करेंगे। स्लोवाकिया की सीमा यूक्रेन से लगती है। पिछले महीने नाटो की एक बैठक के बाद ऑस्टिन ने पोलैंड और लिथुआनिया का दौरा किया था।

महज पिछले दो महीनों में, यूरोप में अमेरिका की उपस्थिति लगभग 80,000 सैनिकों से बढ़कर करीब 100,000 हो गई है, जो कि लगभग उतनी ही है जितनी 1997 में थी जब अमेरिका और उसके नाटो सहयोगियों ने गठबंधन का विस्तार शुरू किया जिसे पुतिन ने रूस के लिए खतरा बताते हुए कहा था कि ऐसा नहीं किया जाना चाहिए।

तुलनात्मक रूप से, 1991 में जिस साल सोवियत संघ का विघटन हुआ तब पेंटागन (अमेरिकी रक्षा मंत्रालय) के रिकॉर्ड के अनुसार, अमेरिका के यूरोप में 305,000 सैनिक थे, जिसमें अकेले जर्मनी में 224,000 सैनिक मौजूद थे। इसके बाद यह संख्या लगातार गिरती गई, 2005 में 101,000 तक पहुंच गई और हाल ही में 2020 तक यह और घटकर लगभग 64,000 तक पहुंच गई। इस साल इलाके में हुई अमेरिकी सैनिकों की बढ़ोतरी को अस्थाई बताया गया है, लेकिन यह निश्चित नहीं है कि वे कितने समय तक वहां रहेंगे।

कीव में रूस की बमबारी में अपार्टमेन्ट के क्षतिग्रस्त होने पर टूटी हुई खिड़की से देखती हुई।

पाक ने मिसाइल मामले पर भारत की प्रतिक्रिया को खारिज किया, संयुक्त जांच की मांग की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने मंगलवार को भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा एक मिसाइल के अचानक चल जाने के बारे में संसद में दिए गए जवाब को अपूर्ण और अपर्याप्त बताते हुए खारिज कर दिया और एक बार फिर घटना की संयुक्त जांच की मांग की। कुरैशी ने नौ मार्च को भारत से मिसाइल दागे जाने के साथ-साथ 22-23 मार्च को पाक द्वारा आयोजित किए जा रहे इस्लामिक सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की परिषद के बारे में विस्तार से बात की। कुरैशी ने पिछले सप्ताह इस्लामाबाद द्वारा की गई मांग को दोहराते हुए कहा, भारत के रक्षा मंत्री ने लोकसभा में जो कहा वह अधूरा और अपर्याप्त है। यह पाक को संतुष्ट करने के लिए काफी नहीं है। मैं इसे खारिज करता हूं और संयुक्त जांच की मांग करता हूं। कुरैशी ने कहा, यह बेहद गैरजिम्मेदाराना हरकत थी और दिया गया जवाब भी उतना ही गैर जिम्मेदाराना है। दुर्घटनावश मिसाइल चलने की घटना पर खेद प्रकट करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को संसद में कहा कि सरकार ने इस घटना को बहुत ही गंभीरता से लिया है तथा उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

इस घटना पर पहले राज्यसभा और बाद में लोकसभा में दिए गए बयान में रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की मिसाइल प्रणाली अत्यंत सुरक्षित और भरोसेमंद है तथा देश का रक्षा प्रतिष्ठान सुरक्षित प्रक्रियाओं तथा मानकों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। सिंह ने कहा, नौ मार्च को अनजाने में जो मिसाइल चल गई, उसके लिए खेद है। रक्षा मंत्री ने कहा कि मिसाइल यूनिट के नियमित रख-रखाव और निरीक्षण के दौरान गलती से एक मिसाइल छूट गई। बाद में पता चला कि मिसाइल पाकिस्तान के इलाके में गिरी थी और यह घटना खेदजनक है। कुरैशी ने अफसोस जताया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय भारतीय मिसाइल प्रक्षेपण की गंभीरता को महसूस करने में विफल रहा है जबकि यह परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम था और इसके परिणामस्वरूप परमाणु विस्फोट हो सकता था। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा, एक तरफा जांच पर्याप्त नहीं है। इसका प्रभाव क्षेत्र से बहुत दूर हो सकता है, क्योंकि मिसाइल एक युद्धक सामग्री ले जाने में सक्षम थी। यह कहना कि यह एक दुर्घटना थी, यह पर्याप्त नहीं है। हमारी वायु सेना हालात को सही से नहीं संभालती तो मिसाइल दागे जाने की घटना पर उसी तरह की आकस्मिक प्रतिक्रिया हो सकती थी। क्या लोगों को इसके निहितार्थ और परिणामों का एहसास है? यह बहुत गंभीर है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मुद्दे के महत्व को महसूस करते हुए इस बारे में पूछे गए सवाल को टाल दिया और स्पष्ट रुख नहीं अपनाया।

कानूनी विद्वान की अमेरिका में हत्या

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। चीन में 1989 के थ्यानमेन चौक लोकतंत्र समर्थक आंदोलन में भाग लेने के बाद दो साल तक जेल की सजा काटने वाले असंतुष्ट कानूनी विद्वान ली जिनजिन (66) की न्यूयॉर्क में उनकी कानूनी कम्पनी के कार्यालय में सोमवार को हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

PUBLIC NOTICE

The General Public is hereby informed that the Maharaja Saini CGHS Ltd. Plot No. 25. Sec-12, Dwarka is recommending the names of the following members to the Registrar of Cooperative Societies Parliament Street New Delhi:
1. Madhu Jain M.S. 282
2. Sunil Dev M.S. 315
3. Shyam Lal Rastogi M.S. 284
4. Navin Saraswat M.S. 329
Any person having objections to the said recommendation may submit his/her objection to the society office within 15 days of the publication of the present notice so that appropriate action may be taken by the society.
THE PRESIDENT/SECRETARY
Plot No. 25, Sector-12, Dwarka, New Delhi-75

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that I, HIMANSHU VAID S/O CHANDER MOHAN VAID R/o LIG Flat No. 77-A, Ground Floor, Pocket-FG-1, Block-F, Vikaspuri, New Delhi-110018. I am the legal owner of LIG Flat No.77-A,Ground Floor,Pocket-FG-1, Block -F, Vikas Puri, New Delhi-110018, FILE NO. L-7 (351)1983/ NPRS/ Vp which is allotted by the DDA.Original Possession Letter of the above Plot has been lost. An FIR/NCR to this effect has lodged in P. S. Crime Branch, Delhi vide LR No. 216115/2022, Dated-14-03-2022. Any person (s)claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents,may write/contact with above named person at above address/ph no. 9871927455 within 15 days from the date of publication of this notice. Any person claiming any right, interest, or having any objections with respect to this property can also personally inform/contact me.

PUBLIC NOTICE

I, Vijay Singh, S/O Hari Singh, R/o H no D-8/26, 3rd Floor, DLF Ankur Vihar Loni, Ghaziabad, UP. I Have Lost DDA original demand letter/ allotment letter, original possession letter, original site possession letter & original lease-deed & Bank Chalaans of H no 410, Pocket & Block D-16 Sector-7 Rohini, Delhi.
If anybody have information of these documents then please contact me at +91 8851979333

PUBLIC NOTICE

The general public is hereby informed that my Client has entered into an Agreement to Sell in respect of property bearing No. A-34, Gulmohar Park, New Delhi with its owner, Mr. Har Prasad Gupta. Under the said Agreement, my Client has made advance payment towards the agreed sale consideration of the said Property to Mr. Har Prasad Gupta. The Public at large is hereby informed not to deal with the said property in any manner whatsoever. If any person deals with the said property, it shall be at his/her on risk and peril.
SONALI CHOPRA
Advocate
D-680/2013
+91 9999728767
sc@sonalichopra.co

PUBLIC NOTICE

It is hereby, informed to the general public that, I, Chander Prakash Mittal, S/O Hardwarilal Vaish, R/o 84-A, 2nd Floor, Bharat Nagar, New friends Colony, New Delhi- 110025. INDIA, have lost the Original Provisional Allotment Letter issued by Jaiprakash Associates Limited in respect of Unit bearing No. SEA Court, Tower – 2, Flat no. 104 in Jaypee project, situated at Jaypee Greens, Noida/ Greater Noida/ Sports City. Any one finding the said document is requested to kindly return the same to me or to the company.
Name: Akhil Mittal
Address: 84-A, 2nd Floor, Bharat Nagar, New friends Colony, New Delhi-110025. INDIA
Mobile No.: 9811090403
Email Id: akhil@laangza.com

रूस के सरकारी टेलीविजन चैनल पर एक लाइव कार्यक्रम में महिला ने यूक्रेन युद्ध का किया विरोध

न्यूयॉर्क। रूस के सरकारी टेलीविजन चैनल पर एक समाचार कार्यक्रम के दौरान सोमवार शाम एक महिला यूक्रेन में रूस के आक्रमण का विरोध करते हुए एक पोस्टर पकड़े स्टूडियो में घुस गई। देश में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के विरोध में उठाया गया यह काफी साहसी कदम है, वह भी ऐसे समय में जब रूस देश में स्वतंत्र मीडिया को अवरुद्ध या बंद करने के पूरे प्रयास कर रहा है और युद्ध को लेकर सरकार की नीतियों के खिलाफ कोई भी खबर दिखाना अपराध की श्रेणी में आता है।

समाचार कार्यक्रम के दौरान अचानक एक महिला एंकर के पीछे एक पोस्ट लिए नजर आने लगी, जिस पर अंग्रेजी में युद्ध नहीं लिखा था। इसके नीचे रूसी में एक संदेश था, जिसमें लोगों से रूसी प्रचार पर विश्वास न करने का आह्वान किया गया था। महिला के स्क्रीन पर दिखते ही चंद सेकंड में कार्यक्रम में अन्य क्लिप चला दी गई। रूस का सरकारी टेलीविजन नियमित रूप से सरकारी नीतियों को बढ़ावा दे रहा है और उसका कहना है कि सैनिकों ने यूक्रेन में नव-नाजियों से लोगों को बचाने और हमला करने की तैयारी कर रहे देश से रूसियों की रक्षा करने के लिए प्रवेश किया है।

राजनीतिक गिरफ्तारियों पर नजर रखने वाले एक स्वतंत्र मानवाधिकार समूह ने गिरफ्तार की गई महिला की पहचान मरीना ओव्स्यानिकोव के तौर पर की है। समूह ओवीडी-इंफो ने अपनी वेबसाइट पर महिला का एक वीडियो साझा किया। उसमें महिला ने कहा, अब जो हो रहा है वह अपराध है। रूस एक हमलावर देश है और इस आक्रामकता के लिए पूरी तरह से (रूसी के राष्ट्रपति) व्लादिमीर पुतिन जिम्मेदार हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी मंगलवार तड़के एक वीडियो संदेश में मरीना ओव्स्यानिकोव की सराहना की।

गेहूं पर निर्भर गरीब देशों पर यूक्रेन युद्ध की मार पड़ रही है : संरा प्रमुख

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने आगाह किया है कि यूक्रेन के खिलाफ रूस का युद्ध वैश्विक अर्थव्यवस्था खासतौर से गरीब विकासशील देशों पर एक आसन्न आपदा पैदा कर रहा है। ए गरीब देश खाद्य पदार्थ, ईंधन और उर्वरकों की आसमान छूती कीमतों का सामना कर रहे हैं और गेहूं के अपने खेतों पर बमबारी होते हुए देख रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने सोमवार को पत्रकारों से कहा कि दुनिया में सूरजमुखी के तेल की आधी से अधिक आपूर्ति और करीब 30 फीसदी गेहूं रूस और यूक्रेन से आता है और अनाज की कीमतें पहले ही बढ़ गई हैं।

उन्होंने कहा कि 45 अफ्रीकी और कम विकासशील देश अपने गेहूं का कम से कम एक तिहाई हिस्सा यूक्रेन और रूस से मंगाते हैं और उनमें से 18 देश कम से कम 50 प्रतिशत आयात करते हैं। इन देशों में मिस्र, कांगो, बुर्किना फासो, लेबनान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल हैं।गुतारेस ने आगाह किया, इस सबसे गरीबों पर सर्वाधिक मार पड़ रही है और दुनियाभर में राजनीतिक अस्थिरता और अशांति के बीज पड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सबसे अधिक कमजोर देश पहले ही कोविड-19 से उबरने की कोशिश कर रहे हैं और रिकॉर्ड महंगाई, बढ़ती ब्याज दरें और कर्ज से जूझ रहे हैं।संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक डेविड बीसले ने यूक्रेन के पश्चिमी शहर ल्वीव की यात्रा के दौरान कहा कि एजेंसी 12.5 करोड़ लोगों को भोजन खिलाने के लिए जो अनाज खरीदती है उसका 50 फीसदी यूक्रेन से आता है। उन्होंने कहा, इसलिए इस युद्ध का वैश्विक विनाशकारी असर पड़ने जा रहा है।

गुतारेस ने तत्काल युद्ध बंद करने और शांति के लिए गंभीर वार्ता करने की बात दोहराई। उन्होंने यूक्रेन में भोजन, पानी और दवा की अहम आपूर्ति के लिए संयुक्त राष्ट्र के आपात कोष से चार करोड़ डॉलर की अतिरिक्त सहायता देने घोषणा की। यूक्रेन में कम से कम 19 लाख लोग विस्थापित हो गए हैं और 28 लाख से अधिक लोग यूक्रेन से अन्य देशों में भाग गए हैं। संयुक्त राष्ट्र की बच्चों के लिए काम करने वाली एजेंसी यूनीसेफ, विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र आबादी निधि ने कहा, भयानक हमले मरीजों और स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों को गंभीर चोटें पहुंचा रहे हैं और उन्हें मार रहे हैं और अहम स्वास्थ्य बुनियादी ढांचों को नष्ट कर रहे हैं।

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय:** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्ज़दारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।
कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	मयंक मल्होत्रा/ प्रियंका मल्होत्रा- LBJAI00004865936	फ्लैट नंबर 901 और 903, 9वीं मंजिल, ब्लॉक ए, ऑरिक प्राइम सूट ग्रुप हाउसिंग, खसरा नंबर 994/1, 1001/1, 1002 गांव जयसिंहपुरा, भांकरोटा, अजमेर रोड, जयपुर, राजस्थान, जयपुर- 302011/ 10 मार्च, 2022	अक्टूबर 16, 2021 ₹ 42,12,569.00/-	दिल्ली/ गुडगाँव/ जयपुर
2.	ईश्वर दयाल सिंह/ महाश्वेता सिंह- LBJAI00004105924	फ्लैट नंबर ई-301, तीसरी मंजिल, उमा आंगन, ब्लॉक ई, खसरा नंबर 49/1,49/2, ग्राम मुकुंदपुरा, अजमेर रोड, जयपुर, राजस्थान, जयपुर- 303006/10 मार्च 2022	अगस्त 30, 2021 ₹ 28,41,052.00/-	दिल्ली/ जयपुर

उपरोक्त दर्शाये गये कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक: मार्च 16, 2022
स्थान: दिल्ली/एनसीआर (गुडगाँव)
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

बुनकरों पर कोविड-19 की मार

बिहार के बुनकरों पर कोविड-19 ने काफी बुरा असर डाला है, पेश है जूही स्मिता की एक रिपोर्ट।

बिहार के गया जिले के रामपुर गांव की प्रियंका देवी और उनका परिवार कई पीढ़ियों से भेड़ के ऊन से कंबल बुन रहा है. हालाँकि, कोविड -19 के प्रकोप और उसके बाद के लॉकडाउन ने इस सदियों पुराने व्यवसाय को बनाए रखना मुश्किल बना दिया है। ''लॉकडाउन के कारण, हमें अपने कंबल बेचने में मुश्किल हो रही थी। कोई विकल्प न होने के कारण, हम उन्हें औने-पौने दाम पर बेचने के लिए बाध्य थे। इसने हमारी वित्तीय स्थिति को अपरिवर्तनीय रूप से प्रभावित किया है। मैं इस स्थिति से बाहर निकलने का रास्ता खोजने में असमर्थ हूं'', प्रियंका ने व्यक्त किया, जो कारीगरों के लिए बनाई गई किसी भी सरकारी योजना से अनजान हैं और सोचती हैं कि महामारी ने विशेष रूप से निम्न-आय वर्ग के लिए बाजारों को बाधित कर दिया है।

वर्तमान में, वह स्थानीय व्यापारियों से प्राप्त होने वाले आदेशों से कुछ पैसे कमाती है, लेकिन वे पूरा करने के लिए अपर्याप्त हैं। जबकि प्रियंका अभी भी बुनाई के माध्यम से खुद को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है, उसी गांव की एक अन्य निवासी आरती कुमारी को व्यवसाय छोड़ने के लिए मजबूर किया गया है। तालाबंदी के दौरान वित्तीय संकट इतना गंभीर था कि वह इसे जारी रखने का जोखिम नहीं उठा सकती थी।

पटना जिले के पालीगंज प्रखंड के सिंगोडी गांव के बुनकरों पर भी बाजार नहीं होने का असर पड़ा है। यह गांव 1,500 बुनकरों के परिवारों का घर है, जिनमें से 500 अभी भी यहां काम कर रहे हैं। पहले, इस क्षेत्र में 500 करघे चालू थे, आज केवल 100 हैं। बुनकरों के हितों को बढ़ावा देने के लिए प्राथमिक बुनकर सहकारी के रूप में जानी जाने वाली एक स्थानीय समिति इस क्षेत्र में काम कर रही है। इसके अध्यक्ष फ़याज़ अहमद ने बुनकरों को होने वाली परेशानी की ओर इशारा करते हुए कहा, ''पांच साल पहले उनकी स्थिति काफी अच्छी थी, लेकिन कोविड -19 के पिछले दो वर्षों में उनकी वित्तीय स्थिति बुरी तरह प्रभावित हुई है। 30 लाख का माल बिना बिका पड़ा है। दिन-रात काम करने वाले बुनकर अब कुछ घंटों के लिए ही काम कर रहे हैं।''

अहमद ने सरकार की ओर से पर्दों के लिए मौखिक आदेश मिलने का जिक्र किया, जिसे उन्होंने तैयार कर लिया है, लेकिन अभी तक उत्पादों की डिलीवरी नहीं हुई है. इसलिए, उन्होंने संबंधित विभागों से केवल पूंजी की तुलना में अधिक बाजार के रास्ते उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

बिहार के नवादा जिले में हथकरघा रेशम क्षेत्र में काम करने वाले शैलेंद्र कुमार ने इस बात पर प्रकाश डाला कि वह जिस सहकारी समिति से ताल्लुक रखते हैं, उसी तरह उन्हें एक बड़ा नुकसान हुआ था। नवादा, कादिरगंज और गोपालगंज के लगभग 800 बुनकर सहकारी समितियों के सदस्य हैं, जो कोविड -19 से प्रमुख रूप से प्रभावित हुए हैं। ''पिछले दो वर्षों से पहले, हमें दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में आयोजित सरस मेला और राष्ट्रीय प्रदर्शनियों जैसी प्रदर्शनियों से भारी ऑर्डर मिले थे। लेकिन, पिछले दो साल में कारोबार में 40-50 फीसदी की कमी आई है। जैसा कि आप जानते हैं, रेशम काफी महंगा है, बुनकरों के लिए बाजार के बेहतर अवसरों की कमी के कारण काम की गुणवत्ता खराब होती है'', शैलेंद्र ने कहा।

सिंगोडी गांव में 1,500 बुनकरों के परिवारों का घर है, जिनमें से 500 अभी भी यहां काम कर रहे हैं। पहले, इस क्षेत्र में 500 करघे चालू थे, आज केवल 100 हैं।

इसी तरह बिहार के नालंदा जिले के बिहारशरीफ निवासी कपिल देव प्रसाद की भी किस्मत है, जो पिछले 50 सालों से बावन बूटी साड़ी और बेडकवर बना रहे हैं. बसवान बीघा प्राथमिक बुनकर सहकारी समिति के सदस्य कपिल ने जोर देकर कहा कि नई पीढ़ी कम मुनाफे के कारण इस काम को जारी रखने में संकोच कर रही है।

अररिया जिले के सिकटी प्रखंड के भापटिया गांव के रहने वाले और जूट बुनकर अशोक सिंह का मानना है कि संबंधित विभागों को बुनकरों का एक समूह बनाकर मौजूदा बाजार के बारे में नियमित अपडेट देना चाहिए. उन्हें उत्पादन में भी मदद की जानी चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियों तक उनका काम जारी रह सके।

वर्तमान परिदृश्य में जहां सब कुछ ऑनलाइन मोड में स्थानांतरित हो गया है, महफिल-ए-कलेन ओबरा प्राइमरी वीवर्स कोऑपरेटिव कमेटी लिमिटेड के राज नंदन ने ई-मार्केट के बढ़ते महत्व पर जोर दिया। ''बुनाई के लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है, लेकिन बुनकर उचित लाभ नहीं उठा पाते हैं। यह सरकार को ई-मार्केट और ई-कॉमर्स पर बुनकरों के कौशल को अद्यतन करने की दिशा में काम करने का आह्वान करता है, खासकर कोविड -19 जैसे समय के दौरान'', राज ने व्यक्त किया।

दिल्ली स्थित बांका सिल्क प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक उद्यान सिंह ने भागलपुर और बांका में रेशम हथकरघा के कारीगरों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों की जानकारी दी. उनके मुताबिक वे लगातार कारीगरों को नई तकनीक और बाजार में किस तरह की प्रतिस्पर्धा के बारे में जानकारी दे रहे हैं. इसके अलावा, फैशन डिजाइनर कारीगरों को कपड़े के बारे में शिक्षित करते हैं और इसके साथ कैसे काम करते हैं।

''हम बिहार सरकार के साथ निर्यात नीतियों पर लगातार काम कर रहे हैं और राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) से समर्थन प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में, भागलपुर और बांका के बुनकरों के उत्पादों को कनाडा में वैंकूवर और टोरंटो में स्टोर में निर्यात किया गया था। उनके उत्पादों को आने वाले महीनों में नीदरलैंड, दुबई और अन्य देशों में भी निर्यात किया जाएगा।''

दूसरी ओर, प्रशासन निस्संदेह बुनकरों को एक पहचान देने की कोशिश कर रहा है। राज्य के सभी बुनकरों को कार्यशील पूंजी प्रदान की जा रही है, जिसमें राज्य सरकार उनके बैंक खातों में 10,000 रुपये जमा करती है। इसके अलावा, राज्य सरकार बुनकरों को 'प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना' का लाभ प्रदान करने के लिए सालाना योगदान देती है। कई योजनाओं की उपलब्धता के बावजूद, वर्तमान कोविड -19 स्थिति इन कारीगरों की आजीविका को बनाए रखने में मदद करने के लिए दीर्घकालिक लक्ष्यों के साथ विशेष 'अल्पकालिक' नीतियों के निर्माण की मांग करती है।

(लेखक बिहार के स्वतंत्र लेखक हैं।)

पर्यावरण हितैषी वस्तुओं का करें प्रयोग

अपने बटुए के साथ वोट करने का अर्थ है कि उपभोक्ताओं को अपने कार्बन पदचिह्न को कम करने के बारे में चिंतित होना चाहिए, लेकिन स्थायी व्यापार प्रथाओं को अनिवार्य करने के लिए नीति निर्माताओं को सोचना चाहिए। सचिन सेंगर का लेख

हम सभी ने कई बार सुना है कि पर्यावरण के पैरोकार और स्थिरता के प्रति उत्साही कहते हैं कि हमें अपने बटुए के साथ मतदान करना चाहिए। हम, उपभोक्ताओं के रूप में, लोगों और दुनिया की परवाह करने वाले स्थायी ब्रांडों का चयन करके बाज़ार और दुनिया को बदलने की शक्ति रखते हैं। सतह पर, यह एक शानदार विचार की तरह लगता है। इस तरह की उपभोक्ता कार्रवाई व्यवसायों पर अपने ऑपरेटिंग मॉडल और प्रथाओं को बदलने के लिए बहुत दबाव डाल सकती है। यह संस्थागत निवेशकों के लिए उन व्यवसायों के बारे में संकेत हो सकता है जो उपभोक्ताओं को आकर्षित करते हैं और इसलिए, निवेश करने लायक हैं। यह स्थायी रूप से दिमाग वाले उद्यमियों को अपने विचारों को वास्तविकता में बदलने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है।

कई कंपनियों को फसलों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, पानी की उपलब्धता और चरम मौसम की स्थिति के कारण जोखिम का सामना करना पड़ता है; अवसर भी हैं। अवसर का एक क्षेत्र व्यवसाय संचालन से उत्पन्न होने वाले ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन को कम करना है ताकि ग्रह पर कंपनी के प्रभाव को कम किया जा सके और अधिक ऊर्जा कुशल बनकर बॉटम-लाइन लाभप्रदता में सुधार किया जा सके। कई कंपनियां भविष्य के जीएचजी में अपने योगदान को कम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं

उत्सर्जन, जोखिमों की संभावना को कम करना।

कंपनी के व्यवसाय संचालन पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने का एक अन्य अवसर जल स्थिरता और जल उपयोग प्रथाओं में सुधार है। पानी किसी भी कंपनी के मुख्य व्यवसाय के लिए आवश्यक है क्योंकि यह उत्पादन प्रक्रिया का एक आवश्यक इनपुट है। जल स्थिरता में सुधार के प्रयास इसके स्वामित्व वाले संचालन (संयंत्रों) और आपूर्ति श्रृंखला भागीदारों दोनों तक फैले हुए हैं। ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से हमारे बटुए के साथ मतदान स्थायी खपत में तब्दील नहीं होता है।

- अपने बटुए से मतदान करना अभी भी हमें चीजें खरीदने के लिए प्रेरित करता है। यह हमें एक कदम पीछे हटने और हमारे पुराने और अक्सर तुच्छ उपभोक्तावाद पर पुनर्विचार करने के लिए नहीं कहता है, जो प्रदूषण सहित कई मुद्दों से जुड़ा है, जो प्लास्टिक के कारण हो रहा है, लैंडफिल का अतिप्रवाह, और उत्पाद क्रैडल-टू-ग्रे कार्बन उत्सर्जन।
- एक आसन्न इक्विटी और अभिगम्यता का मुद्दा है क्योंकि स्थायी उत्पाद पारंपरिक उत्पादों की तुलना में काफी महंगे हैं। यह गरीब समुदाय हैं जो अस्थिर व्यवसायों द्वारा असमान रूप से प्रभावित होते हैं। जबकि सबसे गरीब लोगों के पास अपने बटुए के साथ वोट करने के लिए ज्यादा पैसा नहीं है, शोध से पता चलता है कि अगर विकल्प स्पष्ट और आसान नहीं हैं, तो बेहतर के लिए भी उनका उपयोग किया जाता है (जो आमतौर पर टिकाऊ उत्पाद नहीं होते हैं)।
- यह व्यवसायों को अधिक टिकाऊ नहीं बनने बल्कि अधिक स्थिरता का संकेत देने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसलिए एक वास्तविक जोखिम है कि हमारे बटुए के साथ मतदान करने से उल्टा हो सकता है और अधिक हरी धुलाई और एक और आदर्श संकेतन हो सकता है (जैसे कई कंपनियां दावा करती हैं कि ब्लैक लाइव्स मैटर जब वे सार्थक परिवर्तन नहीं कर रहे हैं)।
- यह उपभोक्ताओं पर भार डालता है, व्यवसायों पर नहीं। आर्थिक सिद्धांत के अनुरूप, विश्वास यह है कि :
- उपभोक्ताओं के पास विभिन्न विकल्पों को तौलने के लिए बहुत समय है और कर सकते हैं
- सही चुनाव करने के लिए सटीक जानकारी प्राप्त करें - जो दोनों वास्तविक नहीं हैं। वास्तविक दुनिया में, यह पता लगाना आसान नहीं है कि कौन से ब्रांड टिकाऊ हैं क्योंकि टिकाऊ उत्पादों की पहचान करना और खरीदना आसान काम नहीं है।

लैपटॉप और स्मार्टफोन जैसी कुछ श्रेणियों में वास्तव में टिकाऊ उत्पाद खरीदना लगभग असंभव है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उत्पादों के निर्माण के लिए आवश्यक खनिजों का वास्तविक निष्कर्षण और खनन मुख्य रूप से आउटसोर्स किया जाता है और कंपनी से कई डिग्री दूर है।

जो लोग टिकाऊ होने की सबसे ज्यादा परवाह करते हैं, वे खुद को आर्थिक गतिविधियों से दूर कर लेते हैं और मतदान से पूरी तरह परहेज करते हैं। ये व्यक्ति वे हैं जो ग्रिड से बाहर रहते हैं, अपना भोजन उगाते हैं और ड्राइव नहीं करते हैं या उड़ते हैं या इंटरनेट का उपयोग नहीं करते हैं। टिकाऊ जीवन के उनके प्रशंसनीय प्रदर्शन के बावजूद, वे ज्यादा बदलाव लाने में सक्षम नहीं हैं क्योंकि उनके पास ऐसी प्रौद्योगिकियां और उपकरण नहीं हैं जो उन्हें जागरूकता बढ़ाने और प्रभाव डालने में सक्षम बनाती हैं। इस बीच, जो लोग स्थिरता की परवाह नहीं करते हैं, वे वही उत्पाद खरीदना जारी रखेंगे जो उन्हें संतुष्ट करते हैं।

स्पष्ट होने के लिए, बात यह नहीं है कि हमारे बटुए से मतदान करना एक बुरा विचार है जिससे हमें छुटकारा मिल जाना चाहिए। जिन लोगों के पास अपने बटुए के साथ वोट करने की विलासिता है, उन्हें स्थायी उत्पादों को चुनने की पूरी कोशिश करनी चाहिए। यह पहचानना भी महत्वपूर्ण है कि जलवायु परिवर्तन से लड़ने और शेयरधारक पूंजीवाद को हितधारक पूंजीवाद में बदलने के लिए व्यक्तिगत स्तर की कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। यह बॉटम-अप प्रयास एक भयावह भविष्य से बचने के लिए आवश्यक गति से एक अच्छे बदलाव को प्रेरित नहीं कर सकता है।

इसके अतिरिक्त, हमें इस बात से अवगत होना चाहिए कि हमारे बटुए के साथ मतदान बिल्कुल उस तरह का विचार है जिसे व्यावसायिक हित जनता को बेचना चाहते हैं - उपभोक्ताओं को अपने कार्बन पदचिह्न को कम करने के बारे में चिंतित होना चाहिए और बाजार को समस्या को स्वयं हल करने देना चाहिए, बजाय इसके कि नीति निर्माताओं से व्यवसायों पर स्थायी प्रथाओं को अनिवार्य करने का आह्वान किया।

अपने कार्यों और लोगों और ग्रह पर उनके प्रभाव के प्रति सचेत रहना आधारभूत होना चाहिए। लेकिन हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हम खुद को परेशान नहीं कर रहे हैं और आवश्यक संसाधनों को व्यवस्थित परिवर्तन करने के प्रयासों से दूर ले जा रहे हैं। हमें नीति में बदलाव करना चाहिए ताकि स्थिरता के लिए प्राथमिक जिम्मेदारी उपभोक्ताओं के बजाय व्यवसायों पर पड़े।

यहां कुछ उपाय दिए गए हैं जो हम न केवल बेहतर उपभोक्ता बल्कि बेहतर नागरिक बनने के लिए भी कर सकते हैं:-

- किसी समूह को संगठित करें या उसमें शामिल हों और प्रणालीगत परिवर्तन के लिए जोर दें। अगर हम दूसरों को प्रभावित करने और गति का निर्माण करने के लिए उनका लाभ उठाते हैं तो अलग-अलग कार्रवाइयां करें।
- हमारे बटुए से रचनात्मक रूप से वोट करने के तरीकों के बारे में सोचें। जब कुछ टूटता है, तो हम एक नया उत्पाद खरीदने के बजाय इसे सुधारने के लिए अपने बटुए का उपयोग कर सकते हैं। आप किसी उत्पाद को खरीदने के बजाय किराए पर ले सकते हैं, खासकर अगर यह ऐसा कुछ है जिसका हम अक्सर उपयोग नहीं करते हैं।
- जबकि हमें खुद को शिक्षित करने और टिकाऊ उत्पाद खरीदने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहिए, अगर हम इसे हर समय नहीं कर सकते हैं तो हमें दोषी महसूस नहीं करना चाहिए। अपने समय और मानसिक बैंडविड्थ का बुद्धिमानी से उपयोग करें - स्थिरता को बढ़ावा देने में योगदान करने के लिए हमारे लिए संभावित रूप से अधिक प्रभावशाली तरीके हैं।
- यह खुद को याद दिलाने का समय है कि हम सिर्फ उपभोक्ता नहीं हैं। हम सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण नागरिक हैं। और अपने कार्यों के बारे में विचारशील रहो; हमारे पास अपने बटुए के साथ या उसके बिना सार्थक परिवर्तन करने की शक्ति है।

(लेखक एक पर्यावरण स्टार्टअप कंपनी लोसूट के संस्थापक और सीईओ हैं।)

सृजनकर्ता पालनहार और संहारक

ईश्वर की भूमिका मानव आत्माओं को विकारों को नष्ट करने और उनकी मूल प्राचीन अवस्था को पुनः प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाकर शुद्ध करना है, कहते हैं राजयोगी ब्रह्माकुमार निकुंज जी।

दुनिया भर में, प्रत्येक भक्त आत्मा भगवान को निर्माता के रूप में और रक्षा और पोषण करने वाले के रूप में याद करती है। ईश्वर के तीन दैवीय कृत्यों - सृजन, पालना और विनाश - में से अंतिम को सही परिप्रेक्ष्य में समझने की आवश्यकता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि जब भूकंप, चक्रवात और सूनामी जैसी विनाशकारी प्राकृतिक आपदाएं आती हैं, तो कई लोग उन्हें ईश्वर का कार्य कहते हैं। इसी तरह, कुछ लोग मृत्यु को ईश्वर का कार्य मानते हैं। भारत में लोग कहते हैं कि भगवान अपने मृत्यु एजेंट (यम) को उनके पास भेजते हैं जिनका सांसारिक जीवन छोड़ने का समय आ गया है। अगर ऐसा है, तो क्या सांप, बिच्छू और कीड़ों जैसे अन्य जीवों की भी मौत के लिए भगवान जिम्मेदार हैं? फिर, कुछ लोग पृथ्वी और ब्रह्मांड में सभी घटनाओं और घटनाओं को ईश्वर के कार्य मानते हैं और इसलिए उनका मानना है कि उनकी आज्ञा के बिना एक पत्ता भी नहीं हिल सकता। यह विश्वास है कि भगवान मनुष्यों पर इस तरह की पीड़ा थोपते हैं, कई संस्कृतियों में कई अनुष्ठान हुए हैं।

उदाहरण के लिए- कुछ आस्था के अनुयायी, पशु बलि, दावतें, यज्ञ करते हैं और अपने देवताओं को प्रसन्न करने और विपत्तियों को दूर करने के लिए विस्तृत प्रसाद चढ़ाते हैं। क्रोधित दंड देने वाले अधिकार के रूप में परमेश्वर के इस भय और छवि ने मनुष्य को परमेश्वर से और अधिक दूर कर दिया है। इस संबंध में, कई किंवदंतियां और कहानियां हैं जैसे भगवान शंकर जिन्हें महादेव भी कहा जाता है, ने अपना तीसरा नेत्र खोलकर विनाश की ज्वालाएं निकलती हैं और अशुद्ध दुनिया को नष्ट कर देती हैं। इसी प्रकार पौराणिक कथाओं में अनेक देवी-देवताओं को विनाशकारी भूमिका में दिखाया गया है। जैसा कि माना जाता है कि उन्होंने बुरी ताकतों को नष्ट करने और व्यवस्था और धार्मिकता स्थापित करने के लिए अवतार लिया था। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि ईश्वर, सर्वशक्तिमान, भगवान या हम उन्हें किसी भी नाम से जानते हैं, सार्वभौमिक रूप से एक कल्याणकारी (कल्याणकारी) के रूप में स्वीकार किया जाता है। तो, विध्वंसक के रूप में उनकी ईश्वरीय भूमिका एक परोपकारी और परोपकारी होनी चाहिए, है न? यह ठीक वैसा ही होगा जैसे कोई डॉक्टर अपने रोगियों के स्वास्थ्य को बहाल करने के लिए घातक ट्यूमर को हटा देता है या हानिकारक कीटाणुओं या बैक्टीरिया को नष्ट कर देता है। इसके अलावा, हम एक पुरानी और जीर्ण-शीर्ण इमारत को गिराने की एक आम प्रथा के बारे में जानते हैं जो मरम्मत से परे है और एक नए का पुनर्निर्माण कर रही है। क्या उपरोक्त उदाहरण उतने सामान्य नहीं हैं जितने हम उन्हें देखते और अनुभव करते हैं? फिर विनाश से डरने का कारण क्या है? हमें समझना चाहिए कि जीवन के इस शाश्वत नाटक में सब कुछ चक्रीय है - जैसे दिन और रात। सब कुछ तीन अवस्थाओं से होकर गुजरता है - आरंभ, मध्य और अंत। हर शुरुआत का अंत होता है और हर अंत एक नई शुरुआत की ओर ले जाता है। इसे हम सृष्टि, पालना और विनाश कहते हैं। उस अर्थ में, कुछ भी नष्ट नहीं होता है, यह सिर्फ रूप बदलता है। यह पुराने से नए में नवीनीकृत होता है, जैसे किसी भवन को फिर से विकसित किया जाता है। ऐसे ही जीवन का सनातन ड्रामा चलता रहता है। जब बार-बार जन्म-मृत्यु के बाद और काम, लोभ, क्रोध, मोह और अहंकार के पांच विकारों से पीड़ित होने के बाद आत्मा अपनी पवित्रता खो देती है, तो प्रकृति भी उनके दुष्परिणामों से प्रभावित होती है, इसलिए अपनी उत्कृष्ट स्थिति से, वह धीरे-धीरे पूरी तरह से पतित हो जाती है। यह इस समय है जब सर्वोच्च सर्वशक्तिमान स्वयं मानव आत्माओं को ज्ञान और शक्ति देने और उन्हें उनकी मूल सुपर उत्कृष्ट अवस्था में वापस लाने के लिए आते हैं। जब मनुष्य की आत्माएं पवित्र होंगी, तो प्रकृति भी स्वतः ही शुद्ध हो जाएगी। याद रखें, बुराई खुद को नष्ट कर देती है। कहा जाता है कि विनाश के समय मनुष्य की बुद्धि विकृत हो जाती है। आज इंसान ने परमाणु हथियार बना लिए हैं। हमें पर्यावरणविदों द्वारा ग्लोबल वार्मिंग और इसके खतरनाक प्रभावों के बारे में लगातार चेतावनी दी जा रही है। यह सब मनुष्यों द्वारा किए गए अधर्मी विचारों और कार्यों के कारण हो रहा है।

हम हर चीज के लिए ईश्वर को दोष देते हैं, लेकिन वास्तविक अर्थों में प्राकृतिक आपदाएं जैसी घटनाएं ईश्वर के कार्य नहीं हैं, बल्कि प्रकृति के असंतुलित तत्वों के कारण होने वाली उथल-पुथल हैं। ईश्वर की भूमिका मानव आत्माओं को दोषों को नष्ट करने के लिए सशक्त बनाकर शुद्ध करना और गुणों से भरी अपनी मूल प्राचीन अवस्था को पुनः प्राप्त करना है। वह हमें मुक्त करता है और बुराई से बचाता है। वह दयालु और परोपकारी है जो पूरी मानवता को पवित्रता, शांति और खुशी की एक नई दुनिया की ओर ले जा रहा है। तो आइए हम उसे दोष देने के बजाय उसकी बात सुनना और उसका अनुसरण करना शुरू करें।

पहले मुकाबले से बाहर हो सकते हैं सूर्यकुमार

● मुंबई इंडियन्स से आईपीएल में खेलते हैं

भाषा । नई दिल्ली

स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को 27 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुंबई इंडियन्स के पहले इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले से बाहर रहना पड़ सकता है क्योंकि तब तक उनके अंगूठे में हेयरलाइन फ्रेक्चर से पूरी तरह उबरने की संभावना नहीं है। मुंबई इंडियन्स द्वारा रिटेन किए गए चार खिलाड़ियों में शामिल सूर्यकुमार को वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 श्रृंखला के दौरान चोट लगी थी और इसके कारण वह श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला में नहीं खेल पाए।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया, सूर्या अभी एनसीए में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहा है। वह उबर रहा है लेकिन संभावना है कि पहले मैच में उसका खेलना तय नहीं है। उन्होंने कहा, इसलिए संभावना है कि बोर्ड की चिकित्सा टीम उन्हें सलाह दे सकती है कि पहले मैच में खेलने का जोखिम नहीं लें। मुंबई इंडियन्स के लिए कप्तान रोहित शर्मा और 15 करोड़ 25 लाख रुपए में खरीदे गए इशान किशन के बाद सूर्यकुमार सबसे महत्वपूर्ण बल्लेबाज हैं। इस तरह की संभावना नहीं है कि मुंबई इंडियन्स की टीम भी सूर्यकुमार के साथ जल्दबाजी करके कोई जोखिम लेगी। पहले मैच के बाद मुंबई इंडियन्स की टीम को अपना दूसरा मैच पांच दिन बाद दो अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलना है। माना जा रहा है कि तब तक सूर्यकुमार पूरी तरह उबर जाएंगे। सूत्र ने कहा, मुझे लगता है कि मुंबई इंडियन्स के दूसरे मैच तक वह शत प्रतिशत मैच फिट हो जाएंगे। अगर वह पहला मैच नहीं खेलता है तो यह एहतियाती कदम होगा। सूर्यकुमार वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 श्रृंखला में शानदार फॉर्म में थे और श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए।

बीसीसीआई ने सभी फ्रेंचाइजी को खेलने के परिस्थितियों की जानकारी दे दी है जिसमें प्रत्एक टीम को दो डीआरएस दिया जाना शामिल है। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के सभी नए नियम टूर्नामेंट के दौरान लागू होंगे।

यानी गेंद को चमकाने के लिए लार लगाने की स्वीकृति नहीं होगी, कोविड-19 के कारण इस पाबंदी को लागू किया गया था लेकिन बाद में इससे स्थाई रूप से लागू कर दिया गया। एमसीसी के नए नियम अक्टूबर से प्रभावी होंगे। भारत और मुंबई इंडियन्स के कप्तान रोहित शर्मा अपने परिवार के साथ टीम के जैविक रूप से सुरक्षित माहौल (बायो बबल) से जुड़ गए है। तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह एक बबल से दूसरे बबल में स्थानांतरित हुए हैं। दोनों सोमवार को श्रीलंका के खिलाफ संपन्न हुई टेस्ट श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का हिस्सा थे। मुंबई इंडियन्स ने अपने ट्विटर हैंडल पर रोहित और बुमराह के मुंबई में टीम होटल में प्रवेश की तस्वीर डाली है। राष्ट्रीय टीम के ए दोनों खिलाड़ी एक बबल से दूसरे बबल में गए हैं इसलिए नियमों के अनुसार उन्हें तीन दिन के कड़े पृथकवास से नहीं गुजरना होगा।

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल की तैयारी शुरू की, किशन, बुमराह, रोहित टीम से जुड़े

मुंबई। रिकॉर्ड पांच बार की आईपीएल चैम्पियन मुंबई इंडियंस ने 2022 सत्र की तैयारी मंगलवार से शुरू कर दी। मुंबई इंडियंस के पहले मैच से 12 दिन पूर्व अनुकूलन शिविर नवी मुंबई के रिलायंस जियो स्टेडियम में शुरू हो गया है। टीम द्वारा जारी एक बयान के अनुसार , मुंबई इंडियंस टीम के भीतर ही अभ्यास मैच खेलेगी जो शिविर के दूसरे सप्ताह में खेले जाएंगे। पहले अभ्यास सत्र से पूर्व टीम के क्रिकेट निदेशक और कोच महेला जयवर्धने के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों का आकलन किया गया। जहीर और जयवर्धने के साथ कोचिंग स्टाफ में शेन बांड, रॉबिन सिंह, किरण मोरे, राहुल सांघवी, विनय कुमार, टी ए सेकर, पॉल चैपमैन और डाटा विश्लेषक सीकेएम धनंजय हैं।

दिल्ली कैपिटल्स ने वाटसन को सहायक कोच बनाया

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स ने मंगलवार को आस्ट्रेलिया के पूर्व आलराउंडर शेन वाटसन को आईपीएल के आगामी सत्र के लिए सहायक कोच नियुक्त किया। दिल्ली के कोचिंग स्टाफ में वाटसन मुख्य कोच रिकी पोंटिंग, सहायक कोच प्रवीण आमरे, सहायक कोच अजीत आगरकर और गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स के साथ काम करेंगे।वाटसन ने दिल्ली कैपिटल्स की ओर से जारी बयान में कहा, आईपीएल, दुनिया का सर्वश्रेष्ठ टी20 टूर्नामेंट। एक खिलाड़ी के रूप में मेरी शानदार यादे हैं, पहले राजस्थान रॉयल्स के साथ 2008 में खिताब जीतना, बेहतरीन खिलाड़ी शेन वार्न की अगुआई में, फिर आरसीबी और फिर सीएसके के साथ। उन्होंने कहा, एक खिलाड़ी के रूप में मेरी शानदार यादें हैं और अब कोचिंग का मौका। महान रिकी पोंटिंग के नेतृत्व में काम करने का मौका मिलेगा।

आईसीसी वनडे महिला रैंकिंग में लुढ़के भारतीय खिलाड़ी

भाषा । दुबई

खराब फॉर्म से जूझ रही भारतीय कप्तान मिताली राज आईसीसी एक दिवसीय रैंकिंग में तीन पायदान खिसककर सातवें स्थान पर आ गई जबकि सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना 11वें स्थान पर खिसक गई। पिछले सप्ताह दो पायदान नीचे आई मिताली विश्व कप में न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ क्रमश: 31 और पांच रन ही बना सकी थी। वह आस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज रशेल हैंस के साथ संयुक्त सातवें स्थान पर है। दूसरी ओर मंधाना वेस्टइंडीज के खिलाफ 123 रन बनाने के बावजूद शीर्ष दस से बाहर हो गई। विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बनी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी दो पायदान गिरकर गेंदबाजों की रैंकिंग में छठे स्थान पर है। वहीं दीप्ति शर्मा हरफनमौलाओं की सूची में छठे स्थान पर बनी हुई है। विश्व कप में शानदार प्रदर्शन का सोफी एस्सेलेटन, एमी सैटर्थवेट, मरिजाने काप और लौरा वोल्वार्ट को रैंकिंग में भी फायदा मिला है।

हरमनप्रीत ने कहा, वेस्टइंडीज के खिलाफ किए प्रदर्शन को जारी रखना महत्वपूर्ण

माउंट मोनगानुई। वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के दौरान टीम के प्रदर्शन से खुश उप कप्तान हरमप्रीत कौर ने कहा कि भारत बुधवार को यहां आईसीसी महिला विश्व कप के लीग मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ इस प्रदर्शन को दोहराना चाहेगा। इंग्लैंड की टीम मौजूदा टूर्नामेंट में जूझ रही है और लगातार तीन मैच हार चुकी है। भारत ने अपने पिछले मैच में फॉर्म में चल रहे वेस्टइंडीज को 155 रन से हराया था। हरमनप्रीत ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि हमारे लिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि हम पिछले मैच के प्रदर्शन को जारी रखें, अपने कमजोर और मजबूत पक्षों के बारे में सोचने का कोई मतलब नहीं है। वेस्टइंडीज के खिलाफ हरमनप्रीत और सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने शतक जड़े और 184 रन की साझेदारी की जिसके बाद गेंदबाजों ने भारत को जीत दिला दी।

लाहिड़ी प्लेयर्स चैंपियनशिप में खिताब से चूके

पोंट वेद्रा बीच (अमेरिका)। एक शॉट की बढ़त के साथ अंतिम दौर मे उतरे भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी यहां दो करोड़ डॉलर इनामी प्लेयर्स चैंपियनशिप में एक शॉट से खिताब से चूककर दूसरे स्थान पर रहे। इस अनुभवी पेशेवर खिलाड़ी ने फॉर्म मे वापसी करते हुए 21 लाख 80 हजार डॉलर की करियर की सर्वश्रेष्ठ इनामी राशि भी हासिल की। अंतिम दौर मे 69 का स्कोर बनाने वाले लाहिड़ी को मुकाबले को प्ले आफ में खीचने के लिए 18वें होल में बर्डी की जरूरत थी लेकिन वह चूक गए।

आईओसी सत्र का आयोजन मील का पत्थर साबित होगा: प्रमाणिक

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री निसिथ प्रमाणिक ने मंगलवार को कहा कि भारत को यदि भविष्य मे ओलंपिक के आयोजन का मौका मिलता है तो उसके लिए सरकार पूरी तरह तैयार है तथा साल 2023 में मुंबई में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) सत्र का आयोजन मील का पत्थर साबित होगा। युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री प्रमाणिक ने लोकसभा मे प्रश्नकाल में कहा कि 2023 में आईओसी का सत्र मुंबई मे होने जा रहा है जो भारत के लिए गर्व का विषय है।

अमनदीप को पेशेवर गोल्फ टूर में बढ़त

गुरुग्राम। अमनदीप द्राल ने मंगलवार को यहां पहले दौर मे तीन अंडर 69 के स्कोर के साथ महिला पेशेवर गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के पांचवे चरण मे बढ़त बना ली। पहले दौर मे अंडर पार का स्कोर बनाने वाली एकमात्र खिलाड़ी रही अमनदीप ने दूसरे स्थान पर चल रही ज्हान्वी बक्षी (72) पर दो शॉट की बढ़त बना ली है। रिया पूर्वी सरवनन और नयनिका सांगा (दोनो दो ओवर 74) दोनो संयुक्त तीसरे स्थान पर चल रही है।

हिमालय क्षेत्र में खेलों के लिए 506.13 करोड़ : ठाकुर

नई दिल्ली। हिमालय क्षेत्र से खेलो मे भागीदारी को बढावा देने के लिए खेलो इंडिया योजना के तहत बुनियादी ढांचे से जुड़ी 77 परियोजनाओं के लिए 506 . 13 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने लोकसभा मे एक लिखित जवाब मे यह जानकारी दी।

गैरकानूनी वेबसाइट को ब्लॉक करने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बिना अनुमति के क्रिकेट मुकाबलों को स्ट्रीम (आनलाइन दिखाना) करके आनलाइन पाइरेसी से जुड़ी से कुछ वेबसाइट को ब्लॉक करने का आदेश दिया है। इंडियन प्रीमियर लीग टी20 टूर्नामेंटाटा आईपीएल 2022 के 26 मार्च से शुरू होने को ध्यान मे रखते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ता स्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और अन्य के निवेश की रक्षा करने की जरूरत है।

आडवाणी ने एशियाई स्नूकर नॉकआउट के लिए क्वालीफाई किया

दोहा। गत चैंपियन पंकज आडवाणी ने ग्रुप ए मे शीर्ष पर रहते हुए मंगलवार को यहां एशियाई स्नूकर चैंपियनशिप के नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई कर गए। आडवाणी ने हाल मे विश्व चैंपियन बने पाकिस्तान के अहसन रमजान को 4-1 से हराया। अहसन ने पहले फ्रेम मे बढ़त बनाई थी।

इंग्लैंड के खिलाफ भी जीत की कोशिश करेगा भारत

● महिला विश्व कप में होंगे आमने-सामने

भाषा । माउंट मोनगानुई

वेस्टइंडीज के खिलाफ प्रभावी जीत से आत्मविश्वास से भरा भारत बुधवार को यहां आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के अपने चौथे लीग मैच में इंग्लैंड के खिलाफ अपने प्रदर्शन में निरंतरता लाने की कोशिश करेगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ मनोबल बढ़ाने वाली 155 रन की जीत के बाद तीसरे स्थान पर चल रहा भारत जीत की लय बरकरार रखने की कोशिश करेगा क्योंकि इंग्लैंड के बाद उसे शीर्ष पर चल रहे आस्ट्रेलिया से भिड़ना है। भारत को अगर शीर्ष चार में रहना है तो जीत की लय बरकरार को बरकरार रखना होगा।न्यूजीलैंड के खिलाफ लचर प्रदर्शन करते हुए भारतीय बल्लेबाजों ने 162 खाली गेंद खेली थी लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ स्मृति मंधाना (119 गेंद में 123) और हरमनप्रीत कौर (107 गेंद में 109 रन) ने शतक जड़े जिससे टीम ने आठ विकेट पर 317 रन का टूर्नामेंट के इतिहास का अपना सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया। दोनों

सलामी बल्लेबाजों मंधाना और यस्तिका भाटिया ने शुरुआत से ही जज्बा दिखाया। मंधाना 123 रन की पारी के दौरान शानदार लय में दिखी जबकि हरमनप्रीत ने 2017 विश्व कप में आस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 171 रन के बाद अपना पहला और कुल चौथा शतक जड़ा। सेमीफाइनल के लिए भारत का दावा मजबूत करने के लिए ए दोनों खिलाड़ी इसी प्रदर्शन को जारी रखना चाहेंगी। बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजी गई आलराउंडर दीप्ति शर्मा और कप्तान मिताली राज को हालांकि बल्ले से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। विकेट के पीछे शानदार प्रदर्शन करने वाली युवा रिचा घोष अब तक दबाव में बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही हैं। वह पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने में नाकाम रही हैं।

आस्ट्रेलिया का विजयी अभियान जारी, वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराया

वेलिंगटन। आस्ट्रेलिया ने अपना दबदबा बरकरार रखते हुए मंगलवार को यहां आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के एकतरफा लीग मुकाबले में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हरा दिया।टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे सफल टीम आस्ट्रेलिया चार मैच में चार जीत से आठ अंक के साथ शीर्ष पर चल रही है। वर्ष 2013 का उप विजेता वेस्टइंडीज आस्ट्रेलिया को कोई चुनौती नहीं दे पाया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम 45.5 ओवर में सिर्फ 131 रन पर ढेर हो गई। वेस्टइंडीज की ओर से कप्तान स्टेफनी टेलर ही टिककर बल्लेबाजी कर पाई जिन्होंने 91 गेंद में 50 रन की पारी खेली। वेस्टइंडीज ने शुरुआत से ही नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम इससे कभी उबर नहीं पाई। टेलर हालांकि एक छोर पर डटी रही लेकिन दूसरे छोर पर लगातार विकेट गिरते रहे। वेस्टइंडीज की बल्लेबाजों के जूझने का अंदाजा इस बात से लग सकता है कि टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ साझेदारी चौथे विकेट के लिए 36 रन की रही। टेलर और विकेटकीपर बल्लेबाज शेमाइन कैंपबेल (20) के बीच यह साझेदारी हुई। आस्ट्रेलिया की ओर से एलिस पैरी ने 22 जबकि एशलेग गार्डनर ने 25 रन देकर तीन-तीन विकेट चटकाए। जेस जोनासेन ने 18 रन देकर दो विकेट हासिल किए।आस्ट्रेलिया ने इसके जवाब में सलामी बल्लेबाज रेशेल हेन्स की 95 गेंद में नौ चौकों की मदद से नाबाद 83 रन की पारी की बदौलत 30.2 ओवर में तीन विकेट पर 132 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की।आस्ट्रेलिया ने एलिसा हीली (03), कप्तान मेग लेनिंग (00) और एलिस पैरी (10) के विकेट जल्दी गंवा दिए जिससे टीम का स्कोर तीन विकेट पर 58 रन हो गया। रेशेल ने हालांकि बेथ मूनी (नाबाद 28) के साथ 74 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को जीत दिला दी। वेस्टइंडीज की ओर से चिनेल हेनरी ने 20, हेली मैथ्यूज ने 31 और शेमिला कोनेल ने 32 रन देकर एक विकेट चटकाया। आस्ट्रेलिया की टीम टूर्नामेंट में अब तक अजेय है। वेस्टइंडीज को चार मैचों में लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा और टीम चार अंक के साथ पांचवें स्थान पर चल रही है।

राही, मनु राष्ट्रीय निशानेबाजी ट्रायल में जीतीं

भाषा । नई दिल्ली

गत एशियाई खेल चैम्पियन राही सरनोबत ने राष्ट्रीय निशानेबाजी ट्रायल में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टी। स्पर्धा जीती जबकि पार्थ माखीजा ने पुरूषों और जूनियर पुरूष दस मीटर एयर राइफल में बाजी मारी। ओलंपियन मनु भाकर ने जूनियर महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में पहला स्थान हासिल किया। राही ने स्वर्ण पदक के मुकाबले में अभिज्ञा अशोक पाटिल को 19 . 16 से हराया। वहीं रिदम सांगवान ने चिंकी यादव को हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। पुरूषों के दस मीटर एयर राइफल टी। निर्णायक मुकाबले में दिल्ली के माखीजा ने पश्चिम बंगाल के अभिनव शॉ को 16 . 4 से हराया। इसके बाद जूनियर वर्ग में दुनिया के पूर्व नंबर एक राजस्थान के दिव्यांश सिंह पंवार को 16 . 10 से मात दी। मनु ने अपने वर्ग में रिदम को 19 . 14 से हराया। इन ट्रायल के आधार पर बाकू में होने वाले विश्व कप और सुल में होने वाले जूनियर विश्व कप के लिए टीमों का चयन होगा।

बाबर का शतक, पाकिस्तान के दो विकेट पर 192 रन

कराची। कप्तान बाबर आजम के दो साल में पहले टेस्ट शतक और अजहर शफीक के साथ उनकी अटूट शतकीय साझेदारी से पाकिस्तान ने खराब शुरुआत से उबरते हुए आस्ट्रेलिया के 506 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन दो विकेट पर 192 रन बनाए। दिन का खेल खत्म होने पर बाबर 198 गेंद में 12 चौकों की मदद से 102 रन बनाकर खेल रहे हैं। वह शफीक (नाबाद 71) के साथ अब तक तीसरे विकेट के लिए 171 रन की अटूट साझेदारी कर चुके हैं। ए दोनों उस समय साथ आए जब टीम 21 रन पर दो विकेट गंवा चुकी थी। विश्व रिकॉर्ड लक्ष्य हासिल करके तीन मैचों की श्रृंखला में।-0 की बढ़त हासिल करने के लिए पाकिस्तान को अब भी 314 रन की दरकार है। बाबर और शफीक ने टूटती पिच पर आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क की रिवर्स स्विंग के अलावा नाथन लियोन की स्पिन का चार घंटे से अधिक समय तक डटकर सामना किया। बांग्लादेश के खिलाफ फरवरी 2020 में अपना पिछला टेस्ट शतक जड़ने वाले बाबर ने अंतिम सत्र में स्वीप से दो रन जुटाकर 180 गेंद में अपना छठा शतक पूरा किया। पाकिस्तान ने पहले और दूसरे सत्र में एक-एक विकेट चटकाया जबकि अंतिम सत्र में आस्ट्रेलिया को एक भी सफलता नहीं मिली। दूसरे सत्र में एकमात्र विकेट कैमरन ग्रीन के खाते में गया जिन्होंने अजहर अली (06) को पगबाधा किया। ग्रीन की शॉर्ट गेंद अजहर के शरीर पर लगी। अजहर ने डीआरएस नहीं लिया लेकिन रिप्ले में दिखा कि गेंद उनके शरीर पर टकराने से पहले ग्लव्स से छूकर गई थी। पाकिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 38 रन होता लेकिन स्टीव स्मिथ ने स्लिप में शफीक का आसान कैच टपका दिया। स्मिथ ने मैच में यह तीसरा कैच छोड़ा।

फिर ढाका प्रीमियर में खेलेंगे विहारी और ईश्वरन

कोलकाता। टेस्ट विशेषज्ञ हनुमा विहारी और बंगाल के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन उन सात भारतीय क्रिकेटरों में शामिल हैं जो ढाका प्रीमियर लीग एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए नहीं चुने गए भारतीय घरेलू क्रिकेटरों के लिए यह फ्री विंडो है। आईपीएल 26 मार्च से शुरू हो रहा है।श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में भारत की 2-0 की जीत के दौरान टीम इंडिया का हिस्सा रहे हनुमा ने अबहानी लिमिटेड से करार किया है और हैदराबाद में संक्षिप्त ब्रेक के साथ उनके टीम से जुड़ने की संभावना है। बंगाल के कप्तान ईश्वरन 2017 और 2019 के बाद तीसरे सत्र के लिए प्राइम बैंक क्रिकेट क्लब से दोबारा जुड़ेंगे।यह आमंत्रण टूर्नामेंट है और ईश्वरी को डेढ़ महीने लंबे टूर्नामेंट के लिए ढाका जाने के लिए सोमवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड की स्वीकृति मिली। श्वरन ने मंगलवार को सावर में हुए मुकाबले में सिटी क्लब पर अपनी टीम की 50 रन की जीत के दौरान 30 रन की पारी खेली। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में परवेज रसूल को शेख जमाल धनमोंदी, बाबा अपराजित को रूपगंज टाइगर्स, अशोक मेनारिया को खेलाघर, चिराग जानी को लीजेंड्स आफ रूपगंज और गुरिंदर सिंह को बाजी ग्रुप आफ क्रिकेटर्स ने अपने साथ जोड़ा

झारखंड को नगालैंड पर 723 रन की बढत

कोलकाता। झारखंड ने प्लेट ग्रुप में शीर्ष पर रही नगालैंड के खिलाफ रणजी ट्रॉफी प्री क्वार्टर फाइनल में पहली पारी में 591 रन की बढत बना ली लेकिन फॉलोआन देने की बजाय दोबारा बल्लेबाजी के लिए उतरी। पहली पारी की बढत के आधार पर अंतिम आठ में जगह बना चुके झारखंड ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 132 रन बनाकर आखिरी दिन 723 रन की बढत ले ली। सलामी बल्लेबाज उत्कर्ष सिंह 106 गेंद में छह चौकों की मदद से 50 रन बनाकर नाबाद रहे। झारखंड ने इस मैच को बल्लेबाजी के अभ्यास के तौर पर लिया। उसने पहली पारी में 880 रन बनाए थे। नगालैंड के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज चेतन बिष्ट ने नाबाद 122 रन बनाए। इससे पहले झारखंड की पहली पारी में 203 ओवर विकेटकीपिंग करने के बाद उन्होंने यह शानदार पारी खेली।

हार्दिक के साथ अधिक जिम्मेदारी की जरूरत : तेवतिया

भाषा । मुंबई

गुजरात टाइटंस के आलराउंडर राहुल तेवतिया ने मंगलवार को कहा कि आगामी इंडियन प्रीमियर लीग में जब वह बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे तो उन्हें अधिक जिम्मेदारी लेने की जरूरत है। गुजरात टाइटंस की टीम आईपीएल में अपने अभियान की शुरुआत 28 मार्च को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ करेगी। छक्के जड़ने की अपनी क्षमता के कारण सुर्खियां बटोरने वाले तेवतिया को गुजरात की टीम ने नौ करोड़ रुपए में खरीदा।टीम में भूमिका के बारे में पूछे जाने पर तेवतिया ने संवाददाताओं से कहा, भूमिका समान रहेगी, जो मध्य क्रम में होती है, बल्लेबाजी के नजरिए से मैं और हार्दिक पंड्या टीम में हैं और हमें काफी जिम्मेदारी लेनी होगी और साथ ही हमें मुंबई में खेलना है और हमें गेंदबाजी में अपनी योजना पर कायम रहना होगा। आईपीएल में छठे, सातवें और आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने वालों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है क्योंकि वे मुख्य रूप से फिनिशर की भूमिका निभाते हैं। तेवतिया ने कहा, जैसा कि आपने कहा आलराउंडर की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। छठे, सातवें और आठवें नंबर पर खेलने वालों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है।

विश्वनाथ और वंशज को स्वर्ण

●भारत ने एशियाई युवा एवं जूनियर मुक्केबाजी में 39 पदक जीते

भाषा । नई दिल्ली

विश्वनाथ सुरेश (48 किग्रा) और वंशज (63.5 किग्रा) ने जोर्डन के अम्मान में एशियाई युवा एंव जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पुरुष युवा वर्ग में स्वर्ण पदक जीते जिससे भारतीय दल ने प्रतियोगिता में अपने अभियान का अंत 15 स्वर्ण सहित 39 पदक के साथ किया। भारत ने 15 स्वर्ण के अलावा 10 रजत और 14 कांस्य पदक भी जीते। भारत के युवा मुक्केबाजों ने सात स्वर्ण, तीन रजत और आठ कांस्य पदक सहित 18 पदक जीते जबकि जूनियर टीम ने अपना अभियान आठ स्वर्ण, सात रजत और छह कांस्य से कुल 21 पदक के साथ किया। चेन्नई के मुक्केबाज विश्वनाथ ने किर्गिस्तान के एर्गेशोव बेकजात को सोमवार रात 5-0 से हराया। सोनीपत के वंश ने उज्बेकिस्तान के जावोखिर उनातालीव को 4-। से शिकस्त दी।अमन सिंह बिष्ट को हालांकि 92 किग्रा से अधिक वर्ग के फाइनल में स्थानीय मुक्केबाज अल रवाशदेह के खिलाफ।-4 की हार से रजत पदक से संतोष करना पड़ा। टूर्नामेंट के पिछले सत्र में विश्वनाथ और वंशज ने रजत जबकि अमन ने कांस्य पदक जीता था। रमन (51 किग्रा), आनंद यादव (54 किग्रा) और दीपक को सेमीफाइनल में हार के साथ कांस्य पदक मिले। भारतीय युवा टीम 18 पदक के साथ पदक तालिका में तीसरे स्थान पर रही। ज्बेकिस्तान और कजाखस्तान क्रमश: 23 और 22 पदक जीतकर पहले दो स्थान पर रहे। युवा महिलाओं में निवेदिता कार्की , तमन्ना, शाहीन गिल (60 किग्रा), रवीना और मुस्कान ने स्वर्ण पदक जीते। जूनियर वर्ग में विनी (50 किग्रा), यक्षिका , निकिता , विधि , सृष्टि और रुद्रिका ने लड़कियों के जबकि कृष पाल और यशवर्धन सिंह ने लड़कों के वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। भारतीय जूनियर टीम उज्बेकिस्तान के बाद दूसरे स्थान पर रही।

लक्ष्य सेन विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर

● सिंधू सातवें स्थान पर बरकरार

भाषा । नई दिल्ली

उभरते हुए भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन मंगलवार को जारी नवीनतम बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में पुरुष एकल में 11वें स्थान पर पहुंच गए जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू महिला एकल में सातवें स्थान पर बरकरार हैं।लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत लक्ष्य ने पिछले कुछ महीनों में बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है। पुरुष एकल में उनके अभी 70,086 अंक हैं। डेनमार्क के ओलंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसन शीर्ष पर चल रहे हैं जबकि उनके बाद जापान के केंतो मोमोता और डेनमार्क के ही एंडर्स एंटोनसन का नंबर आता है। भारत के किदांबी श्रीकांत एक स्थान के नुकसान से 12वें पायदान पर हैं। उनके 69,158 अंक हैं। बी साई प्रणीत एक स्थान के नुकसान से 19वें नंबर पर हैं।लक्ष्य पिछले छह महीने से बेहतरीन फॉर्म में हैं। वह पिछले हफ्ते जर्मनी ओपन में उप विजेता रहे जबकि उन्होंने इंडियन ओपन का खिताब जीता और पिछले साल दिसंबर में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने में सफल रहे।पुरुष एकल में एचएस प्रणल और समीर वर्मा क्रमश: 24वें और 26वें स्थान पर हैं। महिला एकल में सिंधू 90,994 अंक के साथ सातवें स्थान पर बनी हुई हैं। एक अन्य ओलंपिक पदक विजेता भारतीय साइना नेहवाल 28वें स्थान पर हैं। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी आठवें स्थान पर बने हुए हैं।

सिंधू, लक्ष्य और श्रीकांत की नजरें भारत का खिताब का सूखा खत्म करने पर

भाषा । बर्मिंघम

● आल इंग्लैंड चैंपियनशिप

फॉर्म में चल रहे लक्ष्य सेन, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत पर सभी की नजरें टिकी होंगी जो बुधवार से यहां शुरू हो रही आल इंग्लैंड चैंपियनशिप में भारत के खिताब के 21 साल के सूखे को खत्म करने के इरादे से उतरेंगे। सिंधू, साइना नेहवाल और श्रीकांत जैसे भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी आल इंग्लैंड चैंपियनशिप का खिताब जीतने में नाकाम रहे हैं। पुलेला गोपीचंद (2001) और प्रकाश पादुकोण (1980) ही भारत के लिए इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खिताब जीत पाए हैं। साइना 2015 में फाइनल में पहुंचकर खिताब जीतने के करीब पहुंची थी जबकि ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप, राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों जैसी अन्य सभी बड़ी प्रतियोगिताओं में पदक जीतने में सफल रही सिंधू भी आल इंग्लैंड चैंपियनशिप नहीं जीत पाई हैं। छठे वरीय सिंधू एक बार फिर जीत की दावेदार के रूप में उतरेंगी जबकि 20 साल के लक्ष्य ने इस सुपर 1000 टूर्नामेंट से पहले लगातार अच्छा प्रदर्शन करके उम्मीद जगाई है।

मनिका-अर्चना की हार के साथ सिंगापुर स्मैश में भारतीय अभियान खत्म

सिंगापुर। मनिका बत्रा और अर्चना कामथ की मंगलवार को यहां महिला युगल के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ 20 लाख डॉलर इनामी सिंगापुर स्मैश टेबल टेनिस टूर्नामेंट में भारतीय अभियान खत्म हो गया। हिना हयाता और मिमा इतो की जापान की दूसरी वरीय जोड़ी ने भारतीय जोड़ी को सिर्फ 25 मिनट में 11-7, 11-4, 11-8 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। युगल में छठे नंबर की मनिका और अर्चना की जोड़ी को जापान की जोड़ी के खिलाफ लय हासिल करने के लिए जूझना पड़ा। भारतीय जोड़ी को बाएं हाथ की खिलाड़ी हयाता के स्पिन शॉट के खिलाफ विशेष रूप से परेशानी हुई। दाएं हाथ की खिलाड़ी इतो ने भी मनिका और अर्चना का कोई मौका नहीं दिया। भारतीय खिलाड़ी अब डब्ल्यूटीटी फीडर दोहा 2022 टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे।